संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
बुधवार
10 दिसंबर, 2025
वर्ष:24 अंक: 167
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

IISF भारत की वैज्ञानिक सोच का प्रतीक: राज्यपाल

पेज-8

रद्द और देरी वाली उड़ानों पर इंडिगो सक्रिय, ग्राहकों को मिला पूरा रिफंड

मुंबईः इंडिगो ने मंगलवार को दावा किया कि कंपनी का विमान परिचालन पटरी पर लौट आया है और वह ग्राहकों को रद्द एवं विलंबित उड़ानों के टिकट का शुल्क लौटाने सहित सभी मुद्दों का समाधान करने में जुटी है। इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने अपने नए वीडियो संदेश में कहा कि उन ग्राहकों को टिकट का पूरा शुल्क लौटाने की प्रक्रिया दैनिक आधार पर जारी है, जिनकी उड़ानें रद्द कर दी गई थीं या विलंबित थीं। उन्होंने कहा कि ऐसे लाखों ग्राहकों को उनके टिकट का पूरा शुल्क लौटाया जा चुका है। हालांकि, एल्बर्स ने उन ग्राहकों को दिए जाने वाले मुआवजे के बारे में कुछ नहीं कहा, जिनकी उड़ानें अंतिम समय में रद्द कर दी गईं या जिनमें काफी देरी हुई।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय के यात्री चार्टर के मुताबिक, अगर कोई विमानन कंपनी प्रस्थान से कम से कम दो हफ्ते पहले यात्री को उसकी उड़ान रद्द होने की सूचना देने में विफल रहती है, तो मुआवजा देना कानूनी रूप से अनिवार्य है और इसकी राशि उड़ान की अवधि पर निर्भर करती है। चार्टर के अनुसार, विमानन कंपनी को खुद बखुद मुआवजा देने की पहल करनी होती है, न कि यात्री के इसकी मांग करने का इंतजार करना होता है। एल्बर्स ने कहा कि इंडिगो का परिचालन पटरी पर लौट आया है और यह स्थिर है। परिचालन में बड़ा व्यवधान उत्पन्न होने से हमने आपको निराश किया और हमें इसके लिए खेद है।

उन्होंने कहा कि पहले हमने परिचालन के 10 से 15 दिसंबर के बीच पटरी पर लौटने के संकेत दिए थे। लेकिन अब मैं पुष्टि कर सकता हूं कि आज नौ दिसंबर को हमारा परिचालन पूरी तरह से बहाल हो गया है, जिसका मतलब यह है कि हमारी वेबसाइट पर दिखाई जाने वाली उड़ानें एक समायोजित नेटवर्क के साथ संचालित होने वाली हैं। एल्बर्स ने माना कि जिन लोगों की उड़ानें अचानक रद्द कर दी गईं या विलंबित हुईं, वे विभिन्न कारणों से यात्रा कर रहे थे। आपमें से हजारों लोग यात्रा नहीं कर सके और हमें इसके लिए अत्यधिक खेद है।

एल्बर्स ने कहा कि शुरुआत में कंपनी की पहली प्राथमिकता सभी फंसे हुए और उड़ान में देरी के शिकार ग्राहकों को सुरक्षित रूप से उनके गंतव्य तक पहुंचाना थी। उन्होंने कहा कि इसके बाद हमने टिकट शुल्क लौटाने की प्रक्रिया शुरू की। इंडिगो के सीईओ ने दावा किया कि लाखों ग्राहकों को उनके टिकट का पूरा शुल्क लौटाया जा चुका है और कंपनी बाकी बचे लोगों को उनके पैसे वापस करने के लिए दैनिक आधार पर काम कर रही है। हालांकि, उन्होंने इंडिगो की ओर से अब तक जारी की गई रकम के बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

एल्बर्स ने कहा कि हवाई अड्डों पर फंसा ज्यादातर सामान आपके (ग्राहकों के) घरों तक पहुंचाया जा चुका है और हमारी टीमें बाकी बचे बैग भी जल्द ही पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। हम ग्राहकों की सभी जरूरतों को पूरा करना जारी रखेंगे। इंडिगो की उड़ानों और नेटवर्क की बहाली का काम "युद्धस्तर पर किया गया। पांच दिसंबर को हम महज 700 उड़ानों का संचालन कर पाए थे।

ऑपरेशन को स्टेबल करने के लिए इंडिगो के फ्लाइट शेड्यूल में 10% की कटौती की जाएगी: नायडू

नई दिल्लीः यूनियन सिविल एविएशन मिनिस्टर राम मोहन नायडू किंजरापु ने कहा कि इंडिगो के CEO पीटर एल्बर्स और एयरलाइन के टॉप मैनेजमेंट अधिकारियों को मंगलवार को एक बार फिर बुलाया गया। यह पूछताछ एयरलाइन के 'क्रू रोस्टर, फ्लाइट शेड्यूल के अंदरूनी मिसमैनेजमेंट और कम्युनिकेशन की कमी' की वजह से यात्रियों को हो रही परेशानी पर चल रही है। यूनियन सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने एयरलाइन को अपने कुल ऑपरेशन में 10 परसेंट की कटौती करने का आदेश दिया है, जो पहले 5 परसेंट के आदेश से ज़्यादा है। ऐसा 'एयरलाइन के ऑपरेशन को स्टेबल करने' की ज़रूरत का हवाला देते हुए किया गया है। एयरलाइन को अपने रेगुलर डेस्टिनेशन पर जाना जारी रखने का आदेश दिया गया है। मिनिस्ट्री ने यात्रियों के बैगेज रिटर्न में तेज़ी लाने और बाकी रिफंड पूरे करने के लिए 'सख्त निर्देश' भी दिए हैं। यूनियन सिविल एविएशन मिनिस्टर राम मोहन नायडू किंजरापु ने X पर पोस्ट किया, 'मिनिस्ट्री इंडिगो के सभी रूट्स को कम करना ज़रूरी समझती है, जिससे एयरलाइन के ऑपरेशन्स को स्टेबल करने में मदद मिलेगी और कैंसलेशन कम होंगे। 10% की कटौती का ऑर्डर दिया गया है। इसे मानते हुए, इंडिगो पहले की तरह अपने सभी डेस्टिनेशन्स को कवर करती रहेगी। इंडिगो को मिनिस्ट्री के सभी निर्देशों का पालन करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें बिना किसी छूट के किराए की लिमिट और पैसेंजर की सुविधा के उपाय शामिल हैं।' यूनियन मिनिस्टर के मुताबिक, इंडिगो के CEO एल्बर्स ने कन्फर्म किया है कि एयरलाइन ने 6 दिसंबर तक प्रभावित फ्लाइट्स के लिए 100 परसेंट रिफंड कन्फर्म कर दिया है। उन्होंने कहा, 'जबकि जांच और ज़रूरी कार्रवाई चल रही है, इंडिगो के टॉप मैनेजमेंट के साथ स्टेबिलाइजेशन उपायों का रिव्यू करने के लिए एक और मीटिंग हुई। आज फिर, इंडिगो के CEO पीटर एल्बर्स को अपडेट देने के लिए मिनिस्ट्री में बुलाया गया। उन्होंने कन्फर्म किया कि 6 दिसंबर तक जिन फ्लाइट्स पर असर पड़ा था, उनके 100% रिफंड पूरे हो गए हैं। बाकी रिफंड और बैगेज हैंडओवर को तेज़ी से पूरा करने के लिए सख्त निर्देश दिए गए थे।' इसके अलावा, एयरलाइन को 'मिनिस्ट्री के सभी निर्देशों का पालन करने का आदेश दिया गया, जिसमें किराए की लिमिट और पैसेंजर की सुविधा के उपाय बिना किसी छूट के शामिल हैं।'

चुनाव आयोग को अपने इशारे पर चला रही है सरकार : राहुल

नयी दिल्ली- लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को सरकार पर आरोप लगाया कि उसने सभी संवैधानिक संस्थानों को एक संगठन के लोगों के हवाले कर दिया है और चुनाव आयोग जैसे निष्पक्ष संस्था को अपने इशारे पर चलाकर लोकतंत्र को खत्म कर रही है।

श्री गांधी ने चुनाव सुधार पर चर्चा में अपनी बात रखते हुए कहा, 'जिस प्रकार एक धागों से मिलकर कपड़ा बनता है और सभी धागे एक दूसरे से मिले होते हैं उसी प्रकार हमारे राष्ट्र का भी एक तानाबाना है जो एक सौ चालीस करोड़ लोगों से मिलकर बनते हैं। एक सौ चालीस करोड़ों के मिलने से हमारा देश बनता है। अगर वोट का आस्तित्व नहीं रहेगा तब किसी का आस्तित्व नहीं रहेगा।'

उन्होंने कहा कि जिस विचारधारा ने तीस जनवरी 1948 को महात्मा गांधी की हत्या की थी उसी संगठन के लोग देश के सभी संवैधानिक संस्थानों पर कब्जा कर रही है। विश्वविद्यालयों के कुलपति आज कैसे पहुंचते हैं यह सभी को पता है। कुलपति बनने के लिए किस प्रकार की योग्यता चाहिए वह देश के लोगों को पता है।

श्री गांधी के भाषण के दौरान हंगामा होने पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने एक शब्द चुनाव सुधार पर नहीं बोले हैं। हम सुनने के लिए बैठे हैं। नेता प्रतिपक्ष चुनाव सुधार के लिए जो सुधार देंगे वह सुनेंगे। जिस संगठन का इस सदन से कोई लेना देना नहीं है उसके बारे में बोलना सही नहीं है। विषय पर नहीं बोलेंगे तो विषय तय करने का क्या मतलब है।

श्री गांधी ने कहा कि यह चर्चा वोट चोरी और एसआईआर के संबंध में है और उन्हें बोलने नहीं दिया जा रहा है ,जो सही नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा चुनाव आयोग का इस्तेमाल कर रही है और चुनाव आयोग को निर्देश दिया जा रहा है ताकि लोकतंत्र को तोड़ा जा सके । सरकार ने शीर्ष न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को चुनाव आयुक्त की नियुक्ति से हटा दिया ताकि वह अपने मनमुताबिक चुनाव आयुक्त बना सकें। सरकार ने चुनाव आयुक्त को उनके काम के मामले दंड़ के प्रावधान को खत्म कर दिया। सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त पर कब्जा करके बैठी है।

सेंसेक्स दो दिन में 1046 अंक लुढ़का, निफ्टी चार सप्ताह के निचले स्तर पर

मुंबई- घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार दूसरी गिरावट देखी गयी। इन दो दिनों में बीएसई का सेंसेक्स 1,046 अंक लुढ़क चुका है जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की निफ्टी-50 सूचकांक चार सप्ताह से निचले स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स 436.41 अंक (0.51 प्रतिशत) टूटकर 84,666.28 अंक पर आ गया जो 25 नवंबर के बाद का निचला स्तर है। सोमवार को यह 610 अंक टूट गया था। एनएसई का निफ्टी-50 सूचकांक भी 120.90 अंक यानी 0.47 प्रतिशत लुढ़क कर 25,839.65 अंक पर बंद हुआ। यह 11 नवंबर के बाद का इसका निचला स्तर है। दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों में तेजी रही। इसका प्रमुख कारण रुपये में लौटी मजबूती है। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.14 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.14 प्रतिशत की बढ़त में बंद हुआ। आईटी, ऑटो, फार्मा, वित्त स्वास्थ्य और धातु समूहों में गिरावट रही। वहीं, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, सरकारी बैंकों, रसायन और रियलिटी समूहों में निवेशकों ने पैसा लगाया। एनएसई में कुल 3,208 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ। इनमें 1,987 में तेजी रही जबकि 1,127 के शेयर लाल निशान में बंद हुए। अन्य 94 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित बंद हुए। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 20 में गिरावट रही। एशियन पेंट्स का शेयर लगभग सबसे अधिक 4.47 प्रतिशत टूटा। टेक महिंद्रा में 1.87 प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 1.80, टाटा स्टील में 1.74, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 1.13, सनफार्मा और अल्ट्राटेक सीमेंट दोनों में 1.06, मारुति सुजुकी में 1.05 और आईसीआईसीआई बैंक में 1.04 प्रतिशत की गिरावट रही।

मोटी-मोटी बातें

सांसद कर्तिकेय शर्मा ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से की मुलाकात, धर्मपत्नी डॉ. ऐश्वर्या पंडित शर्मा ने अपनी पुस्तक Indian Renaissance – The Modi Decade प्रधानमंत्री को भेंट की

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। सांसद श्री कर्तिकेय शर्मा ने आज संसद भवन में अपनी धर्मपत्नी, लेखिका एवं शिक्षाविद डॉ. ऐश्वर्या पंडित शर्मा के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से भेंट की। इस अवसर पर डॉ. ऐश्वर्या पंडित शर्मा ने अपनी पुस्तक Indian Renaissance – The Modi Decade प्रधानमंत्री को भेंट की।

मुलाकात के पश्चात कर्तिकेय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री से संवाद करना हर बार एक ज्ञानवर्धक अनुभव होता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री से मिलने पर नए विचार, गहरी समझ, और राष्ट्र सेवा के प्रति अधिक स्पष्टता व दृढ़ संकल्प प्राप्त होता है।

कर्तिकेय शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक जीवन में जवाबदेही, जन-केंद्रित सुशासन, युवा शक्ति से सार्थक संवाद और जन-जीवन को सरल बनाने वाले सुधारों पर विशेष बल दिया।उन्होंने कहा कि यह मार्गदर्शन देश और समाज के लिए ठोस परिणाम देने की दिशा में कार्य करने की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

डॉ. ऐश्वर्या पंडित शर्मा ने कहा कि उनकी पुस्तक Indian Renaissance – The Modi Decade में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत की परिवर्तनकारी यात्रा का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत है। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री को समर्पित करना अपने लिए सम्मान और गर्व का क्षण बताया।

कर्तिकेय शर्मा ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और कहा कि यह मुलाकात राष्ट्रहित में और अधिक समर्पित होकर कार्य करने की प्रेरणा देती है।

मुख्य सचिव ने पंचकूला में आंगनवाड़ी व प्ले स्कूल केंद्रों का किया निरीक्षण, सुविधाओं का लिया जायजा

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने आज प्ले स्कूल बुढ़नपुर तथा रामगढ़ और बरवाला स्थित आंगनवाड़ी केंद्रों का दौरा किया और वहाँ बच्चों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने आंगनवाड़ी वर्कर और हेल्पर से बातचीत भी की।

इस अवसर पर उनके साथ महिला एवं बाल विकास विभाग के आयुक्त और सचिव श्री शेखर विद्यार्थी और विभाग की निदेशक डॉ. प्रियंका सोनी भी मौजूद थीं।

मुख्य सचिव ने प्ले स्कूल बुढ़नपुर में तीन से चार वर्ष के बच्चों के लिए चलाई जा रही बाल वाटिका-1 तथा चार से पाँच वर्ष के बच्चों के लिए बाल वाटिका-2 का निरीक्षण किया और बच्चों की शिक्षा, आहार और खेल गतिविधियों की विस्तृत जानकारी ली। मुख्य सचिव को अवगत कराया गया कि प्ले स्कूल में बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा दी जाती है। प्रतिदिन बच्चों को भाषा विकास, सामाजिक, सांस्कृतिक, रचनात्मक और बौद्धिक पहलुओं पर आधारित विभिन्न गतिविधियाँ करवाई जाती हैं, ताकि उनका समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। साथ ही बच्चों को स्वास्थ्य की दृष्टि से पौष्टिक आहार भी प्रदान किया जाता है।

इस दौरान मुख्य सचिव ने पाँचवी से छठी कक्षा के विद्यार्थियों के लिए चलाई जा रही बाल वाटिका-3 और आंगनवाड़ी केंद्र का भी अवलोकन किया तथा बच्चों से बातचीत की। मुख्य सचिव को अपने बीच पाकर बच्चे बहुत खुश हुए और उन्होंने कविता भी सुनाई।

इसके उपरांत मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने रामगढ़ और बरवाला स्थित आंगनवाड़ी केंद्रों का भी निरीक्षण किया और वहाँ उपलब्ध बुनियादी तथा अन्य सुविधाओं का जायजा लिया। आंगनवाड़ी हेल्पर और वर्कर से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि वे बच्चों की देखरेख के साथ-साथ उनकी प्रतिभा का भी आकलन करें और प्रतिभाशाली बच्चों को उनकी रुचि के अनुसार आगे बढ़ने में मदद करें। मुख्य सचिव को यह भी बताया गया कि आंगनवाड़ी केंद्र खोलने से लेकर बच्चों की गतिविधियों और आहार संबंधी जानकारी 'पोषण ट्रैकर' ऐप पर अपलोड की जाती है, जिसे राज्य स्तर, जिला स्तर और खंड स्तर पर डैशबोर्ड के माध्यम से देखा जा सकता है।

NIA ने 8वें आरोपी को किया गिरफ्तार, हमले के पीछे की साजिश में बिलाल की संलिप्तता

नई दिल्लीः राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने पिछले महीने राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले के नजदीक एक कार में हुए विस्फोट के सिलसिले में आठवीं गिरफ्तारी की है। एनआईए के प्रवक्ता ने बताया कि मुख्य आरोपी डॉ. बिलाल नसीर मल्ला जम्मू-कश्मीर के बारामूला का निवासी है और उसे राष्ट्रीय राजधानी से गिरफ्तार किया गया।

संघीय एजेंसी ने कहा कि उसने जांच के दौरान 10 नवंबर को लाल किला क्षेत्र में हुए आतंकवादी हमले के पीछे की साजिश में बिलाल की संलिप्तता पाई है। इस दौरान 15 लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हो गए थे। जांच के अनुसार, एनआईए की जांच के अनुसार, बिलाल ने जानबूझकर मृत आरोपी उमर उन नबी को आश्रय दिया और उसे लॉजिस्टिक सहायता प्रदान की।

उस पर आतंकवादी हमले से संबंधित सबूत नष्ट करने का भी आरोप है। एनआईए इस घातक विस्फोट के पीछे की साजिश की जांच कर रहा है। आतंकवाद-रोधी एजेंसी साजिश के सभी पहलुओं को उजागर करने के लिए विभिन्न केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है।

वंदे मातरम् पर तुष्टिकरण नहीं होता तो देश का बंटवारा नहीं होता

नयी दिल्ली- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को संसद में कहा कि कांग्रेस ने तुष्टिकरण की नीति के तहत वंदे मातरम् को दो हिस्सों में नहीं बांटा होता तो देश का बंटवारा भी नहीं होता।

श्री शाह ने राज्यसभा में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 साल के मौके पर विशेष चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस पर शुरू से ही वंदे मातरम् का विरोध करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब वंदे मातरम् के 50 साल पूरे हुए तो वंदे मातरम् को दो हिस्सों में बांटा गया। वहीं से तुष्टिकरण की शुरुआत हुई और देश का बंटवारा हुआ। उन्होंने कहा, 'मेरा और बहुत से लोगों का मानना है कि तुष्टिकरण नहीं होता तो देश का बंटवारा नहीं होता।'

कांग्रेस और उसके शीर्ष नेतृत्व पर वंदे मातरम् के विरोध का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में संसद में वंदे मातरम् का गान बंद कर दिया गया था, बावजूद इसके कि संविधान सभा ने इसे राष्ट्रगीत का दर्जा दिया था। उन्होंने कहा कि जब वंदे मातरम् के 100 साल हुए तो देश में आपातकाल लगा था। गृह मंत्री ने कहा, 'कल भी जब वंदे मातरम् के 150 साल के मौके पर लोकसभा में चर्चा हुई तो कांग्रेस की एक नेत्री ने कहा - अभी इस समय वंदे मातरम् की चर्चा की जरूरत नहीं है।'

इस पर कांग्रेस के कुछ सदस्यों ने आपत्ति की और उनसे सदन को पूरी बात बताने की मांग की। श्री शाह ने कहा कि जिस गीत को महात्मा गांधी ने देश की आत्मा से जुड़ा गीत बताया था 'उसका टुकड़ा करने का काम कांग्रेस पार्टी ने किया।' उन्होंने आरोप लगाया कि 1992 में जब लोकसभा में दोबारा वंदे मातरम् का गान शुरू हुआ तो 'इंडिया' गुट के कई सदस्यों ने उसे गाने से इनकार कर दिया था। उन्होंने यह भी कहा कि जब वंदे मातरम् के गायन का समय होता है तो कांग्रेस के कई सदस्य सदन से बाहर चले जाते हैं, वहीं भारतीय जनता पार्टी के सभी सदस्य खड़े होकर पूरे सम्मान के साथ वंदे मातरम् का गायन करते हैं।

निलंबन के बाद नवजोत कौर का दावा, कहा- कांग्रेस के 70% पंजाब नेता मेरे साथ

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए 500 करोड़ रुपए वाली टिप्पणी के चलते पार्टी से निलंबित किए जाने के एक दिन बाद नवजोत कौर सिद्धू ने मंगलवार को दावा किया कि उन्हें कांग्रेस की पंजाब इकाई के 70 प्रतिशत और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के 90 प्रतिशत लोगों का समर्थन प्राप्त है। कौर ने कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा पर भी निशाना साधा, जिन्होंने अपने खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर उन्हें (कौर) कानूनी नोटिस भेजा है।

उन्होंने रंधावा पर राजस्थान में पार्टी टिकट बेचने और तस्करों से संबंध रखने का भी आरोप लगाया। रंधावा ने पार्टी की निलंबित नेता नवजोत कौर को मंगलवार को कानूनी नोटिस भेजा और उनसे अपमानजनक टिप्पणी के लिए माफी मांगने या कानूनी कार्रवाई का सामना करने को कहा। कौर कांग्रेस की पंजाब इकाई के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी हैं।

कांग्रेस ने कौर को मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए नकदी'' वाली उनकी टिप्पणी के लिए सोमवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया था, जिससे

राजनीतिक विवाद छिड़ गया था। अपने निलंबन को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कौर ने कहा कि नोटिस एक ऐसे व्यक्ति की ओर से आया है, जिसके पास कोई मान्यता नहीं है और ऐसे कई नोटिस जारी किए जाते रहे हैं।

कौर ने पटियाला में कहा कि वह पार्टी आलाकमान के संपर्क में हैं। पार्टी (आलाकमान) के साथ उचित चर्चा की जा रही है लेकिन हमारी एक शर्त है कि हम 'चोरों' का समर्थन नहीं करेंगे। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना कहा कि अगर आप सरकार बनाना चाहते हैं, तो कांग्रेस में चार-पांच लोग हैं जो पार्टी को बर्बाद कर रहे हैं। यदि आप उन्हें दरकिनार करने को तैयार हैं, तो हम इस पर विचार करेंगे।

यह पूछे जाने पर कि क्या निलंबन के बाद उन्हें कांग्रेस का समर्थन प्राप्त है उन्होंने कहा कि मुझे पूरा समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा कि पंजाब कांग्रेस के 70 प्रतिशत से अधिक लोग मेरे साथ हैं और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के 90 प्रतिशत लोग मेरे साथ हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने अपने खिलाफ कार्रवाई के बाद आलाकमान से बात की, उन्होंने कहा कि मैं अभी कुछ भी साझा नहीं करूंगी।

रंधावा पर निशाना साधते हुए कौर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सांसद ने कभी भी मुख्यमंत्री के खिलाफ आवाज नहीं उठाई और न ही कानून-व्यवस्था का मुद्दा उठाया। उन्होंने पार्टी के राजस्थान प्रभारी रंधावा की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि रंधावा, जो इस समय बहुत कुछ बोलने की कोशिश कर रहे हैं, अपनी पत्नी की जीत सुनिश्चित नहीं कर सके। आपने उनकी (नवजोत सिद्धू की) पीठ में छुरा घोंपा है। आपके तस्करों से संबंध हैं। राजस्थान में उन्होंने टिकट के लिए पैसे लिए।

मुख्यमंत्री के दौरे के अंतिम दिन दक्षिण कोरिया में प्रभावशाली निवेश रोड शो को मिला भारी समर्थन

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा अपने दक्षिण कोरिया दौरे के अंतिम दिन आयोजित प्रभावशाली निवेश रोड शो को अग्रणी औद्योगिक कंपनियों की भागीदारी के साथ भारी प्रोत्साहन मिला और इन कंपनियों ने पंजाब में निवेश करने में गहरी रुचि दिखाई।

- बड़ी औद्योगिक कंपनियों ने पंजाब में निवेश में रुचि दिखाई

यहां व्यापारिक नेताओं के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने पंजाब को स्थिर एवं पारदर्शी शासन वाला तथा भविष्य के निवेश के लिए पूरी तरह तैयार राज्य के रूप में चिह्नित किया। उन्होंने कहा कि पंजाब का मजबूत औद्योगिक इको-सिस्टम, विश्वसनीय और सस्ती बिजली, कुशल एवं मेहनती श्रमिक बल तथा बड़े बाजारों से सुगम संपर्क सुविधाएँ इसे निवेश के लिए सबसे पसंदीदा गंतव्य बनाती हैं। भगवंत सिंह मान ने दोहराया कि पंजाब का शासन मॉडल निवेशक-अनुकूल है, जो कार्य-कुशलता और कारोबारी चक्र के दौरान पूर्ण सहयोग पर आधारित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब का विज़न प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में दक्षिण कोरिया के साथ प्रौद्योगिकी, नवाचार और परस्पर लाभकारी संबंधों से प्रेरित है। दक्षिण कोरियाई कंपनियों का स्वागत करने की पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि इससे नवाचार-आधारित औद्योगिक विकास, दीर्घकालिक संबंध और परस्पर लाभकारी साझेदारी को बढ़ावा मिलेगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इससे विनिर्माण, प्रौद्योगिकी, खाद्य प्रसंस्करण और अनुसंधान क्षेत्रों में बड़ी संभावनाएं हैं।

अपना विज़न साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की मजबूत आर्थिक एवं सांस्कृतिक संबंधों के माध्यम से समृद्ध भविष्य सृजन करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पंजाब को साहस, मेहनत, उद्यमिता, रचनात्मकता और मजबूत सामुदायिक समझ वाली धरती के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि पंजाब ने हमेशा भारत के विकास, विशेष रूप से खाद्य उत्पादन में देश को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि आज पंजाब आधुनिक औद्योगिक, प्रौद्योगिकी और वैश्विक सहयोग का केंद्र बनने की ओर अग्रसर है।

मुख्यमंत्री ने राज्य के शासन एवं नियामक सुधारों को भी रेखांकित किया, जिनमें फास्टट्रैक पंजाब सिंगल-विंडो सिस्टम शामिल है, जिसमें 173 सेवाएं, ऑटो-डीम्ड मंजूरियां, पैन-आधारित व्यवसाय पहचानकर्ता और पंजाब

बिजनेस राइट्स एक्ट में संशोधन शामिल हैं, जो समयबद्ध सैद्धांतिक मंजूरियों को सक्षम बनाते हैं। उन्होंने पंजाब के औद्योगिक बुनियादी ढांचे पर भी प्रकाश डाला और बताया कि 1.4 लाख करोड़ रुपए से अधिक का ग्राउंड इन्वेस्टमेंट पहले ही इन्वेस्ट पंजाब के माध्यम से सुनिश्चित किया जा चुका है। इस दौरान भगवंत सिंह मान ने कहा कि उनका दृष्टिकोण सरल और स्पष्ट है – नीतिगत स्थिरता, निर्णय लेने में गति और निवेशकों के समय एवं विश्वास का सम्मान करने वाली शासन प्रणाली पेश करके पंजाब को विश्व उद्योग के लिए पसंदीदा गंतव्य बनाना।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब का दृष्टिकोण साझेदारी और उद्योगों के साथ मिलकर काम करने, उनकी जरूरतों को समझने और यह सुनिश्चित करने पर आधारित है कि सरकार विकास के उत्प्रेरक के रूप में काम करे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब ने अपने बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है, अपनी औद्योगिक क्षमता का विस्तार किया है और निवेश के लिए नए रास्ते खोले हैं। उन्होंने कहा कि सरकार और उद्योग के बीच साझेदारी सफलता की कुंजी है और राज्य सरकार का दृढ़ विश्वास है कि औद्योगिक विकास तभी संभव है जब दोनों पक्ष समान साझेदार के रूप में काम करें।

मुख्यमंत्री ने निवेशकों को 13 से 15 मार्च 2026 तक आई.एस.बी. मोहाली कैंपस में होने वाले छठे प्रोग्रेसिव पंजाब इन्वेस्टर समिट में शामिल होने का निमंत्रण दिया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह सम्मेलन पंजाब की प्रगति को प्रदर्शित करेगा, अग्रणी उद्योगपतियों को एकत्र करेगा और साझेदारी एवं सहयोग के नए अवसर प्रस्तुत करेगा। उन्होंने दोहराया कि पंजाब सरकार राज्य में औद्योगिक विकास को और बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह समर्पित है और इसके लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी। इस दौरान मुख्यमंत्री द्वारा बिछाए गए 'रेड कारपेट से उत्साहित दक्षिण कोरियाई कंपनियों ने पंजाब में निवेश करने में गहरी दिलचस्पी दिखाई। भगवंत सिंह मान ने उम्मीद जताई कि ऐसे निवेश न केवल युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेंगे, बल्कि राज्य के आर्थिक विकास को और तेज करेंगे। उन्होंने दक्षिण कोरियाई निवेशकों को राज्य सरकार की ओर से हर मोर्चे पर पूर्ण समर्थन एवं सहयोग का भरोसा भी दिया और कहा कि राज्य में औद्योगिक विकास को और बढ़ावा देना समय की जरूरत है।

विधायक किशोरी लाल ने किया इंटर-कॉलेज महिला खो-खो प्रतियोगिता का शुभारंभ

● बेटियों की खेलों में बढ़ती भागीदारी प्रदेश के लिए गौरव का विषय : किशोरी लाल

बैजनाथ । पंडित संत राम राजकीय महाविद्यालय बैजनाथ में आज हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय इंटर-कॉलेज महिला खो-खो प्रतियोगिता 2025 का शुभारंभ किया गया। महाविद्यालय परिसर में आयोजित इस उद्घाटन समारोह में विधायक किशोरी लाल ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में राजकीय महाविद्यालय बैजनाथ, हमीरपुर, ऊना, थुरल, रामपुर, जयसिंहपुर, ददाहूं, खड्ड, घुमारवीं, बिलासपुर, मुल्थान तथा आर के एम वी शिमला सहित कुल 12 टीमों ने भाग लिया मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि खो-खो जैसे भारतीय पारंपरिक खेल हमारी सांस्कृतिक धरोहर का अभिन्न अंग हैं और युवाओं में एकाग्रता, टीम भावना तथा मानसिक मजबूती को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि बेटियों की खेलों में बढ़ती भागीदारी प्रदेश के लिए गौरव का विषय है और सरकार द्वारा महिला खिलाड़ियों को हर स्तर पर प्रोत्साहित करने के लिए अनेक कदम उठाए जा रहे हैं। विधायक ने सभी टीमों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि जीत-हार खेल का हिस्सा है लेकिन सही मायनों में खेल भावना और अनुशासन ही खिलाड़ी को महान बनाते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से पूरे उत्साह, समर्पण और सकारात्मक ऊर्जा के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय बैजनाथ के प्रधानाचार्य प्रदीप कौंडल, प्रदेश युवा कांग्रेस के महासचिव रविंदर राव, पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष कै0 जगदीश राणा, पी टी ए प्रधान शिवानी सूद, रणजीत राणा, नागेंद्र कटोच, कार्तिक राणा, चंद देवी सहित विभिन्न महाविद्यालयों के प्राध्यापकगण, विद्यार्थी एवं विभिन्न विभागों कीधिक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने हवलदार संजीव कुमार के निधन पर शोक व्यक्त किया

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने 13वीं बटालियन डोगरा रेजिमेंट के हवलदार संजीव कुमार के निधन पर शोक व्यक्त किया है। वह बैजनाथ के डंडेरा गांव के निवासी थे और कमांड अस्पताल बेंगलुरु में बीमारी के कारण उनका निधन हो गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हवलदार संजीव कुमार ने राष्ट्र की सेवा में जो योगदान दिया वह हमेशा याद रखा जाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कठिन समय में राज्य सरकार संजीव कुमार के परिवार के साथ खड़ी है और सभी आवश्यक सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति और शोक संतप्त परिजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

राज्यपाल 10 दिसम्बर को सोलन ज़िला के प्रवास पर

सोलन । राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल 10 दिसम्बर, 2025 को सोलन ज़िला के प्रवास पर आ रहे हैं। शिव प्रताप शुक्ल 10 दिसम्बर, 2025 को प्रातः 10.30 बजे डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी के दीक्षांत समारोह में मुख्यातिथि होंगे।

उप-मुख्यमंत्री ने हवलदार संजीव कुमार के निधन पर शोक व्यक्त किया

शिमला। उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने 13वीं बटालियन डोगरा रेजिमेंट के हवलदार संजीव कुमार के निधन पर शोक व्यक्त किया है। बैजनाथ उपमंडल के डंडेरा गांव के निवासी हवलदार संजीव कुमार का कमांड अस्पताल, बेंगलुरु में बीमारी के कारण निधन हो गया। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि हवलदार संजीव कुमार ने राष्ट्र की सेवा में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया, जिसे सदैव सम्मानपूर्वक याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कठिन घड़ी में प्रदेश सरकार शहीद के परिजनों के साथ है और हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

शिक्षा और संस्कार राष्ट्र की नींव : आशीष बुटेल

● विधायक ने नवाजे जय पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल बनूरी के मेधावी

पालमपुर । पालमपुर के विधायक आशीष बुटेल ने मंगलवार को जय पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बनूरी में आयोजित वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने मेधावी छात्रों को सम्मानित किया और बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा और संस्कार राष्ट्र की नींव होते हैं। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों को भी अपनाएं और देश के जिम्मेदार नागरिक बनें। आशीष बुटेल ने शिक्षण संस्थान द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में गुणात्मक शिक्षा प्रदान करना एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, जिसे यह स्कूल बखूबी निभा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गुणात्मक शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। प्रदेश सरकार ने लगभग 600 अध्यापकों को प्रशिक्षण के लिए विदेश दौरे पर भी भेजा ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध करवाई जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों के लिए विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में चिल्ड्रन पार्क का भी निर्माण किया जा रहा है और कण्डबाड़ी में राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूल का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

बुटेल ने हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे %एंटी-चिट्टा% (नशा विरोधी) अभियान पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार इस गंभीर सामाजिक बुराई को जड़ से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने उपस्थित युवाओं और छात्रों से आह्वान किया कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और अपने आस-पास के लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करें। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ यह लड़ाई केवल सरकार की नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग और हर नागरिक की है, और खासकर युवा पीढ़ी को अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाकर इस बुराई के खिलाफ ढाल बनना होगा।

क्षेत्र में चल रहे विकासात्मक कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि कण्डबाड़ी पहुंचने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से सात सड़कों का निर्माण किया गया है। साथ ही उन्होनें बनुरी में पेयजल संबंधित समस्याओं की स्थाई समाधान सुनिश्चित करने का भी आश्वासन दिया। विधायक ने बच्चों की सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रोत्साहन के लिए 20 हजार रुपए देने की भी घोषणा की। इससे पहले विधायक और वशिष्ठ अतिथि अमर शहीद कैप्टन सौरव कालिया के पिता डॉ. एनके कालिया का स्कूल के प्रबंध निदेशक त्रिलोक सिंह ने स्वागत किया। स्कूल प्रधानाचार्य बब्लेश समकडिया ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और स्कूल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, जिसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसने सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर नगर निगम उपमहापौर राजकुमार, पार्षद एवं पूर्व महापौर पूनम बाली, एसडीओ लोक निर्माण विभाग सार्थक सूद, वन परिक्षेत्र अधिकारी आदित्य, स्कूल प्रबंधन समिति सदस्य, विभिन्न स्कूलों के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण, अभिभावक और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

बच्चों की बेहतर शिक्षा के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध : केवल सिंह पठानिया

● पीएम श्री राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हारचक्कियां में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में शिरकत ● 16 लाख से बने अतिरिक्त कमरे का लोकार्पण ● उत्कृष्ट छात्रों को किया सम्मानित

शाहपुर । शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने आज पीएम श्री राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हारचक्कियां के वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में मुख्यातिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने 16 लाख रुपये की लागत से निर्मित अतिरिक्त कमरे का विधिवत लोकार्पण किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कलस्टर प्रणाली लागू कर रही है, जिससे प्रयोगशालाओं, खेल मैदान, पुस्तकालय एवं अन्य संसाधनों का बेहतर उपयोग कर विद्यार्थियों को उन्नत सुविधाएँ प्रदान की जा सकेंगी।

उन्होंने नर्सरी से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए शुरू की गई बाल पौष्टिक आहार योजना का उल्लेख करते हुए बताया कि सप्ताह में एक दिन बच्चों को अंडा या स्थानीय फल उपलब्ध करवाया जा रहा है, जिससे पोषण स्तर में सुधार होगा।

चंगर क्षेत्र पर विशेष ध्यान

उपमुख्य सचेतक ने बताया कि चंगर क्षेत्र की पंचायतों के लिए करोड़ों रुपये की सूखाहार योजना तैयार की जा रही है, जिससे लगभग 2000 किसानों की 337 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। उन्होंने कहा कि विद्युत व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए 3.16 करोड़ रुपये व्यय किए जा चुके हैं, जिससे क्षेत्र को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी।उन्होंने अवगत करवाया कि आईटीआई हारचक्कियां के लिए 25 कनाल भूमि ट्रांसफर हो चुकी है, शीघ्र ही नया भवन निर्मित होगा और अतिरिक्त ट्रेड भी शुरू किए जाएंगे। इसके साथ ही हारचक्कियां तहसील भवन का जीर्णोद्धार भी किया जाएगा।

नई घोषणाएँ

- विद्यालय में एक और अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु 10 लाख रुपये की घोषणा।
- 1 अप्रैल 2026 से सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों को पानी की बोतलें उनके द्वारा उपलब्ध करवाई जाएँगी।
- इस अवसर पर उन्होंने कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ भी प्रेषित कीं।

पुरस्कार वितरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

- समारोह में वर्षभर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया।
- हारचक्कियां एक्स-सर्विसमेन लीग ने उपमुख्य सचेतक के माध्यम से विद्यार्थियों को स्पोर्ट्स किट भेंट की।
- प्रधानाचार्य सुरेन्द्र कुमार ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए विद्यालय के लिए कबड्डी मैट उपलब्ध करवाने, अतिरिक्त कमरा निर्माण करवाने और स्कूल को सीबीएसई पैटर्न में लाने के लिए आभार व्यक्त किया।
- छात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों व नशा मुक्ति पर आधारित नृत्य-नाटिका ने सभी को प्रभावित किया।
- विद्यालय के एक प्रतिभाशाली विद्यार्थी ने उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया को उनकी स्वयं बनाई हुई पेंटिंग भेंट की।

उपस्थित गण

इस अवसर पर एटीसी शाहपुर प्रभारी वैज्ञानिक अधिकारी सुनंदा पठानिया, अधिशाषी अभियंता जलशक्ति अमित डोगरा, बीडीओ रैत कमलजीत, सहायक अभियंता लोक निर्माण विपुल पुंज, वरिष्ठ कांग्रेस नेता डीडी शर्मा, सलाहकार विनय, जिप सदस्य नीना ठाकुर, रीना पठानिया, चंगर कांग्रेस प्रधान सुर्जन, भीखम सिंह, ओमप्रकाश, रेखा चौधरी, एसएमसी प्रधान मेहर चंद, विक्रम गुलेरिया, निशा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, स्कूलों के प्रधानाचार्य, स्टाफ, अभिभावक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहीं।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं के साक्षात्कार 27 दिसम्बर को

सोलन। बाल विकास परियोजना अर्की के अंतर्गत संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों में रिक्त पदों पर भर्ती के लिए साक्षात्कार 27 दिसम्बर, 2025 को आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी बाल विकास परियोजना अधिकारी अर्की ने दी। उन्होंने कहा कि उपमण्डल अर्की के अंतर्गत पर्यवेक्षक वृत्त कुनिहार की ग्राम पंचायत कोठी के आंगनबाड़ी केन्द्र शाकली तथा आंगनबाड़ी केन्द्र हरिपुर, पर्यवेक्षक वृत्त सूरजपुर की ग्राम पंचायत सरयांज के आंगनबाड़ी केन्द्र चॅनेड, पर्यवेक्षक वृत्त अर्की 2 की ग्राम पंचायत बातल के आंगनबाड़ी केन्द्र बातल 2 और पर्यवेक्षक वृत्त भराड़ीघाट की ग्राम पंचायत हनुमान बड़ोग के आंगनबाड़ी केन्द्र मनलोग बड़ोग में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के एक-एक पद भरे जाएंगे।

उन्होंने कहा कि उपमण्डल अर्की के अंतर्गत पर्यवेक्षक वृत्त कुनिहार की ग्राम पंचायत कोठी के आंगनबाड़ी केन्द्र आयथी तथा आंगनबाड़ी केन्द्र लोहरा, पर्यवेक्षक वृत्त चण्डी की ग्राम पंचायत संघोई के आंगनबाड़ी केन्द्र संघोई, पर्यवेक्षक वृत्त नवगांव की ग्राम पंचायत बैरल के आंगनबाड़ी केन्द्र मटरेच, पर्यवेक्षक वृत्त नवगांव की ग्राम पंचायत सन्याड़ी मोड़ के आंगनबाड़ी केन्द्र बड़ाल, पर्यवेक्षक वृत्त नवगांव की ग्राम पंचायत कुईरू के आंगनबाड़ी केन्द्र कुईरू, पर्यवेक्षक वृत्त अर्की 1 की नगर पंचायत अर्की के आंनगबाड़ी केन्द्र अर्की 2, ग्राम पंचायत पलोग के आंगनबाड़ी केन्द्र मांझू, ग्राम पंचायत चम्यावल के आंगनबाड़ी केन्द्र दसल, ग्राम पंचायत खनलग के आंनगबाड़ी वृत्त मैंथी तथा ग्राम पंचायत दधोगी के आंगनबाड़ी केन्द्र दधोगी, पर्यवेक्षक वृत्त सूरजपुर की ग्राम पंचायत कुंहर के आंगनबाड़ी केन्द्र घड़याच, ग्राम पंचायत सरयांज के आंगनबाड़ी केन्द्र मनोल, ग्राम पंचायत कुंहर के आंगनबाड़ी केन्द्र परिहारु, ग्राम पंचायत हनुमान बड़ोग के आंगनबाड़ी केन्द्र मंधोटी, ग्राम पंचायत दाड़लाघाट के आंगनबाड़ी केन्द्र काकड़ा तथा ग्राम पंचायत सरयांज के आंगनबाड़ी केन्द्र धारठ, पर्यवेक्षक वृत्त अर्की 2 की ग्राम पंचायत बातल के आंगनबाड़ी केन्द्र बातल 2, ग्राम पंचायत घगानुघाट के आंगनबाड़ी केन्द्र शेरपुर तथा ग्राम पंचायत बखालग के आंगनबाड़ी केन्द्र खाली, पर्यवेक्षक वृत्त दाड़लाघाट की ग्राम पंचायत दावंटी के आंगनबाड़ी केन्द्र दावंटी तथा ग्राम पंचायत रौड़ी के आंगनबाड़ी केन्द्र रौड़ी, पर्यवेक्षक वृत्त प्लानिया की ग्राम पंचायत चइयाँधार के आंगनबाड़ी केन्द्र पलकड़ी तथा ग्राम पंचायत समोग के आंगनबाड़ी केन्द्र खजला, पर्यवेक्षक वृत्त भराड़ीघाट की ग्राम पंचायत क्यारड़ के आंगनबाड़ी केन्द्र डीनन, पर्यवेक्षक वृत्त भूमती की ग्राम पंचायत भूमती के आंगनबाड़ी केन्द्र भूमती 2 तथा ग्राम पंचायत बसन्तपुर के आंगनबाड़ी केन्द्र बसंतपुर, पर्यवेक्षक वृत्त दुमैहर की ग्राम पंचायत बनोह खरड़हट्टी के आंगनबाड़ी केन्द्र कंडला और पर्यवेक्षक वृत्त बलेरा की ग्राम पंचायत मटेरनी के आंगनबाड़ी केन्द्र कुराहु में आंगनवाड़ी सहायिका का एक-एक पद भरा जाएगा।

उन्होंने कहा कि आवेदनकर्ता को इन पदों के लिए 25 दिसम्बर, 2025 सांय 05.00 बजे तक बाल विकास परियोजना अधिकारी कुनिहार स्थित अर्की के कार्यालय में अपना आवेदन पूर्ण वांछित सत्यापित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत करना होगा। उन्होंने कहा कि उक्त 05 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा 29 आंगनबाड़ी सहायिकाओं के पदों पर भर्ती के लिए साक्षात्कार 27 दिसम्बर, 2025 को प्रातः 10.00 बजे उपमण्डलाधिकारी अर्की के सभागार में आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि उपरोक्त पदों के लिए उम्मीदवार की आयु 18 से 35 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उम्मीदवार के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता दस जमा दो या समकक्ष उत्तीर्ण होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इन पदों के लिए उम्मीदवार के परिवार की वार्षिक आय 50 हजार रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए। इस संबंध में उम्मीदवार को तहसीलदार अथवा नायब तहसीलदार अथवा कार्यकारी मैजिस्ट्रेट द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।उन्होंने कहा कि आवेदक को आवेदन पत्र के साथ आयु, उच्च शैक्षणिक योग्यता, दिव्यांग, विधवा, स्टेट होम अथवा बालिका आश्रम के इनमेटस, अनाथ, असहाय एवं परित्यक्ता, तलाकशुदा, जिनके पति पिछले 07 वर्षों से लापता हो, जाति प्रमाण पत्र, निवासी प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र संलग्न करना चाहिए। उम्मीदवारों को साक्षात्कार के दिन इन सभी प्रमाणपत्रों की मूल प्रतियां भी अपने साथ लानी होगी।

अधिक जानकारी के लिए इच्छुक उम्मीदवार बाल विकास परियोजना अधिकारी कुनिहार स्थित अर्की में व्यक्तिगत रूप से या कार्यालय नम्बर 01796-220133 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

कानून कमजोर नहीं है, लेकिन महिलाएं अपनी इच्छा शक्ति रखें मजबूत ममता कुमारी

राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य ममता कुमारी की अध्यक्षता में जिला स्तर पर जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित

धर्मशाला । राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य ममता कुमारी की अध्यक्षता में आज उपायुक्त कार्यालय के सभागार में आयोग आपके द्वार कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय जनसुनवाई में महिलाओं की शिकायतों को सुना गया संबंधित अधिकारियों को आयोग की सदस्य ममता कुमारी द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इस अवसर पर आयोग के समक्ष 25 पंजीकृत शिकायतें एवं 5 नई शिकायत प्रस्तुत की गई, जिन पर आयोग की सदस्य ने गंभीरता से सुनवाई कर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी महिलाएं दिल्ली स्थित आयोग कार्यालय नहीं पहुंच पातीं, इसलिए जिला स्तर पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं का सशक्त होना ही देश की प्रगति का आधार है। ममता कुमारी ने कहा कि यदि घरेलू उत्पीड़न के कारण एक भी महिला पीड़ित है, तो यह समाज के लिए दुखद है। उन्होंने कहा कि कानून कमजोर नहीं है, लेकिन महिलाओं को अपनी इच्छाशक्ति को मजबूत रखते हुए उत्पीड़न को सहन करने के बजाय उसका प्रतिकार करना चाहिए। उन्होंने बताया कि महिलाएँ अपने न्यायिक अधिकारों हेतु जिला न्यायिक सेवा प्राधिकरण से निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकती हैं।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय महिला आयोग में भारी संख्या में शिकायतें प्राप्त होती हैं, इसलिए इनके प्रभावी निदान के लिए जिला स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाने चाहिए, जिससे सभी शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित हो सके। उन्होंने निर्देश दिए कि जिला सुधार गृह में महिलाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रम चलाए जाएँ, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। साथ ही, उन्हें प्रोत्साहित करने हेतु प्रेरणादायक लेक्चर व परामर्श सत्रों की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने आगे कहा कि महिलाओं को पढ़-लिखकर आगे बढ़ना चाहिए। आयोग न्यायसंगत मामलों में महिलाओं के साथ है, लेकिन किसी को भी कानून का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि महिलाओं से संबंधित मामलों में शाम 5 बजे के बाद थाने में बुलाने से परहेज किया जाए तथा उनकी शिकायतों का प्राथमिकता से समाधान किया जाए।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय महिला आयोग में आने वाले 70 प्रतिशत मामले घरेलू हिंसा से संबंधित हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए आयोग द्वारा जिला स्तर पर स्थानीय प्रशासन के सहयोग से तेरे मेरे सपने नाम से परामर्श केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिनमें विवाह पूर्व युवक-युवतियों को परामर्श प्रदान किया जाता है। देशभर में 100 से अधिक केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं और शीघ्र ही जिला कांगड़ा में भी इस प्रकार का एक केंद्र शुरू किया जाएगा।उन्होंने कहा कि महिलाओं की नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देने के लिए आयोग द्वारा पंचायत से पार्लियामेंट कार्यक्रम भी संचालित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से महिलाओं को जनप्रतिनिधित्व एवं नेतृत्व भूमिकाओं में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाता है। जनसुनवाई के उपरांत उन्होंने उपस्थित जिला अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर आयोग के कानूनी सलाहकार मनमोहन शर्मा, एडीएम शिल्पी बेक्टा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वीर बहादुर, डीएसपी निशा, जिला पंचायत अधिकारी विक्रम ठाकुर, जिला कार्यक्रम अधिकारी (महिला एवं बाल विकास) अशोक कुमार, जिला कल्याण अधिकारी साहित मांडला, खाद्य आपूर्ति अधिकारी सुरेश ठाकुर, जिला स्वास्थ्य अधिकारी आरके सूद, जिला के विभिन्न भागों से पुलिस अधिकारी, जिला न्यायिक सेवायें प्राधिकरण के प्रतिनिधियों सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कमलेश ठाकुर ने किया संयुक्त कार्यालय भवन और परिधि गृह देहरा के भवन का शिलान्यास

दोनों भवनों के निर्माण पर लगभग 127 करोड़ की धनराशि होगी व्यय

देहरा । विधानसभा क्षेत्र देहरा की विधायक कमलेश ठाकुर ने आज देहरा में 98.72 करोड रुपए की लागत से निर्मित होने वाले संयुक्त कार्यालय भवन और 28.27 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाले परिधि गृह के भवन का विधिवत शिलान्यास किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि देहरा का विकास मेरी पहली प्राथमिकता हैं।

उन्होंने कहा कि संयुक्त कार्यालय भवन और परिधि गृह जैसी परियोजनाएं देहरा क्षेत्र में विकासात्मक गतिविधियों को गति प्रदान करेंगी। इन दोनों भवनों के निर्माण से देहरा की जनसुविधाओं में व्यापक सुधार होगा। यह क्षेत्र के प्रशासनिक ढाँचे को अधिक सक्षम और जनता के लिए उपयोगी बनाएगा। सरकार विकास कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा कराने हेतु प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि संयुक्त कार्यालय भवन के निर्माण से विभिन्न विभागों के कार्यालय एक ही परिसर में स्थापित होंगे, जिससे आम जनता को सुगम ,त्वरित एवं समन्वित सेवाएं प्रदान की जा सकेंगी। इससे क्षेत्र के समग्र विकास को नई दिशा प्राप्त होगी। प्रशासनिक कार्यों की पारदर्शिता एवं गति में वृद्धि होगी और कार्य निष्पादन में समय और संसाधनों की बचत होगी साथ ही विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा।इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि प्रस्तावित परिधि गृह में 35 आधुनिक कमरों के अलावा जिम,क्लब एवं कम्युनिटी हॉल और पार्किंग सुविधा जैसी सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। साथ ही उन्होंने कहा कि यदि उपयुक्त भूमि उपलब्ध होती है तो देहरा में बच्चों हेतु स्विमिंग पूल भी विकसित किया जाएगा। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा कार्य गुणवत्ता, गति और पारदर्शिता के साथ तथा तय सीमा के भीतर पूर्ण किया जाएँ। उन्होंने कहा जनता ने मुझे विकास की उम्मीद के साथ चुना है। मेरा संकल्प है कि देहरा में की गई प्रत्येक घोषणा को धरातल पर अमलीजामा पहनाऊगी।

उन्होंने कहा कि अगले चुनाव से पूर्व देहरा में चल रहें सभी विकासात्मक कार्य को चरणबद्ध तरीके से अमलीजामा पहना कर जनता को समर्पित कर दिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि मेरा उद्देश्य केवल देहरा का विकास है। देहरा क्षेत्र में करोड़ों रुपये के विकास कार्य युद्ध स्तर पर चल रहे हैं। विधायक के देहरा पहुंचने पर स्थानीय बाजार व ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25 , स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। सम्पादक:- एकान्ति रॉय गर्ग, मुख्य कार्यालयः बूथ नंः 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

आरटीआई आयोग द्वारा पी.सी.एस. अधिकारी के व्यवहार पर नाराज़गी व्यक्त

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब राज्य सूचना आयोग ने राज्य के एक पी.सी.एस. अधिकारी के व्यवहार को लेकर नाराज़गी व्यक्त की है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए आयोग के प्रवक्ता ने बताया कि राज्य सूचना आयुक्त श्रीमती पूजा गुप्ता की अदालत में सुनवाई के लिए लगे केस नंबर 5555/2023 में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी अमृतसर (आर.टी.ओ.) को बार-बार तलब किया गया, लेकिन वह एक बार भी आयोग के सामने उपस्थित नहीं हुए। प्रवक्ता ने बताया कि इस अधिकारी के खिलाफ जमानती वारंट भी जारी किए गए थे, फिर भी वह आयोग के सामने पेश नहीं हुआ। प्रवक्ता के अनुसार, आयोग के आदेशों की अवहेलना करने पर राज्य सूचना आयुक्त श्रीमती पूजा गुप्ता ने उस तत्कालीन अधिकारी—जिसके कार्यकाल के दौरान यह आरटीआई दायर हुई थी—पर पहले लगाए गए 10,000 रुपये के जुर्माने को बढ़ाकर 25,000 रुपये करने के आदेश दिए हैं।

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को ब्लेज़र वितरित, प्रेम और अपनापन फैलाने की पहल

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। डी.सी. मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने हितेशी अंगदान फाउंडेशन ऑर्गनाइजेशन, पंचकूला के साथ मिलकर एक उल्लेखनीय कदम उठाते हुए उन मेधावी वंचित वर्ग के छात्रों का सहयोग किया है, जिनमें क्षमता तो है लेकिन आर्थिक तंगी के कारण वे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। विद्यालय ने अत्यंत हर्ष के साथ बताया कि हितेशी अंगदान फाउंडेशन ऑर्गनाइजेशन, पंचकूला ने कक्षा 6 के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को उदारतापूर्वक ब्लेज़र भेंट किए, जो उनके स्नेह और सहयोग का प्रतीक है। विद्यालय का मानना है कि इन बच्चों को केवल शिक्षा देना ही नहीं, बल्कि उनके जीवन दृष्टिकोण को भी सकारात्मक दिशा देना उसकी जिम्मेदारी है। प्रबंध निदेशक श्री भरत बी. गुप्ता ने गर्वपूर्वक बताया कि पिछले सत्रों के छात्रों को सर्वांगीण विकास के लिए अनेक अवसर प्रदान किए गए, जिससे वे नियमित कक्षाओं में सहज होकर स्वयं को ढाल पाए।

HBCH&RC न्यू चंडीगढ़ में 'प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण' वर्कशॉप सफल: पंजाब का स्वास्थ्य डेटा होगा मजबूत

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र (HBCH&RC), पंजाब ने 9 दिसंबर, 2025 को 'मृत्यु के कारण के चिकित्सा प्रमाणीकरण (MCCD)' (Medical Certification of Cause of Death) के लिए प्रशिक्षकों की एक बहुत ज़रूरी राज्य-स्तरीय कार्यशाला सफलतापूर्वक आयोजित की। इस एक दिन की महत्वपूर्ण ट्रेनिंग से पंजाब सरकार को अपनी जन्म-मृत्यु पंजीकरण प्रणाली को मजबूत बनाने में बड़ी मदद मिलेगी, जो भविष्य में अच्छी और प्रभावी स्वास्थ्य योजनाएँ बनाने के लिए बहुत जरूरी है।

यह कार्यशाला भारत सरकार के जनगणना विभाग, पंजाब, और पंजाब सरकार के स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से आयोजित की गई थी। इसमें सरकारी अस्पतालों के चुने हुए डॉक्टर और सांख्यिकी विभाग के मृत्यु डेटा कोडर (कोडिंग करने वाले कर्मचारी) शामिल हुए।

होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, पंजाब के निदेशकडॉ. आशीष गुलिया ने इस वर्कशॉप की अहमियत पर ज़ोर देते हुए कहा किमौत का सही कारण जानना बहुत ज़रूरी है ताकि हमारे डॉक्टर और हमारा स्वास्थ्य तंत्र खुद को इस तरह तैयार कर सके कि जिन कारणों से मौत को रोका जा सकता है, उन्हें रोका जा सके। इससे हम कई इंसानी जानें बचा सकते हैं जो समाज के लिए बड़े काम आ सकती हैं।

स्वास्थ्य डेटा में एक बड़ी कमी

यह ट्रेनिंग इसलिए ज़रूरी है क्योंकि पंजाब में मरने वालों के रजिस्ट्रेशन (पंजीकरण) में एक बड़ी कमी है। नियम के मुताबिक, हर मौत का सर्टिफिकेट डॉक्टर को बनाना होता है। लेकिन 2022 में पंजाब में दर्ज कुल 2,38,304 मौतों में से सिर्फ 77,667 (यानी लगभग 32.6%) मौतों का ही मेडिकल सर्टिफिकेट बन पाया था।

जब डॉक्टर MCCD फॉर्म (फॉर्म 4 और 4A) में मौत का सही और असल कारण लिखते हैं, तो यह सिर्फ कानूनी काम नहीं होता। यह सरकार को बताता है कि लोगों को किस बीमारी से ज्यादा खतरा है। इसी जानकारी के आधार पर सरकार तय करती है कि कैंसर, दिल की बीमारी या दूसरी बीमारियों की रोकथाम के लिए पैसा कहाँ और कैसे खर्च करना है।

टाटा मेमोरियल सेंटर (TMC) की एक खास यूनिट (USCOD) इस राष्ट्रीय प्रयास का नेतृत्व कर रही है, जिसने अब पंजाब सहित नौ राज्यों में डॉक्टरों को प्रशिक्षित करने का काम शुरू किया है।

बड़े अधिकारियों की भागीदारी

इस ट्रेनिंग वर्कशॉप का उद्घाटन कई बड़े अधिकारियों की उपस्थिति में हुआ, जिसने यह साफ कर दिया कि पंजाब में मौत के डेटा को बेहतर बनाने के लिए सभी उच्च-स्तरीय अधिकारी पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

कार्यशाला का उद्घाटन करने वालों में श्री कुमार राहुल, आईएएस, प्रधान सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, पंजाब सरकार, डॉ. नवजोत खोसा, आईएएस, निदेशक, जनगणना संचालन निदेशालय, पंजाब, भारत सरकार, डॉ. अवनीश कुमार, निदेशक, अनुसंधान और चिकित्सा शिक्षा, पंजाब सरकार, और डॉ. हितिंदर कौर, निदेशक, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, पंजाब, शामिल थे। कार्यशाला की मेजबानी डॉ. आशीष गुलिया, निदेशक, HBCHRC पंजाब, ने अस्पताल के प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी विभाग के साथ मिलकर की।

अधिकारियों के विचार

श्री कुमार राहुल, आईएएस, प्रधान सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, पंजाब सरकार ने जोर देकर कहा कि MCCD फॉर्म 'हमारी सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीति की नींव हैं।' उन्होंने कहा कि मौत के असल कारण की सही पहचान होने पर हमें पता चलता है कि स्वास्थ्य संसाधन कहाँ लगाए जाएं, जैसे कि कैंसर या दिल की बीमारी के कार्यक्रमों में, और उन्होंने इस ट्रेनिंग को पंजाब के स्वास्थ्य भविष्य में एक बड़ा निवेश बताया।

डॉ. नवजोत खोसा, आईएएस, निदेशक, जनगणना संचालन निदेशालय, भारत सरकार ने बताया कि देश की मृत्यु दर डेटा की गुणवत्ता इस बात पर निर्भर करती है कि डॉक्टर MCCD फॉर्म को कितनी सटीकता से भरते हैं। उन्होंने कहा कि यह ट्रेनिंग सुनिश्चित करती है कि सर्टिफिकेट बनाने के सही नियम सभी जिलों तक पहुँचें, जिससे पंजाब का डेटा अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो जाए।

अस्पताल के निदेशक डॉक्टर आशीष गुलिया ने कार्यक्रम में भाग लेने आए अतिथियों का धन्यवाद देते हुए कहा,'हम सब यहाँ इसलिए जमा हुए हैं ताकि यह सीख सकें कि हमें इन फॉर्म्स को सही तरीके से कैसे भरना चाहिए। हमें मृत्यु दर (mortality) और मौत के कारण को कैसे समझना चाहिए? तो, यह सिर्फ पहला कदम है। यह एक शुरुआत है, अंत नहीं। यहाँ हम प्रशिक्षकों को ट्रेनिंग दे रहे हैं। और मैं आपको भरोसा दिलाता हूँ कि टाटा मेमोरियल सेंटर और होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, पंजाब, आने वाले समय में आप जैसे साथियों और कई अन्य लोगों को प्रशिक्षित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे, ताकि हम इस विषय पर गंभीरता से काम कर सकें। इससे आखिरकार हमारे नीति निर्माताओं को ज़रूरतमंद लोगों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ प्लान करने में मदद मिलेगी।'

ट्रेनिंग का उद्देश्य और एजेंडा

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सरकारी डॉक्टरों को प्रशिक्षक के रूप में तैयार करना था। ये प्रशिक्षित डॉक्टर अब अपने-अपने जिलों में अन्य डॉक्टरों को क्रमबद्ध तरीके से (एक के बाद एक) ट्रेनिंग देंगे।

दिन भर चला तकनीकी सत्र व्यापक था, जिसमें USCOD (मृत्यु के कारण को मजबूत करने वाली इकाई) का परिचय और MCCD का महत्व शामिल था। इसके साथ ही, MCCD फॉर्म की समीक्षा और सही ढंग से पूरा करने पर व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया गया।

इसके अलावा, एजेंडे में चिकित्सा प्रमाणीकरण में सामान्य त्रुटियों पर चर्चा, ICD कोडिंग की मूल बातें, और इंटरैक्टिव व्यावहारिक केस चर्चाएँ और प्रश्नोत्तरी सत्र शामिल थे।

एक्शन हेल्पलाइन का असर; जिला प्रशासन ने 376 शिकायतों का किया निपटारा

- **प्लॉटों की सफाई से संबंधित 291, बेसहारा पशुओं संबंधी 48 और लटकती तारों से संबंधित 37 शिकायतों का किया निपटारा**

हिन्द जनपथ
जालंधर(ब्यूरो)। जिला प्रशासन द्वारा खाली प्लॉटों की सफाई, ढीली व खराब तारें तथा बेसहारा पशुओं से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए जारी एक्शन हेल्पलाइन व्हाट्सएप नंबर 96462-22555 पर प्राप्त 376 शिकायतों का सफलतापूर्वक निपटारा किया गया है।

एक्शन हेल्पलाइन पर आने वाली शिकायतों के निपटारे संबंधी एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने अधिकारियों को एक्शन हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता देते हुए इनके त्वरित व उचित समाधान के लिए और भी सक्रियता से काम करने को कहा।

डा. अग्रवाल ने बताया कि खाली प्लॉटों की सफाई से संबंधित एक्शन हेल्पलाइन व्हाट्सएप नंबर के जरिए प्राप्त 291 शिकायतों का समाधान करके लोगों को राहत दी गई है। उन्होंने आगे बताया कि प्रशासन द्वारा प्लॉटों की सफाई नहीं करवाने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी की जा रही है, जिसके तहत प्लॉट मालिकों को 159 नोटिस जारी करने के अलावा 8 मामलों में रेड एंट्री भी की गई है। डिप्टी कमिश्नर ने लोगों की सुरक्षा और शहर की सूरत संवारने के लिए जिला प्रशासन द्वारा टेलीकॉम व इंटरनेट सुविधा प्रदान करने वाली कंपनियों की शहर में लटकती, ढीली, गैर-उपयोगी और खराब तारें हटाने के लिए चलाई जा रही मुहिम की भी समीक्षा की। उन्होंने बताया कि इस संबंध में एक्शन हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त 37 शिकायतों का निपटारा करते हुए ऐसी तारों को हटाया गया है। उन्होंने पी.एस.पी.सी.एल. के अधिकारियों को बिजली के खंभों पर अनधिकृत तौर पर लटकती तारों के लिए संबंधित कंपनियों पर जुर्माना लगाने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि एक्शन हेल्पलाइन पर बेसहारा पशुओं संबंधी प्राप्त शिकायतों का भी त्वरित निपटारा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एक्शन हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त ऐसे 48 मामलों का निपटारा करते हुए बेसहारा पशुओं को कन्नियां कलां गौशाला पहुंचाया गया है।

उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को खाली प्लॉटों की सफाई संबंधी लंबित शिकायतों का तुरंत निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि लोगों को राहत देने के लिए एक्शन हेल्पलाइन के जरिए प्राप्त ऐसी शिकायतों का तुरंत निपटारा किया जाए।

शहर को साफ-सुथरा बनाने में जनता से सहयोग की मांग करते हुए डा. अग्रवाल ने कहा कि लोग खाली प्लॉटों में कूड़ा फेंकने संबंधी सूचना एक्शन हेल्पलाइन व्हाट्सएप नंबर 96462-22555 पर भेज सकते हैं। इसी तरह अपनी खाली संपत्ति की सफाई के लिए प्रशासन से मदद चाहने वाले लोग भी इस हेल्पलाइन नंबर पर स्थान व पता साझा कर सकते है। इसके अलावा बेसहारा पशु और लटकती गैर-उपयोगी व खराब तारों के बारे में भी एक्शन हेल्पलाइन पर व्हाट्सएप मैसेज किया जा सकता है।

GLS यूनिवर्सिटी ने SAE इंस्टीट्यूट के साथ मिलकर एनिमेशन, VFX और गेम डेवलपमेंट में भारत का पहला ग्लोबल बी. डिज़ाइन (ऑनर्स) प्रोग्राम लॉन्च किया

हिन्द जनपथ
अमृतसर(ब्यूरो)। GLS यूनिवर्सिटी ने ऑस्ट्रेलिया की SAE इंस्टिट्यूट के साथ मिलकर अपना ग्लोबल बी. डिज़ाइन (ऑनर्स) प्रोग्राम लॉन्च किया है। यह लॉन्च, भारत में क्रिएटिव मीडिया एजुकेशन के लिए एक ऐतिहासिक पल है। यह इनोवेटिव चार साल का अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम, देश में अपनी तरह का पहला प्रोग्राम है, जो एनिमेशन, वीएफएक्स और गेम डेवलपमेंट में वर्ल्ड-क्लास बेंचमार्क विशेषज्ञता प्रदान करता है।

गुजरात लॉ सोसाइटी द्वारा वर्ष 1927 में स्थापित GLS यूनिवर्सिटी, गुजरात के सबसे प्रतिष्ठित एजुकेशनल इंस्टिट्यूशन में से एक है। यह भारत का एकमात्र ऐसा इंस्टिट्यूशन है, जो SAE इंस्टिट्यूट के इंटरनेशनल लेवल पर मान्यता प्राप्त कोर्स और सर्टिफिकेट देने के लिए अधिकृत है। यह सहयोग, SAE इंस्टिट्यूट का भारत में औपचारिक प्रवेश दर्शाता है, जिससे देश की तेज़ी से बढ़ती क्रिएटिव इंडस्ट्रीज़ को बढ़ावा देने की उसकी प्रतिबद्धता और मज़बूत होती है।

GLS यूनिवर्सिटी के प्रमुख सुधीर नानावटी और कार्यकारी निदेशक डॉ. चांदनी कपाड़िया की मौजूदगी में ग्लोबल बी. डिज़ाइन (ऑनर्स) प्रोग्राम के लॉन्च के लिए औपचारिक हस्ताक्षर समारोह सोमवार को आयोजित हुआ। इस अवसर पर, नेविटास के करियर और इंडस्ट्री डिवीज़न की एजुकेशन पार्टनरशिप हेड, जेना शिलर और साउथ एशिया के मार्केटिंग और रिक्रूटमेंट के जनरल मैनेजर स्टीव हर्ड के साथ-साथ नेविटास के दूसरे सीनियर अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर, GLS यूनिवर्सिटी के प्रमुख सुधीर नाणावटी ने कहा कि, 'प्रतिष्ठित SAE इंस्टीट्यूट के साथ यह भागीदारी, GLS यूनिवर्सिटी और भारत की शिक्षा प्रणाली के लिए एक माइलस्टोन है। हम अपने छात्र को विश्व स्तरीय शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो उन्हें ग्लोबल क्रिएटिव इकॉनमी में लीडर और इनोवेटर बनने के लिए तैयार करती है।'

GLS यूनिवर्सिटी की कार्यकारी निदेशक डॉ. चांदनी कपाड़िया ने कहा कि, 'हमें भारत में एक्सक्लूसिव ग्लोबल बी. डिज़ाइन (ऑनर्स) प्रोग्राम लॉन्च करने के लिए SAE ऑस्ट्रेलिया के साथ भागीदारी करने पर गर्व है। यह सहयोग, छात्रों को एनिमेशन, वीएफएक्स और गेम डेवलपमेंट में विश्व स्तरीय शिक्षा देकर भारत की तेज़ी से बढ़ती क्रिएटिव इंडस्ट्रीज़ में गैप को कम करता है। हमारा मुख्य उद्देश्य, भारतीय क्रिएटर्स की अगली पीढ़ी को न सिर्फ़ ग्लोबल मार्केट में सफल होने के लिए मज़बूत बनाना है, किन्तु उन्हें क्रिएटिव मीडिया के भविष्य को आकार देने के लिए नेतृत्व करने में सक्षम बनाना भी है।'

SAE इन्स्टिट्यूट नेविटास ग्रूप के करियर और इंडस्ट्री डिवीजन का हिस्सा है। यह 50 सालों से क्रिएटिव मीडिया और तकनीकी शिक्षा में वैश्विक स्तर पर अग्रणी है तथा ऑस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा निजी शिक्षा प्रदाता भी है। यह इंस्टीट्यूट, 20 देशों में 47 कैंपस के साथ एनिमेशन, ऑडियो, कंप्यूटर साइंस, डिज़ाइन, फ़िल्म, गेम्स, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, म्यूज़िक और वीएफएक्स के साथ-साथ वर्चुअल प्रोडक्शन में वर्ल्ड-क्लास, प्रोजेक्ट-आधारित शिक्षा प्रदान करता है।

पंजाब के राज्यपाल गुरुद्वारा दरबार श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी बुलंदपुरी साहिब में हुए नतमस्तक

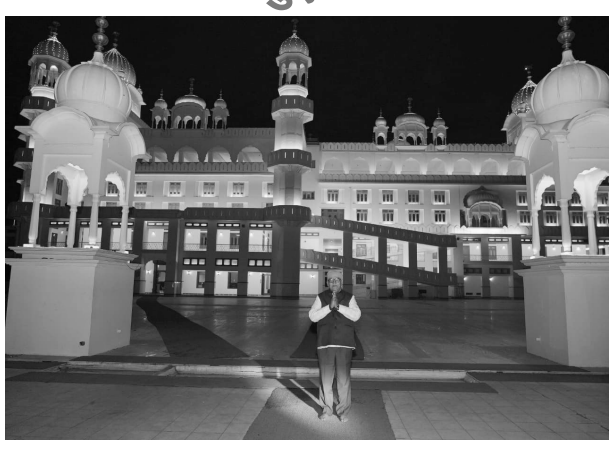

महितपुर (जालंधर): पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने आध्यात्मिकता के केंद्र गुरुद्वारा दरबार श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी, बुलंदपुरी साहिब में नतमस्तक हुए और दुनिया के सबसे ऊंचे निशान साहिब के दर्शन किए।

दौरे के दौरान राज्यपाल को बाबा बलदेव सिंह जी, स्टेट इंफॉर्मेशन कमिश्नर पंजाब हरप्रीत संधू और प्रसिद्ध आर्किटेक्ट राजोध सिंह द्वारा की जा रही विभिन्न पहलकदमियों तथा आध्यात्मिक गतिविधियों की जानकारी दी गई। यह आध्यात्मिक मिशन वर्ष 2021 में श्री गुरु नानक देव जी की एकता, शांति और मानवता से प्रेम करने की शिक्षाओं का प्रचार करने के लिए गोबिंद सागर चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से शुरू किया गया था, जो मानवता की भलाई के लिए विश्व स्तर पर सेवा निभा रहा है।

इस अवसर पर पंजाब के राज्यपाल ने श्री गुरु नानक देव जी के विश्वव्यापी भाईचारे और दया के संदेश के प्रचार के लिए बाबा बलदेव सिंह जी द्वारा किए जा रहे अथक प्रयासों की भरपूर सराहना की।

इस मौके पर उनके साथ गवर्नर के प्रिन्सिपल सचिव प्रताप सिंह भी मौजूद थे।

शक्ति चेतना उत्सव में हुआ दिव्य साधना की विराट चेतना का अनुभव

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। विश्वधर्म चेतना मंच, तिरुपति की चण्डीगढ़ शाखा द्वारा आयोजित शक्ति चेतना उत्सव में आध्यात्मिक चेतना के मूर्तिमान प्रकाशपुंज युगपुरुष सिद्धगुरु सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुर्वानन्द स्वामी जी गुरुदेव, जिनकी एक दृष्टि जीवन की दशा व दिशा दोनों बदल देती है, ने अपनी अमृतवाणी से श्रद्धालुओं को निहाल कर दिया। इस दौरान मुख्य अतिथि पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव जी का फूल मालाएं पहना कर स्वागत किया।

अपने उद्बोधन में सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव महाराज जी ने कहा कि समाज अच्छा होगा तो राष्ट्र अच्छा होगा। हमें युद्ध नही, बुद्ध चाहिए, ताकि हम सभी अपने मन से परमात्मीय ऊर्जा का अनुभव करें।

साथ ही उन्होंने कहा कि पंजाब वीरों की नगरी है तथा यही एकमात्र जगह है, जहाँ गुरुद्वारों में 24 घंटों गुरु जी का लंगर भक्तों को मिलता है।

महाराज जी ने बताया कि उनकी कर्मस्थली बंगलौर में संस्था द्वारा ए-आई टेकनीक से हॉस्पिटल बनाया जाएगा तथा इस हॉस्पिटल चैन का विस्तार पूरे भारत वर्ष मे किया जाएगा। इसके साथ ही महिलाओं के लिए यूनिवर्सिटी बनाई जायेगी जिसमे शिक्षा, चिकित्सालय, देवालय व साधना इत्यादि की सुविधा होगी। महाराज जी ने संयुक्त परिवार और खुशहाल परिवार पर भी अपने विचार रखे।

इस अवसर पर हिमाचल के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, डॉक्टर आर सी मिश्रा, पूर्व डीजीपी अपनी पत्नी सहित, पूर्व जस्टिस नवाब सिंह, पूर्व जस्टिस की धर्म पत्नी श्रीमती ऋतंबरा सांघी , श्रीमती मंजु चंद्रा, एके सिंह (पार्लियामेंट सेक्रेटरी), राम नेहर शर्मा (मीडिया प्रभारी), मीनू अग्रवाल, संजय शर्मा (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), अमित कदियान, भूपेन्द्र जैन राष्ट्रीय संयोजक, सुरेश गुप्ता, चण्डीगढ़ अध्यक्ष व नरेश गर्ग सहित विश्वधर्म चेतना मंच, चण्डीगढ़ केन्द्र सभी सदस्य उपस्थित रहे। इस मौके पर राज्यपाल महोदय ने कहा कि वे स्वयं आकर पूज्य गुरुदेवजी को राज्यपाल आवास में पधारने के लिए निमंत्रण देंगे।

उल्लेखनीय है कि अपना सारा जीवन राष्ट्र विकास, विश्व एवं मानवता कल्याण को समर्पित कर चुके गुरुदेव महासाधना संपन्न कर दिव्य ऊर्जा एवं ईश्वरीय चेतना के अनुभव एवं मंगल दर्शन, अमृतवाणी व आशीर्वाद की वर्षा से निहाल करने 6 से ज्यादा वर्षों के अंतराल के पश्चात चंडीगढ़ उक्त कार्यक्रम में पधारे हैं।

राजनीतिक और आर्थिक भ्रष्टाचार की हो सीबीआई जांच : चुग

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने कांग्रेस पर राजनीतिक और आर्थिक भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए सीबीआई जांच की मांग की है।

चुग ने कहा कि नवजोत कौर सिद्धू ने पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर रंधावा पर राजस्थान में कांग्रेस के विधानसभा टिकट बेचने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यह बेहद गंभीर आरोप है और इसकी जांच आवश्यक है, क्योंकि यह गांधी परिवार के नेतृत्व वाली कांग्रेस में भारी भ्रष्टाचार की ओर संकेत करता है।

चुग ने कहा कि खुद गांधी परिवार के कुछ सदस्य भ्रष्टाचार मामलों में जमानत पर हैं, इसलिए नवजोत कौर द्वारा लगाए गए आरोपों की विस्तृत जांच होनी चाहिए।

चुग ने शिवालिक रेंज में सरकारी और वन भूमि पर अवैध कब्ज़ों को लेकर पंजाब में एक नया भ्रष्टाचार अध्याय सामने आने की बात कही। उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता यह जानना चाहती है कि जब नवजोत कौर ने इतने गंभीर पर्यावरणीय और भूमि घोटाले की बात कही, तो कांग्रेस ने उन्हें निलंबित करके कौन-सा सच छिपाने की कोशिश की।

चुग ने कहा कि नवजोत कौर सिद्धू का आरोप है कि शिवालिक की तराई में हज़ारों एकड़ संरक्षित भूमि पर वीवीआईपी अवैध रूप से कब्ज़ा किए हुए हैं, जबकि यह भूमि पंजाब लैंड प्रीज़र्वेशन एक्ट और वन कानूनों के तहत संरक्षित है।

मोहाली की सरकारी संस्था में पहला सफल लिवर ट्रांसप्लांट कर पंजाब ने रचा इतिहास

- **पंजाब इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलिअरी साइंसेज, मोहाली ने हासिल की ऐतिहासिक उपलब्धि**

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़/साहिबजादा अजीत सिंह नगर(ब्यूरो)। तृतीयक स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने मोहाली स्थित सरकारी संस्थान पंजाब इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलिअरी साइंसेज में पहली बार सफल लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी कर इतिहास रच दिया है।

मंगलवार को, सफलतापूर्वक ऑपरेशन किए गए मरीज को मीडिया के समक्ष प्रस्तुत करते हुए पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि यह पंजाब के चिकित्सा इतिहास में पहली बार है जब किसी सरकारी संस्थान में इतनी जटिल और संवेदनशील सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव स्वास्थ्य कुमार राहुल भी उनके साथ उपस्थित थे।

डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि यह जीवनरक्षक उपचार मरीज को मात्र लगभग 12 लाख की लागत में उपलब्ध कराया गया, जबकि निजी अस्पतालों में इसी सर्जरी पर 45 से 50 लाख तक का खर्च आता है। यह लिवर ट्रांसप्लांट 27 नवंबर 2025 को किया गया था और मरीज अब पूरी तरह स्वस्थ है। उन्होंने बताया कि मरीज को एक-दो दिन में अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने संस्थान के निदेशक एवं हेपेटोलॉजी विभाग के प्रोफेसर व प्रमुख डॉ. वीरेन्द्र सिंह तथा लिवर ट्रांसप्लांट एवं हेपेटोबिलियरी सर्जरी विभाग के प्रोफेसर व प्रमुख डॉ. के. राजशेखर के नेतृत्व वाली पूरी मेडिकल टीम को बधाई देते हुए इसे संस्थान के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया।

डॉ. बलबीर सिंह ने पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ का भी विशेष आभार व्यक्त किया, जहां से हरियाणा के एक ब्रेन-डेड व्यक्ति का अंग उपलब्ध कराया गया। उन्होंने अंगदाता के परिवार को भी हृदय से धन्यवाद दिया, जिनकी इस महान पहल से कई लोगों को नया जीवन मिला है।

उन्होंने कहा कि पंजाब इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलिअरी साइंसेज, पंजाब का पहला समर्पित लिवर एवं बिलिअरी साइंसेज केंद्र है, जो संपूर्ण इलाज, उन्नत चिकित्सा प्रक्रियाएं तथा 24x7 आपातकालीन एवं आईसीयू सेवाएं प्रदान कर रहा है। उन्होंने बताया कि यहां 175 बिस्तरों वाला नया मरीज देखभाल ब्लॉक भी निर्माणाधीन है, जिससे संस्थान की क्षमता में और वृद्धि होगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि यहां बनाया गया नया डायग्नोस्टिक ब्लॉक अब पूरी तरह कार्यशील हो चुका है, जिसमें डिजिटल सब्ट्रैक्शन एंजियोग्राफी मशीन स्थापित की गई है। नए सीटी स्कैनर की सप्लाई का ऑर्डर जारी हो चुका है, एमआरआई के लिए टेंडर प्रक्रिया जारी है और एक सप्ताह के भीतर नया स्वचालित बायोकेमिस्ट्री एनालाइज़र भी पूरी तरह चालू हो जाएगा। यहां एक अत्याधुनिक ब्लड बैंक भी स्थापित किया गया है, जो पंजाब के सबसे आधुनिक ब्लड बैंकों में से एक होगा।

उन्होंने कहा कि संस्थान हेपेटोबिलियरी विज्ञान के क्षेत्र में क्लीनिकल उत्कृष्टता, अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए एक विश्वस्तरीय केंद्र बनने की दिशा में लगातार अग्रसर है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार राज्य के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों को द्वितीयक और तृतीयक स्वास्थ्य सुविधाओं से सुसज्जित कर रही है, जिनमें न्यूरो और कार्डियो लैब भी शामिल हैं।

उन्होंने घोषणा की कि सरकारी मेडिकल कॉलेज, पटियाला अगले वर्ष तक पंजाब का पहला सरकारी संस्थान होगा, जहां किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जल्द ही सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों को अंग प्राप्ति केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

जनता से अंगदान का आह्वान करते हुए डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि वर्तमान में पंजाब देश में नौवें स्थान पर है, जहां 20,000 से अधिक पंजीकृत अंगदाता हैं, और आने वाले समय में पंजाब देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा।

सभी के लिए निःशुल्क इलाज के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार ने 10 लाख तक की कैशलेस मुख्यमंत्री सेहत बीमा योजना को लागू करने के लिए एजेंसियों को अंतिम रूप दे दिया है और यह योजना जनवरी 2026 से पूरे राज्य में औपचारिक रूप से लागू की जाएगी।

संपादकीय

गोवा -25 लोगों की मौत, जानलेवा लापरवाही का जिम्मेदार कौन?

उत्तरी गोवा के एक नाइट क्लब में आग लगने से हुई मौतों के लिए की वजह लापरवाही है। जितनी तत्परता अब दिखाई जा रही है, अगर ऐसी संजीदगी नियमों का पालन करने और कराने में होती, तो इस हादसे से बचा जा सकता था। नाइट क्लब में शनिवार आधी रात को जब आग लगी, तब यह पूरी तरह भरा हुआ था। वीकेंड मनाने आए लोग अचानक ही लपटों और धुएं के बीच फंस गए और ऐसी अफरातफरी मची कि कई लोगों को बाहर निकलने का रास्ता ही नहीं मिला। अगर लापरवाहियों की लिस्ट निकाली जाए, तो बेहद लंबी है। नाइट क्लब तक पहुंचने का रास्ता इतना संकरा है कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को 400 मीटर दूर खड़ा होना पड़ा। सजावट के लिए ताड़ के सूखे पत्तों का इस्तेमाल किया गया था, जिसने आग और भड़का दी। भीड़भाड़ वाली जगहों पर एंट्री से ज्यादा महत्वपूर्ण इमरजेंसी एग्जिट पॉइंट्स होते हैं, लेकिन इस क्लब में लगता है कि इसकी भी कोई व्यवस्था नहीं थी, जिससे कई लोग भटक कर किचन में पहुंच गए, जहां से बाहर निकलने का रास्ता नहीं था। यह नाइटक्लब बिना मंजूरी के चल रहा था। लोकल अथॉरिटी के मुताबिक, निर्माण अवैध था। जांच जारी है, और कई अनियमितताएं व नियमों का उल्लंघन सामने आए तो हैरानी नहीं होनी चाहिए। सुरक्षा मानकों को लेकर यह लापरवाही आम है, खासकर फायर सेफ्टी को लेकर। इसी साल मई में हैदराबाद के गुलजार हौज इलाके में एक आवासीय बिल्डिंग में आग लगने से 17 लोगों की मौत हो गई थी। वहां भी हताहतों की संख्या ज्यादा होने के पीछे यही वजह निकली - संकरे रास्ते, वेंटिलेशन की कमी।अब सभी क्लब की जांच करने की बात की जा रही है, लेकिन इसके लिए किसी हादसे का इंतजार नहीं किया जाना चाहिए। मानकों और सुरक्षा उपायों की रेगुलर चेकिंग अथॉरिटीज की जिम्मेदारी है।

वंदे मातरम् और यह विवाद

आज जब इस महान गीत की संरचना की 150वीं जयंती मनाई जा रही है, तब इस मौके पर हम भारतीयों को इस गीत के मूल भावों को समझने की कोशिश करनी चाहिए। सरकार ने भी इसीलिए 8-9 दिसंबर को संसदीय कार्यवाही के 10 मूल्यवान घंटे राष्ट्रगीत पर चर्चा के लिए मुकर्रर किए हैं।इसी सितंबर की बात है।

(शशि शेखर)

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने उद्बोधन की शुरुआत में अरबी के अस्लामु अलैकुम के साथ संस्कृत में ओम् स्वस्तिअस्तु बोला। संयोग से दोनों के भावार्थ समान हैं- ईश्वर आपका कल्याण करें। बताने की जरूरत नहीं है कि इंडोनेशिया वह देश है, जहां संसार के सर्वाधिक मुस्लिम रहते हैं।इस्लामी राष्ट्रों के नेता अक्सर ऐसा करते हैं, लेकिन सुबियांतो उसी परंपरा पर टिके रहे, जिसे कभी उनके पुरखों ने इस्लाम के अवतरण से पहले शुरू किया था। इंडोनेशिया में तमाम लोग आज भी मांगलिक कार्यों की शुरुआत में गणेश का स्मरण करते हैं। कभी यहां के 20 हजार रुपये के नोट पर लंबोदर की तस्वीर छपा करती थी।

मैं यह उदाहरण क्यों दे रहा हूं?: कभी क्रांति का प्रतीक रहे वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर कल संसद में चर्चा होनी है। इसके प्रयोग पर बरसों से विवाद छिड़ा हुआ है। मुस्लिम जनसंख्या का एक तबका इसे राष्ट्रगीत नहीं मानता। वे इसे पूरा गाना तो दूर, वंदे मातरम् कहने से भी इनकार करते हैं। वजह? इस गीत में मातृभूमि की तुलना दुर्गा और लक्ष्मी से की गई है।

वे कहते हैं कि यह इस्लाम के एकेश्वरवाद के विरुद्ध है, जो अल्लाह के अलावा किसी अन्य की आराधना वर्जित करता है। मैं उनकी भावनाओं का सम्मान करने के बावजूद उनसे यह अनुरोध करना चाहूंगा कि जब सुकर्णो से सुबियांतो तक इंडोनेशियाई राष्ट्रपतियों को अपनी परंपरा से परहेज नहीं रहा, तो भला भारत में भ्रम क्यों? यह अल्पसंख्यकों की असुरक्षा-ग्रंथि को हवा देने की कोशिश नहीं, तो और क्या है? राष्ट्रीय गौरव और संघर्षों के प्रतीक धर्मों के मोहताज नहीं होते।

जो नहीं जानते, उन्हें बता दूं कि वंदे मातरम् किसी फिल्म का गीत भर नहीं है। प्रख्यात बांग्ला लेखक बंकिमचंद्र चटर्जी ने सन् 1875 में इसे लिखा था। बाद में उन्होंने

अपने उपन्यास आनंदमठ में इसे स्थान दिया। अंग्रेजों के खिलाफ हुए हिंदू मठों के विद्रोहों में संन्यासियों ने इसे वैचारिक चेतना के प्रवाह के लिए इस्तेमाल किया था। सन् 1905 में जब लॉर्ड कर्जन ने बंगाल के विभाजन की घोषणा की, तब यह गीत बांग्ला एकता और ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध नारे की तरह इस्तेमाल होने लगा।

ब्रिटिश पुलिस जब भारतीयों की आवाज कुचलने के लिए लाठियां भांजती या गोलियां बरसाती, तो विद्रोही जत्थे वंदे मातरम् की गर्जना से आसमान गुंजा देते। बहुत से क्रांतिकारियों ने सूली पर लटकाए जाने से पहले वंदे मातरम् का उद्घोष किया था। उस समय वंदे मातरम् राष्ट्रीय चेतना और प्रतिरोध का प्रतीक था, हिंदू धर्म का नहीं। झल्लाए अंग्रेजों ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया था। पर ऐसी बंदिशें क्रांतियां रोक कहां पाती हैं!

परेशान हुक्मरानों को साल 1909 में मुस्लिम लीग के नेता सय्यद अली इमाम के एक बयान से उम्मीद जगी। सय्यद अली और उनके मुट्ठी भर साथी मानते थे कि यह एक विधर्मी गीत है और हमें इसके इस्तेमाल से दूर रहना चाहिए। जो शब्द बांग्ला एकता और आजादी के राष्ट्रीय आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे, वही सत्ता के सहयोग से अब मजहबी वर्जना के शिकार बन चले थे। यह सिलसिला सन् 1937 में तब शीर्ष पर जा पहुंचा, जब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने राज्य की हुकूमत हासिल की।

उस वक्त कांग्रेस पार्टी को राष्ट्रगान की जरूरत थी और इसके लिए एक समिति का गठन किया गया। इस कमेटी के सदस्य थे- जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस और रवींद्रनाथ टैगोर। टैगोर की सलाह पर कांग्रेस ने वंदे मातरम् के शुरुआती दो पैराग्राफ राष्ट्रगीत के तौर पर चुने। इनमें भारत-भूमि, नदियों, बगीचों, शीतल मंद समीर आदि का गुणगान किया गया। इस समिति ने बाकी हिस्सों को छोड़ने की सिफारिश की, क्योंकि इसमें हिंदू देवी-देवताओं का जिक्र था।

इन तीनों महानुभावों ने वक्त की नब्ज को सही पहचाना था। तब तक मुस्लिम लीग के कार्यकर्ताओं के बीच 'पाकिस्तान जिंदाबाद' का नारा जोर पकड़ चुका था। गांवों और शहरों में 'पाकिस्तान डिक्लरेशन' के परचे बांटे जा रहे थे। सन् 1933 में चौधरी रहमत अली ने इसकी संरचना की थी। मोहम्मद जिन्ना ने तब तक आधिकारिक तौर पर पाकिस्तान का राग नहीं छेड़ा था, पर उनकी गिद्ध-दृष्टि इस हलचल पर थी। वंदे मातरम् का विवाद इस अलाव को और भड़का सकता था।यही वजह है कि 24 जनवरी, 1950 को जब देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि वंदे मातरम् गीत को जन-गण-मन के बराबर का दर्जा मिलना चाहिए, तब उनकी इस इच्छा का सम्मान तो किया गया, पर इसे सांविधानिक दर्जा नहीं मिल सका। भारतीय संविधान के अनुच्छेद-51ए के मुताबिक, हर भारतीय के लिए राष्ट्रगान, यानी जन-गण-मन अधिनायक जय हे गाना जरूरी है। वंदे मातरम् की स्थापना राष्ट्रगीत के तौर जरूर है, पर इसके लिए कोई सांविधानिक बाध्यता नहीं है।

इसके बावजूद रह-रहकर इसे राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने की कोशिश होती है। इसके समर्थक मानते हैं कि यह विवाद बेबुनियाद है, क्योंकि जिन पंक्तियों को राष्ट्रगीत का दर्जा दिया गया है, वे सिर्फ भारत-भूमि की महानता और सौंदर्य का वर्णन करते हैं। इनमें किसी देवी-देवता का जिक्र नहीं है, लेकिन कई मुस्लिम सांसदों और प्रतिनिधियों को इस पर भी ऐतराज है।

भरोसा न हो, तो एआईएमआईएम के आला नेता और सांसद असदुद्दीन ओवैसी के इस बयान पर नजर डाल देखिए। वह फरमाते हैं- 'आप यकीनन अपने मजहब पर चलिए, सरस्वती वंदना पढ़िए, वंदे मातरम् पढ़िए, मगर किसी को आप फोर्स नहीं कर सकते।'

क्या कमाल है?

हमारा राष्ट्रगीत, जो आजादी के दीवानों का भावनात्मक संबल हुआ करता था, विवाद के घेरे में है।क्या अमृतकाल के दौरान आर्थिक महाशक्ति बनने का स्वप्न संजोए भारत के लिए यह विवाद नितांत अनावश्यक नहीं है? अगर हमें आगे बढ़ना है, तो इस तरह के बनावटी प्रतिरोधों पर काबू पाना सीखना ही होगा। पर यह हो कैसे? राजनीति और धर्म की खिचड़ी ऐसी अनावश्यक कलह जनने से बाज नहीं आने वाली।आज जब इस महान गीत की संरचना की 150वीं जयंती मनाई जा रही है, तब इस मौके पर हम भारतीयों को इस गीत के मूल भावों को समझने की कोशिश करनी चाहिए। सरकार ने भी इसीलिए 8-9 दिसंबर को संसदीय कार्यवाही के 10 मूल्यवान घंटे राष्ट्रगीत पर चर्चा के लिए मुकर्रर किए हैं। क्या हमारे माननीय सांसद इस मौके का इस्तेमाल कर इस घातक विवाद पर सदा-सर्वदा के लिए पूर्ण-विराम लगा सकेंगे? (यह लेखक के अपने विचार हैं)

जब पदार्थ ने चेतना को जन्म दिया और चेतना ने हमें

(सुंदरचंद ठाकुर)

यह प्रश्न सदियों से मनुष्य को उलझाता आया है कि चेतना कहां से आई। जो ब्रह्मांड एक समय केवल धूल, गैस और ऊर्जा का विस्तार था, उसी ने धीरे-धीरे वह क्षमता क्यों और कैसे विकसित की कि वह स्वयं को देख सके, समझ सके, और 'मैं कौन हूं' जैसा प्रश्न पूछ सके। यही रहस्य चेतना का है - वह पदार्थ से उपजी, परंतु पदार्थ से कहीं अधिक विस्तृत है। विज्ञान बताता है कि जीवन की शुरुआत एक कोशिका से हुई। उस कोशिका में कोई व्यक्तित्व नहीं था, न कोई भाषा, न कोई भाव। बस प्रतिक्रिया थी। धीरे-धीरे यह प्रतिक्रिया संवेदनशीलता में बदली, संवेदनशीलता अनुभव में बदली और अनुभव चेतना में। यह विकास लाखों वर्षों में हुआ, पर आज हमारे भीतर जो समझ, करुणा और जिज्ञासा है, वह उसी लंबी यात्रा की परिणति है। एक अर्थ में चेतना प्रकृति का वह प्रयास है जिसमें उसने स्वयं को पहचानना चाहा। आध्यात्मिक परंपराएं इस यात्रा को एक अलग भाषा में समझाती हैं। वे कहती हैं कि चेतना कोई उपज नहीं, मूल है। पदार्थ उसी चेतना का घना रूप है। जैसे जल भाप बनकर फैलता है और बर्फ बनकर सघन, वैसे ही

चेतना ने स्वयं को पदार्थ और मन के रूप में व्यक्त किया। विज्ञान कहता है कि चेतना पदार्थ से निकली और वेदांत कहता है कि पदार्थ चेतना से निकला। इन दोनों में टकराव नहीं है, वे एक ही सत्य को दो दृष्टिकोणों से देख रहे हैं। हम चाहे विज्ञान की भाषा में सोचें या अध्यात्म की, एक बात स्पष्ट है कि चेतना ही वह आधार है जिसके बिना मनुष्य स्वयं को, दूसरों को और दुनिया को नहीं समझ सकता। दुख तब पैदा होता है जब हम अपने मन को ही अपनी पूरी पहचान मान लेते हैं। पर मन तो एक उपकरण है। चेतना वह आकाश है जिसमें मन बादलों की तरह उठता और घुलता रहता है। अब प्रश्न यह है कि इस चेतना से जुड़ें कैसे। पहला उपाय है - स्वयं को देखना। जब हम अपने विचारों, भावनाओं और प्रतिक्रियाओं को देखते हैं, तो धीरे-धीरे यह समझ आने लगता है कि हम विचार नहीं हैं, हम वह हैं जो विचारों को देख रहा है। यह साधना हमें भीतर से हल्का करती है, क्योंकि यदि हम देखने वाले हैं, तो दुःख या भय देखने की वस्तुएं हैं, हमारी पहचान नहीं। दूसरा उपाय है श्वास को स्थिर करना। श्वास वह सेतु है जो शरीर, मन और चेतना को जोड़ता है। जब श्वास शांत होती है, तो मन स्वतः शांत हो जाता है और चेतना प्रकट होने लगती है। यह कोई विचित्र अनुभव नहीं, बल्कि गहरा स्थिर वर्तमान है। वह वर्तमान जिसमें कितने भी भीतर उतरा जा सकता है। तीसरा उपाय है ङ्क जीवन में अर्थ की खोज। जब हमारा उद्देश्य केवल भौतिक उपलब्धियों तक सीमित होता है, तो चेतना अनसुनी रह जाती है। पर जब हम ऐसे प्रश्न पूछते हैं - मैं किसके लिए जी रहा हूं, मैं दूसरों को क्या दे सकता हूं, मैं कैसे अपने भीतर की रोशनी बढ़ा सकता हूं, तब चेतना सक्रिय होती है। अर्थपूर्ण जीवन चेतना से जुड़ने का सबसे सरल मार्ग है। दुनिया में संघर्ष इसलिए अधिक है क्योंकि हम चेतना से दूर होकर केवल मन से चल रहे हैं। मन चिंतित होता है, तुलना करता है, भय पैदा करता है। पर चेतना शांत है, विस्तृत है और स्वीकार करना जानती है। जो व्यक्ति चेतना में ठहरना सीख लेता है, वह जीवन की जटिलताओं का सामना सहजता से करता है।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं

वर्ग पहेली 5938

1		2	3	4		5	
		6				7	
8	9				10		
11		12		13			
	14				15		16
17		18					
19	20			21		22	
23			24			25	

संकेतः बाएं से दाएं
1. अंग्रेजों द्वारा निहत्थी भीड़ पर यहां की गई अंधाधुंध गोलीबारी में चार सौ लोग मारे गए (7)
6. लालसा करना, प्रेम करना, इच्छा होना (3)
7. चाल, रफ्तार (2)
8. एक उपसर्ग जो शब्दों के आरंभ में लगता है (2)
10. पुराणानुसार पांचवा लोक जहां से मनुष्य उत्पन्न होते है, व्यक्ति (2)
11. दनु नामक स्त्री से उत्पन्न पुत्र, असुर, राक्षस (3)
13. लोभ, अनुचित इच्छा (3)
14. श्रवणेन्द्रिय, कर्ण (2)
15. एक प्रकार का मादक द्रव्य (3)
18. किसी वस्तु आदि को छूने की क्रिया (2)
19. पुराणानुसार चन्द्रवंश के पांचवें राजा (2)
22. मस्तक, ललाट, माथा (2)
23. मेरा या मेरी (संस्कृत)(2)
24. कही हुई बात मानने का तैयार (2)
25. संबंध, रिश्ता (2)

ऊपर से नीचे
1. भारतीय हिंदी फिल्म की एक मशहूर अभिनेत्री (4)
2. याचना, अभ्यर्थना, अर्चना (2)
3. ले जाने वाला, परिवहनकर्ता, वहनकर्ता (3)
4. उपस्थित करना, ले आना (2)
5. नभगामी, नभचर (5)
9. तृण, खरीक (3)
10. वे प्राणी जो जल में विचरण करते है (4)
12. पादप जगत यह कहलाता है (4)
16. कामयाबी, मनोरथ, सिद्धि (4)
17. मौजूद, स्थिर, दीर्घकालीन (3)
20. एक पहर, तीन घंटे का समय (2)
21. 332 द्वीप वाले इस देश की राजधानी सुवा है (2)
22. पसंद आना, सुंदर लगना, शोभित होना (2)

वर्ग पहेली 5937 का हल

ह	रि	या	णा		मुं	ब	ई
म	हा	न			त	ला	श
म	ई		द		जि		दू
ज		स	मा	चा	र		त
ह	जा	र		ला		ख	
ब	न	ना		क	म	ल	ज
	का	मा	क्षी		खौ	ल	ना
पो	र		र	ह	ल		ब

2026 में धुआंधार पारी खेलेंगे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

(सुरेश तिवारी)

सूत्रों के अनुसार 2026 में मुख्यमंत्री बड़े बदलाव की तैयारी में हैं। नए साल की शुरुआत में मंत्रिमंडल विस्तार, अधिकारियों की नई जमावट और गुजरात मॉडल पर नया कैबिनेट बन सकता है। मंत्रियों-विधायकों के कामकाज की समीक्षा जारी है। निगम-मंडल नियुक्तियों के आदेश भी जल्द जारी होने की संभावना है।राजनीतिक गलियारों की खबरों पर भरोसा किया जाए तो 2026 में मुख्यमंत्री धुआंधार पारी खेलने वाले हैं। नए साल की शुरुआत से ही कई बदलाव देखने को मिल सकते हैं। इनमें मंत्रिमंडल विस्तार से लेकर ब्यूरोक्रेसी की नए सिरे से जमावट शामिल है। इसके लिए अंदर ही अंदर मंत्रियों, विधायकों और मंत्रालय से लेकर जिला स्तर तक के अधिकारियों के रिकॉर्ड और कार्यों की छानबीन की जा रही है। गुजरात की तर्ज पर नया मंत्रिमंडल मध्य प्रदेश में अगले साल की शुरुआत में आकार ले सकता है। निगम, मंडल और प्राधिकरणों की नियुक्ति के आदेश तो कार्यकर्ताओं को उनके दो वर्ष पूर्ण होने की सौगात के रूप में अब कभी भी मिल सकते हैं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल द्वारा हाल ही में किए गए कुछ कार्यों से प्रदेश की राजनीति में उनकी अलग पहचान बनती जा रही है। कुछ लोग इसे ठाकरे युग की याद भी बता रहे हैं। यह पहली बार हो रहा है जब भारतीय जनता पार्टी के भोपाल स्थित मुख्यालय में अब प्रतिदिन दो मंत्री बैठकर कार्यकर्ताओं से मिल रहे हैं और उनकी समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जा रहा है। सागर जिले में पार्टी के दो बड़े नेताओं के बीच पिछले कई साल से चली आ रही अदावत को जिस तरह से खंडेलवाल ने समाप्त करवाया है, उसको लेकर भी उनकी सराहना की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इन दिनों विभिन्न विभागों के कार्यों और गतिविधियों की समीक्षा कर रहे हैं। इसी दौरान वे जब सहकारिता विभाग की समीक्षा कर रहे थे तो उन्हें बताया गया कि बीज विक्रय हेतु एमपी चीता ब्रांड का पंजीयन किया जा रहा है। इस पर मुख्यमंत्री ने चुटकी लेते हुए कहा कि सहकारिता में यह फॉरेस्ट कैसे घुस आया। दरअसल, वर्ष 2025-26 में गेहूं और चना के प्रमाणित बीज का विक्रय एमपी चीता ब्रांड के नाम से किया जा रहा है। यह नाम किसने और क्यों दिया, इसका खुलासा नहीं हो पाया है! तीन मुस्लिम आरोपियों पर पॉक्सो, एससी-एसटी, दुष्कर्म और धर्मांतरण की गंभीर धाराएं लगाकर उन्हें जेल भेज दिया गया है, पर जनजाति समाज और हिंदू समुदाय का आक्रोश थम नहीं रहा। अब मांग सीधे बुलडोजर कार्रवाई की है, जिससे प्रशासन के सामने संवैधानिक मर्यादा और जनभावना दोनों की दोहरी चुनौती खड़ी हो गई है। भाजपा की जिलाध्यक्ष तक इस मामले में सक्रिय हैं। चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी से प्रशासन चौतरफा दबाव है। सुप्रीम कोर्ट के मानदंड और उफनती जनता– इन दोनों के बीच संतुलन साधना ही इस समय प्रशासन के लिए सबसे कठिन परीक्षा बन गया है। यह लेखक के निजी विचार हैं।

आज का राशिफल

मेष
आज के दिन दूसरों की भावनाओं का ध्यान रखना होगा। अपने करीबी लोगों की भावनाओं का सम्मान करें और उनके अनुसार चलने का प्रयास करें। ऐसा करने से आपको आत्म संतोष होगा। कभी-कभी दूसरों की बात सुनना फायदेमंद रह सकता है। दुकान या कार्यक्षेत्र में कोई समस्या हो सकती है।

वृष
आज सांसारिक सुख भोगों का प्रतिनिधि है। इससे आवश्यक सामान की खरीदारी में शाम तक का समय व्यतीत हो सकता है। घर परिवार के वृद्धजनों से बहसबाजी में न उलझें। उनकी राय आपके लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

तुला
आज का दिन आपके लिए महापुरुषों से मुलाकात का रहने वाला है। अचानक आपको लाभ मिल सकता है। नए कार्य में वैधानिक और तकनीकी पहलुओं पर गंभीरता पूर्वक विचार करने के उपरान्त ही कुछ निर्णय लें। घर के पुराने लटके हुए कार्यों को बना लेने का मौका भी मिलेगा।

वृश्चिक
आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। बिजनेस के सिलसिले में किसी की सलाह लेने की आवश्यकता पड़ सकती है। दिन के दूसरे भाग में महिला मित्रों के साथ समय व्यतीत होगा। मामला कार्यक्षेत्र का हो या आप अपने सभी उत्तरदायित्वों को सफलतापूर्वक निभा लेंगे।

मिथुन
आज आपके लिए शुभ रहने वाले हैं। राज्य से मान-सम्मान प्राप्त होगा। व्यापार के भागीदारों के साथ से लाभ मिलेगा। पत्नी पक्ष से भी पूर्ण सहयोग मिलेगा। इस दौरान भाग्य का साथ मिलेगा और कर्ज में कमी आएगी।

कर्क
आज उत्तम संपत्ति और बहुत दिनों से रुके धन की प्राप्ति कराएगा। नए संबंधों में स्थिरता आएगी। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में भी अच्छी सफलता मिल सकती है। रात्रि का समय मंगलमय उत्सव में प्रियजनों के साथ हर्षोल्लास में बीतेगा।

धनु
आज का दिन मिश्रित रहने वाला है। आप अपनी पुरानी देनदारियों से मुक्त हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी आपके सुझावों का स्वागत होगा। कुछ आवश्यक घरेलू सामान की खरीदारी करनी पड़ सकती है। अपनी जेब का खास ख्याल रखें। सायंकाल का समय घरवालों के साथ व्यतीत करें।

मकर
आज का दिन यात्रा का कारक है। बहन-भाई के विवाह इत्यादि मांगलिक समारोह में शामिल होने का अवसर मिलेगा। कोई पुराना मित्र या रिश्तेदार अचानक आपके सामने आकर खड़ा हो सकता है। यदि कोई आपसे उधार मांगे तो कदापि न दें।

सिंह
आज आपको आपके कार्यक्षेत्र या दफ्तर में कुछ नए अधिकार दिए जा सकते हैं। रचनात्मक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। पुत्र अथवा पुत्री के विवाह का प्रसंग प्रबल होकर फाइनल हो सकता है।

कन्या
आज इष्ट मित्रों से बेवजह का विवाद हो सकता है। अपने आसपास खुशनुमा माहौल बनाने का प्रयास करें। कार्यालय में भी अकस्मात् कोई नया परिवर्तन आपको आश्चर्य में डाल सकता है। महिला सहकर्मी व अधिकारी आपका सहयोग कर सकते हैं।

कुंभ
आज राजनीतिक क्षेत्र में सफलता कारक है, सक्रिय राजनीति में भाग लेने का योग बन रहा है। प्रतिस्पर्धा में प्रतिद्वंदी आपसे पीछे रह जाएंगे। दिन का उत्तरार्ध भी शुभ व्यय कीर्ति की वृद्धि कारक है। पुण्य कार्यों पर भी व्यय हो सकता है।

मीन
आज आपकी अपनी संपत्ति में वृद्धि होगी। आपको ननिहाल से भी मान सम्मान मिलेगा। आपको पत्नी पक्ष एवं पत्नी की ओर से पूर्ण सहयोग मिलेगा। नौकरी में गुप्त शत्रु चुगली करेंगे, जिससे सायंकाल के समय परेशानी हो सकती है। आपकी राशि का स्वामी बृहस्पति मार्गी चल रहा है। ऐसे में अपने गुरु के प्रति निष्ठा व भक्ति भाव पूर्ण रखें।

14 प्रतिशत बढ़ गया इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों का इंपोर्ट बिल

नई दिल्ली, एजेंसी। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत सरकार देश में इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स की मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा दे रही है। इसका नतीजा यह हुआ कि फाइनेंशियल ईयर 2024 में पहली बार इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स और प्रोडक्ट्स के आयात में कमी आई थी। लेकिन फाइनेंशियल ईयर 2025 में मामला बदल गया। ऐपल, सैमसंग, एलजी, हायर, लेनोवो, व्हर्लपूल और मोटोरोला जैसी करीब एक दर्जन इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों ने वित्त वर्ष 2025 में करीब 1.21 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के कंपोनेंट्स और प्रोडक्ट्स का आयात किया। यह 2024 की तुलना में 13 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी है।

ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह जानकारी इन कंपनियों की ताजा रेगुलेटरी फाइलिंग से सामने आई है। इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि यह उछाल महंगे पार्ट्स के ज्यादा आयात और कमजोर रुपये की वजह से आया है। हालांकि, सरकार के मेक इन इंडिया अभियान के बावजूद, 2018-19 से ज्यादातर कंपनियों के लिए आयात की वैल्यू कम नहीं हुई है। यह बात भी फाइलिंग से पता चली है। केवल वित्त वर्ष 2024 में इन कंपनियों का कुल आयात बिल 6 प्रतिशत कम हुआ था। एक बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स मल्टीनेशनल कंपनी की भारतीय यूनिट के सीईओ ने बताया कि मेक इन इंडिया इनिशिएटिव्स मुख्य रूप से तैयार माल के आयात को हतोत्साहित करने

के लिए थीं और इसमें सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट पीएलआई और व्हाइट गुड्स पीएलआई स्कीमें ज्यादातर कंपोनेंट्स पर ध्यान केंद्रित करती हैं। जब ये स्कीमें ठीक से काम करने लगेंगी, तो इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री का इंपोर्ट बिल कम हो जाएगा। पिछले पांच साल में कुछ कंपनियों के लिए उनके रेवेन्यू के मुकाबले आयात का प्रतिशत कम हुआ है। खासकर उन कंपनियों के लिए जिन्होंने अपने तैयार माल का ज्यादातर प्रोडक्शन भारत में ही शुरू कर दिया है। इनमें ऐपल भी शामिल है, जिसने आईफोन का प्रोडक्शन भारत में शिफ्ट कर दिया है। इसी तरह सैमसंग ने भी टीवी का प्रोडक्शन भारत में शुरू किया है। ऐपल इंडिया का वित्त वर्ष 2025 में बिक्री के मुकाबले आयात का प्रतिशत घटकर 23 प्रतिशत रह गया, जो वित्त वर्ष 2024 में 25 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2021 में 60 प्रतिशत था। सैमसंग इंडिया के लिए यह पिछले वित्तीय वर्ष में 60 प्रतिशत था जो वित्त वर्ष 2021 में 67 प्रतिशत था। घरेलू कंपनियों की बात करें तो ब्लू स्टार में बिक्री के मुकाबले आयात 25 प्रतिशत से घटकर 16 प्रतिशत रह गया है। वहीं, हैवेल्स के लिए यह 17 प्रतिशत से घटकर 13 प्रतिशत रह गया है। लेकिन एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स और लेनोवो जैसी कंपनियों की भारतीय यूनिट्स के लिए बिक्री के मुकाबले आयात के मूल्य में कोई कमी नहीं आई है। वोल्टास के लिए यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2021 में 9 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 15 प्रतिशत हो गया। कंपनी का लोकलाइजेशन रेट फिलहाल करीब 56 प्रतिशत है। पिछले तीन वित्त वर्षों में यह हर साल 2-3 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी इसे बढ़ाकर 70 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखती है। कंपनी वित्त वर्ष 2023 से स्थानीय स्तर पर एसी कंप्रेसर का उत्पादन कर रही है। इसके अलावा, प्रीमियम प्रोडक्ट्स जैसे ओएलईडी टीवी और साइड-बाय-साइड रेफ्रिजरेटर पहले दक्षिण कोरिया से आयात किए जाते थे और अब भारत में ही बन रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में 18000 स्टार्टअप, एक लाख रोजगार सृजित

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के स्टार्टअप परिदृश्य में उल्लेखनीय बदलाव आया है। इस राज्य में 18,568 स्टार्टअप सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। यह संख्या इस बात का प्रमाण है कि उत्तर प्रदेश अब उद्यमिता का मजबूत गढ़ बन चुका है। इनमें से लगभग आठ हजार स्टार्टअप्स का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं। सरकार की नीतियों में यह दृष्टिकोण साफ झलकता है। स्टार्टअप नीति ने युवाओं को न केवल उद्यम आरंभ करने का अवसर दिया है बल्कि उन्हें जरूरी मेंटरशिप, वित्तीय सहयोग और तकनीकी सहयोग भी उपलब्ध कराया है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, इनक्यूबेशन सेंटरों की संख्या में तेजी से हुई वृद्धि ने नए उद्यमियों को जमीन स्तर से लेकर उद्योग स्थापना को मजबूत आधार दिया है। 2019 में स्टार्टअप की संख्या 807 से बढ़कर 2023 में 3,426 हो गई। यह बढ़ते उद्यमशीलता विश्वास और सरकारी समर्थन को दर्शाता है। इस अवधि में इन उद्यमों ने 34,000 रोजगार सृजित किए। स्टार्टअप में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी देखने को मिल रही है। 6,800 से अधिक स्टार्टअप्स में कम से कम एक महिला निदेशक है। हाल में स्टार्टअप कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया था कि कई यूनिकॉर्न भी शामिल हैं। सरकार ने इनक्यूबेटरों को बढ़ावा देने और स्टार्टअप्स को बढ़ने में मदद करने के लिए 137 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की है। श्रम मंत्रालय के मुताबिक, स्टार्टअप्स में वृद्धि के साथ उत्तर प्रदेश सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र का केंद्र बना हुआ है। राज्य में 96 लाख एमएसएमई हैं, जो 1.75 करोड़ रोजगार प्रदान करते हैं। यह सभी इकाइयों का 14.2 प्रतिशत है।

घर में पकने वाली थाली की कीमत एक साल में 13 प्रतिशत घटी

नई दिल्ली, एजेंसी। सब्जियों और दालों के भाव घटने से घर में पकने वाली शाकाहारी और मांसाहारी थाली एक साल में 13 फीसदी तक सस्ती हो गई। क्रिसिल रेटिंग के अनुसार, नवंबर में शाकाहारी थाली की कीमत 28.4 रुपये रह गई जो नवंबर, 2024 में 32.7 रुपये थी। इसी दौरान मांसाहारी थाली का दाम 61.5 रुपये से घटकर 53.8 रुपये पर आ गया। क्रिसिल के अनुसार, मासिक आधार पर अक्तूबर में मांसाहारी थाली की कीमत 54.4 रुपये और शाकाहारी थाली की कीमत 27.80 रुपये रही थी। घर पर थाली बनाने की औसत लागत की गणना उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम भारत में कीमतों के आधार पर की जाती है। आलू व टमाटर की कीमतों में क्रमशः 5 और फीसदी की वृद्धि हुई। इससे थालियों की कुल लागत में वृद्धि हुई। अन्य प्रमुख वस्तुओं की कीमतें लगभग स्थिर रहीं। अधिक आपूर्ति के कारण टमाटर की कीमतों में पिछले वर्ष की तुलना में 17 फीसदी की गिरावट आई। उच्च आधार के कारण आलू के दाम इस दौरान 29 फीसदी घट गए।कमजोर निर्यात के कारण प्याज की कीमतों में 53 फीसदी की कमी आई है। स्टॉक में वृद्धि से चालू वित्त वर्ष में दालों की कीमतों में 17 फीसदी की गिरावट आई है। इसकी वजह आयात में तेजी है। ज्यादा मांग के चलते वनस्पति तेल और गैस सिलिंडर की कीमतें 6 फीसदी बढ़ीं। इससे थालियों की कुल लागत में गिरावट सीमित हो गई।

12वीं पास बनी सीईओ... हैरत में लोग

ऐसे बना दिया घर से ब्रांड, अब पैसों की बारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल के त्रिशूर जिले की फ्रैंसी जोशीमोन ने ऑर्गेनिक फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में एक सफल स्टार्टअप खड़ा कर दिया है। अपने पिता के कैंसर से पीड़ित होने के बाद उन्होंने सुरक्षित और स्वास्थ्यवर्धक भोजन उपलब्ध कराने का फैसला किया। 2018 में पिता के कैंसर से पीड़ित होने के बाद फ्रैंसी ने महसूस किया कि बाजार में मिलने वाले भोजन में पेस्टिसाइड, केमिकल और प्रिजर्वेटिव जैसे हानिकारक तत्व मौजूद हैं। 2019 में उन्होंने अपने घर से मिन्नस फ्रेश फूड प्रोडक्ट्स की शुरुआत की। यह उद्यम न केवल ऑर्गेनिक खाद्य उत्पाद, खासकर कटहल-आधारित आइटम बनाता है, बल्कि कुदुम्बश्री की महिलाओं को रोजगार और वित्तीय स्थिरता देकर ग्रामीण सशक्तीकरण का भी एक बड़ा उदाहरण बन गया है। आइए, यहां फ्रैंसी जोशीमोन की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। कटहल पर फोकस के साथ बढ़ाई रेंज

मिन्नस फ्रेश फूड छह प्रकार के पुट्टू पाउडर (जैसे कटहल मिक्स, टैपिओका

मिक्स, कच्चा केला मिक्स), तीन प्रकार के गेहूं पाउडर, शिशु आहार और रसोई के आवश्यक मसाले (मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर) प्रदान करता है। हालांकि, उनके सबसे लोकप्रिय उत्पाद कटहल-आधारित हैं। कटहल में प्रोटीन, एंटीऑक्सीडेंट्स, कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स और कैरोटीनॉयड्स होते हैं, जो इसे कैंसर, मोतियाबिंद और हृदय रोगों से बचाने में सहायक बनाते हैं। 2018 में केरल की ओर से कटहल को राज्य फल घोषित करने से इसके प्रसंस्करण पर ध्यान बढ़ा। इससे मिन्नस फ्रेश को काफी लाभ मिला। यह सफाई, धुलाई, सुखाने से लेकर पैकेजिंग तक लागू है। प्रारंभिक मार्केटिंग और सीमित शेल्फ लाइफ की चुनौतियों को दूर करने के लिए मिन्नस को केरल कृषि विश्वविद्यालय से मदद मिली।

इस घटना ने झकझोर दिया

मिन्नस फ्रेश फूड प्रोडक्ट्स की संस्थापक फ्रैंसी जोशीमोन के उद्यम का जन्म एक दुखद व्यक्तिगत अनुभव से हुआ। साल 2018 में उनके पिता को कैंसर का पता चला। सक्रिय और स्वस्थ जीवन जीने के बावजूद रोग से ग्रस्त होने के बाद परिवार ने इसकी वजह तलाशी। निष्कर्ष यह निकला कि भोजन में मौजूद कीटनाशक, रसायन और प्रिजर्वेटिव ही इसके कारण थे। पिता को कैंसर से बचाने के संघर्ष में फ्रैंसी को इम्यूनिटी बढ़ाने वाले प्रिजर्वेटिव-मुक्त खाद्य पदार्थ आसानी से नहीं मिले। हालांकि, 2019 में पिता के निधन के बाद फ्रैंसी ने एक दृढ़ संकल्प लिया। उन्होंने तय किया वह लोगों को सुरक्षित और स्वास्थ्य के लिए सबसे अच्छे खाद्य उत्पाद उपलब्ध कराएंगी। सफल ऑर्गेनिक फूड व्यवसाय मिन्नस फ्रेश फूड की नींव बना। केरल के त्रिशूर जिले के करालम गांव में बेटी के नाम पर शुरू हुआ मिन्नस फ्रेश फूड शुरुआती दौर में कटहल पुट्टू पाउडर और अन्य उत्पाद दोस्तों और स्थानीय ग्राहकों को बेचता था। उत्पादों की ऑर्गेनिक गुणवत्ता और स्वाद को मिली अच्छी प्रतिक्रिया ने फ्रैंसी को इसे बड़े पैमाने पर ले जाने के लिए प्रेरित किया।

अनंत अंबानी को मिला ग्लोबल ह्यूमैनटेरीयन अवार्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। वन्यजीव संरक्षण में असाधारण योगदान के लिए ग्लोबल ह्यूमन सोसाइटी ने वंतारा संरक्षण केंद्र के संस्थापक अनंत अंबानी को प्रतिष्ठित ग्लोबल ह्यूमैनटेरीयन अवार्ड फॉर एनिमल वेलफेयर से सम्मानित किया है। इस सम्मान के साथ ही अनंत अंबानी सबसे कम उम्र के और पहले एशियाई व्यक्ति बने जिन्हें यह वैश्विक मान्यता मिली है। यह अवॉर्ड एक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के दौरान प्रदान किया गया, जिसमें दुनियाभर के वन्यजीव संरक्षण विशेषज्ञ और पशु कल्याण से जुड़े नेता शामिल हुए। ग्लोबल ह्यूमन सोसाइटी ने बताया कि यह अवॉर्ड उन व्यक्तियों को दिया जाता है जिनकी आजीवन प्रतिबद्धता पशुओं और प्रकृति पर वैश्विक स्तर पर सकारात्मक प्रभाव डालती है। अनंत अंबानी को यह सम्मान उनके वैज्ञानिक दृष्टिकोण और साक्ष्य-आधारित संरक्षण कार्यों के लिए प्रदान

किया गया, जिनमें शामिल हैं बड़े स्तर पर पशु बचाव और पुनर्वास, विलुप्तप्राय प्रजातियों का संरक्षण, विज्ञान-आधारित संरक्षण कार्यक्रम और वैश्विक जैव-विविधता को बचाने के प्रयास। उनकी पहल वनतारा को दुनिया में सबसे व्यापक और प्रभावशाली संरक्षण परियोजनाओं में से एक माना जा रहा है। अवॉर्ड लेने के बाद अनंत अंबानी ने कहा मैं ग्लोबल ह्यूमन सोसाइटी का आभारी हूं। यह सम्मान मुझे सर्वभूत हित यानी सभी जीवों के कल्याण की भारतीय परंपरा की याद दिलाता है। जानवर हमें संतुलन, विनम्रता और विश्वास सिखाते हैं। वनतारा का उद्देश्य हर जीवन को सम्मान, देखभाल और आशा देना है। संरक्षण आज का धर्म है, कल का नहीं। एक रेस्क्यू सेंटर नहीं, बल्कि उपचार और पुनर्वास का एक आश्रय है। अनंत अंबानी की नेतृत्व क्षमता ने पशु संरक्षण के लिए दया और करुणा का नया वैश्विक मानक स्थापित किया है। उन्होंने यह भी कहा कि वंतारा का पैमाना, दृष्टि और वैज्ञानिक दृष्टिकोण इसे दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण पशु संरक्षण पहल बनाते हैं।

अपना ब्रांड बेचकर यहां लगा रहे 40 करोड़

विराट कोहली ने कारोबारी पिच पर उछाला सिक्का...

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के दिग्गज विराट कोहली ने अपने स्पोर्ट्सवियर और एथलीजर ब्रांड वन8 को एजिलिटास स्पोर्ट्स को बेचने का फैसला किया है। साथ ही, वह एजिलिटास स्पोर्ट्स में 40 करोड़ रुपये का निवेश करके एक छोटी हिस्सेदारी भी खरीद रहे हैं। यह डील विराट कोहली के लिए एक नए सफर की शुरुआत है, जहां उनका ब्रांड वन8 अब एक स्वतंत्र ग्लोबल स्पोर्ट्स ब्रांड के तौर पर काम करेगा। एजिलिटास स्पोर्ट्स पहले से ही स्पोर्ट्स फुटवियर मैन्युफैक्चरिंग और लाइसेंसिंग में सक्रिय है। अब वह वन8 को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की तैयारी में है।

यह खबर विराट कोहली के लिए काफी अहम है। उन्होंने यह डील अपने एक बड़े एंडोर्समेंट डील के खत्म होने के कुछ महीनों बाद की है। आठ साल तक पूमा इंडिया के साथ 110 करोड़ रुपये की डील के बाद विराट कोहली ने अब एजिलिटास स्पोर्ट्स के साथ एक नई साझेदारी की है। एजिलिटास स्पोर्ट्स के सह-संस्थापक और सीईओ अभिषेक गंगवार ने बताया कि वन8 अब एक स्वतंत्र, प्रीमियम ग्लोबल स्पोर्ट्स ब्रांड के रूप में काम करेगा। वह ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका

जैसे बाजारों में डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर को अंतिम रूप दे रहे हैं।

विराट कोहली ने एजिलिटास स्पोर्ट्स में 40 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस निवेश के जरिए उन्होंने कंपल्सरी कनवर्टिबल प्रेफरेंस शेयर्स (सीसीपीएस) के जरिये 1.94 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी हासिल की है। यह जानकारी कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय में दर्ज दस्तावेजों से सामने आई है।

विराट कोहली ने खुद सोशल मीडिया पर इस नई शुरुआत को लेकर उत्साह जाहिर किया। उन्होंने इंस्टाग्राम और ट्विटर पर लिखा, आज मेरे दिल से एक रोमांचक नए अध्याय की शुरुआत हो रही है। वन8 और एजिलिटास के लिए एक नया सफर शुरू हो रहा है, जो उद्देश्य और महत्वाकांक्षा से प्रेरित है। वन8 को एजिलिटास में वापस ले जा रहा हूं।

विराट कोहली ने 2017 में पूमा के साथ मिलकर वन8 की शुरुआत की थी। उस समय पूमा और वन8 के बीच एक लाइसेंसिंग समझौता था। इसमें इक्विटी की हिस्सेदारी नहीं थी। अब एजिलिटास स्पोर्ट्स के साथ यह डील पूरी तरह से अलग है। पहले पूमा इंडिया और साउथ एशिया के एमडी रह चुके अभिषेक गंगवार ने बताया कि एजिलिटास स्पोर्ट्स वन8 के लिए ग्लोबल स्पोर्ट्स इवेंट्स के साथ स्पॉन्सरशिप डील और एथलीटों के जरिए ब्रांड की पहचान बनाने पर भी विचार कर रही है। हालांकि, उन्होंने इन डील्स के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी, क्योंकि वे अभी बातचीत के दौर में हैं। एजिलिटास स्पोर्ट्स पहले से ही स्पोर्ट्स इंडस्ट्री में एक मजबूत खिलाड़ी है। यह कंपनी मोशिको शूज की मालिक है, जो एडिडास, पूमा, न्यू बैलेंस और स्केचर्स जैसी बड़ी कंपनियों के लिए जूते बनाती है। इसके अलावा, एजिलिटास स्पोर्ट्स के पास लोटो ब्रांड के लाइसेंसिंग अधिकार भी हैं। एजिलिटास की स्थापना दो साल पहले अभिषेक गंगवार ने अमित प्रभु और अतुल बजाज के साथ मिलकर की थी।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता जल्द पूरा हाने की उम्मीद, गोयल बोले- पूरी निष्ठा से कर रहे काम

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत और यूरोपीय संघ समग्र तथा संतुलित मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए पूरी निष्ठा के साथ काम कर रहे हैं। ऐसा समझौता एकतरफा नहीं हो सकता है। सभी दौर की बातचीत में दोनों पक्षों के हितों के बारे में चर्चा होती है, जिससे समझौता निष्पक्ष और संतुलित रह सके। मंत्री ने सोमवार को नई दिल्ली में यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मारोस सेफकोविक के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जल्द अंतिम रूप देने के लिए चर्चा की। मारोस व्यापार वार्ता के लिए यूरोपीय संघ के अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। मंत्री गोयल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के माध्यम से बताया कि यह बैठक निर्णायक रही है। हमने वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए लंबित मुद्दों को सुलझाने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि पारस्परिक रूप से लाभकारी एफटीए की दिशा में निरंतर सहयोग की आशा है। दरअसल, कुछ क्षेत्रों में अब भी मतभेद हैं। इनमें इस्पात, कार्बन कर, ऑटोमोबाइल और गैर-टैरिफ बाधाएं शामिल हैं, जिन्हें दूर करने की जरूरत है।

यूट्यूब के सीईओ नील मोहन अचानक सुर्खियों में लखनऊ और संस्कृत भाषा से कनेक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। यूट्यूब के सीईओ नील मोहन को 2025 के लिए टाइम सीईओ ऑफ द ईयर चुना गया है। टाइम ने उन्हें दुनिया की सबसे बड़ी ध्यान भटकाने वाली मशीन का पायलट बताया है। लेकिन, साथ ही यह भी कहा है कि वह आश्चर्यजनक रूप से शांत हैं। वह कम बोलते हैं, सोच-समझकर फैसले लेते हैं और आसानी से विचलित नहीं होते। उन्हें खेल देखना, अपनी बेटियों के डांस रिसेप्शन में जाना और सादी सफेद शर्ट पहनना पसंद है। बिल्कुल आम लोगों की तरह। नील मोहन 2023 से यूट्यूब के सीईओ हैं। उन्होंने यह पद गूगल की संस्थापक कर्मचारियों में से एक सुसान वोजिकी के इस्तीफे के बाद संभाला था। इसके अलावा, वह स्टारबक्स के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के सदस्य भी हैं। नील मोहन 2008 में गूगल से जुड़े थे, जो यूट्यूब की पैरेंट कंपनी है। सीईओ बनने से पहले वह कंपनी के चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर थे। नील मोहन का जन्म इंडियाना के लैफायेट में हुआ था। उन्होंने अपना बचपन अमेरिका में बिताया। लेकिन, 1985 में 12 साल की उम्र में वह अपने माता-पिता के साथ लखनऊ आ गए थे। उन्होंने 1996 में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन किया। बाद में 2005 में उन्होंने इसी प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी से एमबीए भी किया, जहां वह अर्जे मिलर स्कॉलर थे।

स्टैनफोर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस में अर्जे मिलर स्कॉलर उन छात्रों को कहा जाता है जो एमबीए क्लास के टॉप 10 प्रतिशत में आते हैं और जिन्होंने पढ़ाई में शानदार प्रदर्शन किया हो। नील मोहन सिर्फ स्टैनफोर्ड के ग्रेजुएट ही नहीं हैं, बल्कि वह स्टैनफोर्ड तस्क के एडवाइजरी काउंसिल और काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस के सदस्य भी हैं।

संस्कृत भाषा के बारे में कही यह बात

संस्कृत भाषा से भी उनका दलिचस्प कनेक्शन रहा है। इसे सीखने के अपने अनुभव के बारे में नील मोहन ने कहा है, यह अविश्वसनीय रूप से ध्वन्यात्मक और नियमों पर आधारित है... यह मूल रूप से कंप्यूटर प्रोग्रामिंग सीखने जैसा था। नील मोहन ने एक कुछ साल पहले स्टैनफोर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस में व्यू फ्रॉम द टॉप नाम के एक कार्यक्रम में अपने बचपन और भारत लौटने के अपने माता-पिता के फैसले के बारे में बताया था। उन्होंने कहा था कि अमेरिका के मिडवेस्ट से हाई स्कूल से ठीक पहले लखनऊ जैसे हलचल भरे शहर में जाना, न केवल उन्हें बदलाव को अपनाने के लिए प्रेरित किया, बल्कि ऐसे बदलावों के बीच आगे बढ़ने में भी मदद की।

उन्होंने बताया कि कैसे उनके पिता, जो आइआइटी-खड़गपुर से ग्रेजुएट थे, अमेरिका में सिविल इंजीनियरिंग में पीएचडी करना चाहते थे। कैसे उन्होंने सिर्फ 25 डॉलर लेकर न्यूयॉर्क के जेएफके एयरपोर्ट पर कदम रखा था।

वॉरेन बफेट के बाद बर्कशायर में टीम बना रहे ग्रेग एबेल

नेतृत्व और निवेश रणनीति पर उठ रहे सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। वॉरेन बफेट के बाद जनवरी से बर्कशायर हैथवे की कमान संभालने जा रहे ग्रेग एबेल ने अपनी टीम को नए सिरे से तैयार करना शुरू कर दिया है। कंपनी ने सोमवार को दो अहम पदों से

विदाई की घोषणा की।

बर्कशायर ने बताया कि निवेश प्रबंधक और कई वर्षों तक गीको के सीईओ रह चुके टॉड कॉम्ब्स और लंबे समय से मुख्य वित्तीय अधिकारी मैक हैमबर्ग कंपनी छोड़ रहे हैं। कॉम्ब्स अब जेपी मॉर्गन के लिए 10 अरब डॉलर निवेश संबंधी फैसलों में मदद करेंगे और वहां सीईओ जेमी डिमोन के विशेष सलाहकार की भूमिका निभाएंगे, जबकि हैमबर्ग 40 साल की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

घोषणा में नए जनरल काउंसल और रिटेल व कंज्यूमर बिजनेस के लिए नए मैनेजर के पद बनाए जाने की भी जानकारी दी गई। हालांकि सबसे बड़ा सवाल अब यह है कि क्या बीमा कारोबार के उपाध्यक्ष अजीत जैन, निवेश प्रबंधक टेड वेस्कलर और बर्कशायर के विभिन्न व्यवसायों के प्रमुख आगे भी बने रहेंगे।

कंपनी में नेतृत्व परिवर्तन के बीच दो बड़े नामों के भविष्य को लेकर सवाल जारी हैं। सीएफआरए रिसर्च की विश्लेषक कैथी सीफर्ट के अनुसार अभी भी दो बड़े प्रश्न बने हुए हैं अजीत जैन क्या करेंगे और टेड वेस्कलर क्या करने वाले हैं ऐसे समय में कई सहायक कंपनियों के प्रमुख, जो वर्षों से एबेल को रिपोर्ट कर रहे हैं, उनके नेतृत्व कौशल से प्रभावित हैं। डेयरी क्वीन, ब्रूक्स रनिंग, इस्कार मेटलवर्किंग, मार्मन होल्डिंग्स और हेल्जबर्ग डायमंड्स जैसी कंपनियों पर एबेल के प्रभाव को सकारात्मक माना जा रहा है।

बफेट ने भी कहा था कि एबेल अधिक सक्रिय भूमिका निभा कर कुछ व्यवसायों में उनसे बेहतर प्रदर्शन कराने की क्षमता रखते हैं। सीईओ पद संभालने के बाद व्यस्तताओं को ध्यान में रखते हुए एबेल ने नेटजेट्स के सीईओ एडम जॉनसन को उपभोक्ता, सेवा और खुदरा कारोबारों की निगरानी की जिम्मेदारी दी है। जबकि एबेल खुद निर्माण, ऊर्जा, रेलवे और औद्योगिक कारोबारों का नेतृत्व जारी रखेंगे। शील्ड्स का मानना है कि एबेल कंपनी को किसी बड़े बदलाव या विभाजन की तरफ नहीं ले जाएंगे, लेकिन वे एक अधिक संगठित कॉर्पोरेट ढांचा बनाने की दिशा में बफेट से अलग रास्ता अपनाने के लिए तैयार दिख रहे हैं।

एसजेवीएन लिमिटेड SJVN Limited
(भारत सरकार एवं हिमाचल प्रदेश सरकार का संयुक्त उपक्रम)
(A Joint Venture of Govt. of India & Govt. of H.P.)
नवरत्न सीपीएसई A Navratna CPSE
CIN No. L40101HP1988GOI008409

नाथपा झाकड़ी जल विद्युत स्टेशन

प्रेस नोटिस/ई-निविदा संख्या पीसीडी-2955 (सिविल)/2025

एसजेवीएन लिमिटेड की ओर से **"हाई परफॉर्मेंस कंक्रीट (एचपीसी) का इस्तेमाल करके फ्लिप बकेट की डैमेज इनवर्टेड कंक्रीट लाइनिंग की स्पेशल रिपेयर, रिवर ट्रेनिंग और नाथपा डैम से जुड़े कार्य"** हेतु घरेलू प्रतिस्पर्धात्मक बोली (डीसीबी) पर आधारित ऑनलाइन बोलियां (ई-टेंडर) आमंत्रित की जाती हैं। विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया **https://etender.sjvn.co.in, www.sjvn.nic.in** और **www.eprocure.gov.in** वेबसाइट पर जाएं।

बोली दस्तावेज डाउनलोड करने की अंतिम तिथि **30.12.2025 (12:00 बजे)** है। बोली जमा करने की अंतिम तिथि **31.12.2025 (13:00 बजे)** है।

संशोधन यदि कोई होगा तो वह केवल उक्त वेबसाइट्स पर ही जारी किया जाएगा।

हितें एवं कृते एसजेवीएन लिमिटेड,
विभागाध्यक्ष (प्रा. एवं सं. विभाग) एनजेएचपीएस, एसजेवीएन लिमिटेड, झाकड़ी, जिला शिमला, हि.प्र.-172201

आकर्षण का केंद्र है कैलिफोर्निया के फोर्ट ब्रैग का ग्लास बीच

समुद्र तट या बीच हमारी प्रकृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। यहां हमें कई चीजें दिखाई दे सकती हैं, लेकिन टूटे हुए कांच के समूह का यहां मौजूद होना किसी आश्चर्य से कम नहीं है। दुनिया में कई अजीबो-गरीब बीचेस (समुद्री किनारा) हैं, जो अपनी बनावटी संरचना के कारण टूरिस्ट का ध्यान खींचते हैं। कैलिफोर्निया के फोर्टब्रैग में भी एक ऐसी ही बीच है, जिसे ग्लास बीच के नाम से जाना जाता है। प्रकृति अपने चमत्कार से कई अजीबो-गरीब संरचनाएं बनाती है, लेकिन इस बीच को प्रकृति ने नहीं बनाया है।

कैलिफोर्निया के फोर्ट ब्रैग में ग्लास बीच लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र है, जिसके समुद्र तट में पॉलिश किए गए कांच के चमकदार छोटे टुकड़े पाए जाते हैं।

मैककैरिशर नाम से पॉपुलर रहे इस बीच की कहानी काफी दिलचस्प है। 20वीं सदी में फोर्ट ब्रैग के निवासियों ने घरेलू कचरा पहाड़ियों से नीचे फेंकना शुरू किया। न सिर्फ कांच के टुकड़े, बल्कि इलेक्ट्रॉनिक अप्लायंस और पुरानी गाड़ियों के पार्ट्स भी फेंके जाने लगे। कैलिफोर्निया स्टेट वाटर बोर्ड ने क्षेत्र को बंद किया और सालों इसकी सफाई की। पानी से कचरा तो निकल गया, लेकिन कांच के टुकड़े रह गए। बाद में एक प्राइवेट कंपनी ने ग्लास बीच को मॅककैरिशर स्टेट पार्क के हिस्से में शामिल कर लिया। बता दें कि इस बीच पर करोड़ों की संख्या में रंग-बिरंगे कई आकार के कांच के टुकड़े फैले हुए हैं। यह समुद्र तट अब कानून द्वारा संरक्षित है, और यहां मौजूद प्रतिष्ठित कांच को आगंतुकों द्वारा हटाया नहीं जा सकता है। दुनिया भर के अन्य स्थानों में भी समुद्री कांच की उच्च सांद्रता है, जिसके लिए उन लोगों को धन्यवाद देना चाहिए, जिन्होंने कांच इन स्थानों में फेंका है। साइबेरिया में उससुरी खाड़ी कांच बनाने वाली फैक्ट्रियों का केंद्र है, जो कांच अपशिष्ट को समुद्र में फेंक देते हैं। यहां अब समुद्र तट पत्थरों और समुद्री कांच का एक रंगीन मिश्रण बन गया है।

कोलकाता में है 250 साल पुराना दुनिया का सबसे विशालकाय बरगद का पेड़

दुनिया का सबसे बड़ा बरगद का पेड़ भारत में स्थित है। यह बरगद का पेड़ 250 साल पुराना है जो कि कोलकाता के द आचार्य जगदीश चंद्र बोस बॉटनिकल गार्डन में है। यह दुनिया के सबसे विशालकाय बरगद के पेड़ के रूप में वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। इस पेड़ को 1787 में लगाया गया था। पेड़ की जड़ों और बड़ी-बड़ी शाखाओं को देखकर लगता है जैसे आप किसी जंगल में पहुंच गए हैं। लेकिन वास्तव में यह बस एक पेड़ ही है। इस पेड़ पर 80 से ज्यादा प्रजातियों के पक्षी निवास करते हैं। सबसे चौड़ा पेड़ होने का खिताब भी इसे ही मिला है।

दुनियाभर में पेड़-पौधों की अनेकों प्रजातियां हैं. सभी में अलग-अलग गुण होते हैं. कोई बहुत छोटा होता है तो कोई बहुत ऊंचा, किसी को सहारे की जरूरत होती है तो कोई बहुत मजबूत होता है. आज तक आपने लंबे और छोटे पेड़ तो बहुत देखे होंगे, लेकिन आज हम आपको एक ऐसे पेड़ के बारे में बताने जा रहे हैं जो दुनिया में सबसे चौड़ा है. इसके नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड भी है. इसकी चौड़ाई जानकर हर कोई हैरान हो जाता है. खास बात यह है कि ये पेड़ कहीं और नहीं, बल्कि अपने देश में ही है.

250 साल पुराना है पेड़

कोलकाता द आचार्य जगदीश चंद्र बोस बॉटनिकल गार्डन में एक करीब 250 साल पुराना बरगद का पेड़ है. सन् 1787 में इस पेड़ को यहां स्थापित गया था. तब इसकी उम्र तकरीबन 20 साल थी. आज इसे दुनिया का सबसे विशालकाय बरगद के पेड़ के रूप में जाना जाता है. इस पेड़ की इतनी जड़ें और बड़ी-बड़ी शाखाएं हैं कि हर किसी को देखने में ऐसा लगता है जैसे वह किसी जंगल में आ गया हो. इसे देखकर ऐसा नहीं लगता है कि ये सिर्फ एक पेड़ है.

पेड़ पर रहती हैं पक्षियों की 80 से ज्यादा प्रजातियां

यह पेड़ लगभग 14,500 वर्ग मीटर में फैला है और तकरीब 24 मीटर ऊंचा है. इस विशालकाय पेड़ की 3 हजार से अधिक जटाएं हैं, जिनमें से ज्यादातर जड़ों में बदल चुकी हैं. इस वजह से भी इसे दुनिया का सबसे चौड़ा पेड़ या वॉकिंग ट्री भी कहा जाता है. आपको यह जानकार हैरानी होगी कि इस पेड़ पर पक्षियों की 80 से ज्यादा प्रजातियां रहती हैं.

तूफान से हुई थी जड़ें बीमार

कोलकाता में आए साल 1884 और 1925 के चक्रवाती तूफानों ने इस बरगद के पेड़ को काफी नुकसान पहुंचाया था. तब इसकी कुछ शाखाओं में फंफूदी लग गई थी, जिस वजह से उन्हें काटना पड़ा था. आज के समय में बोटेनिकल गार्डन में यही एक बड़ा पेड़ है, हालांकि दुनियाभर से लाए गए सैकड़ों विदेशी पौधों की प्रजातियां भी इस पार्क में दिख जाएंगी.

टीम करती है पेड़ की देखरेख

भारत सरकार ने इस बड़े से बरगद के सम्मान में साल 1987 में डाक टिकट भी जारी किया था. इसे बोटेनिकल सर्वे ऑफ इंडिया का प्रतीक चिन्ह भी माना जाता है. पेड़ की देखरेख के लिए एक 13 लोगों की टीम है, जिसमें बॉटनिस्ट से लेकर माली तक हर कोई शामिल है. ये देखने के लिए कि पेड़ को किसी भी तरह का नुकसान तो नहीं पहुंच रहा, इसकी समय-समय पर जांच भी की जाती है.

तूफान आए शाखाएं काटी गईं फिर बनाया रिकॉर्ड

वर्ल्ड रिकॉर्ड सिर्फ इंसान ही नहीं पेड़ भी बनाते हैं। 250 साल पुराना दुनिया का सबसे विशालकाय बरगद का पेड़ इसका उदाहरण है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल इस पेड़ को द ग्रेट बनियन ट्री के नाम से भी जाना जाता है। 1787 में जब इसे कोलकाता द आचार्य जगदीश चंद्र बोस बॉटनिकल गार्डन में बोटेनिकल गार्डन में स्थापित किया गया, उस समय इसकी उम्र करीब 20 साल थी। जानते इसके इसकी पूरी कहानी....

- दुनिया का सबसे चौड़ा पेड़ 14,500 वर्ग मीटर में फैला है। दूर से देखने पर यह जंगल की तरह नज़र आता है। बरगद के पेड़ की शाखाओं से निकलने वाली जटाएं पानी की तलाश में जमीन में नीचे की ओर बढ़ती गईं और इस तरह यह जंगल में तब्दील होता गया।
- इस बरगद की 3,372 से अधिक जटाएं जड़ का रूप ले चुकी हैं। 1884 और 1925 में आए चक्रवाती तूफानों ने इसे काफी नुकसान पहुंचाया था। इस दौरान कई शाखाओं में फफूंद लगने के कारण काट दी गई थीं। इसके बाद भी सबसे विशालकाय वृक्ष का रिकॉर्ड इसके नाम है।
- जंगल जैसा स्वरूप होने के कारण यहां 87 से अधिक पक्षियों की प्रजातियां पाई जाती हैं। जो पर्यटकों को खुशनुमा अहसास कराती हैं। इसकी सबसे ऊंची शाखा 24 मी. लंबी है। वर्तमान में जमीन तक पहुंचने वाली स्तंभ जड़ों की कुल संख्या 3,772 है।
- इसकी विशालता कारण गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में इसका नाम दर्ज है। इस विशाल बरगद के सम्मान में भारत सरकार ने साल 1987 में डाक टिकट जारी किया था और यह बरगद बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया का प्रतीक चिन्ह भी है।
- इसे वॉकिंग ट्री भी कहते हैं। इस गार्डन के केयर टेकर और सीनियर बॉटेनिस्ट एमयू शरीफ के मुताबिक जिधर पॉल्यूशन अधिक होता है उधर इसकी ग्रोथ नहीं होती है। यह पूर्व की ओर बढ़ रहा है। सुबह-सुबह सूर्य की ओर से आने वाली किरणों की तरफ इसकी ग्रोथ अधिक देखी गई है।
- एमयू शरीफ के अनुसार 1985 में इसे चारों ओर फेंसिंग की गई थी। कुछ सालों बाद इसकी ग्रोथ के डायरेक्शन के बारे में पता चला जब इसकी शाखाएं पूर्व की ओर अधिक फैलीं।
- सीनियर बॉटेनिस्ट बसंत सिंह के अनुसार इसकी देखभाल के लिए करीब 13 ट्रेंड लोगों को नियुक्त किया गया है। जिसमें चार सीनियर बॉटेनिस्ट और अन्य ट्रेंड माली हैं।
- एमयू शरीफ के मुताबिक पूरी टीम के लिए बड़ा चैलेंज है इसे संभालना क्योंकि इसकी शाखाएं नीचे की ओर बढ़ रही हैं। इसकी ग्रोथ एक ओर अधिक हो रही है ऐसे में इसे बैलेंस सीधा रखना बड़ी चुनौती है।

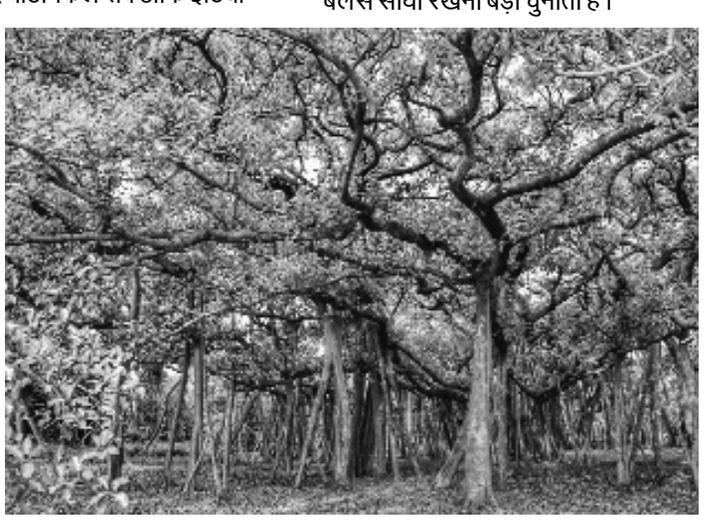

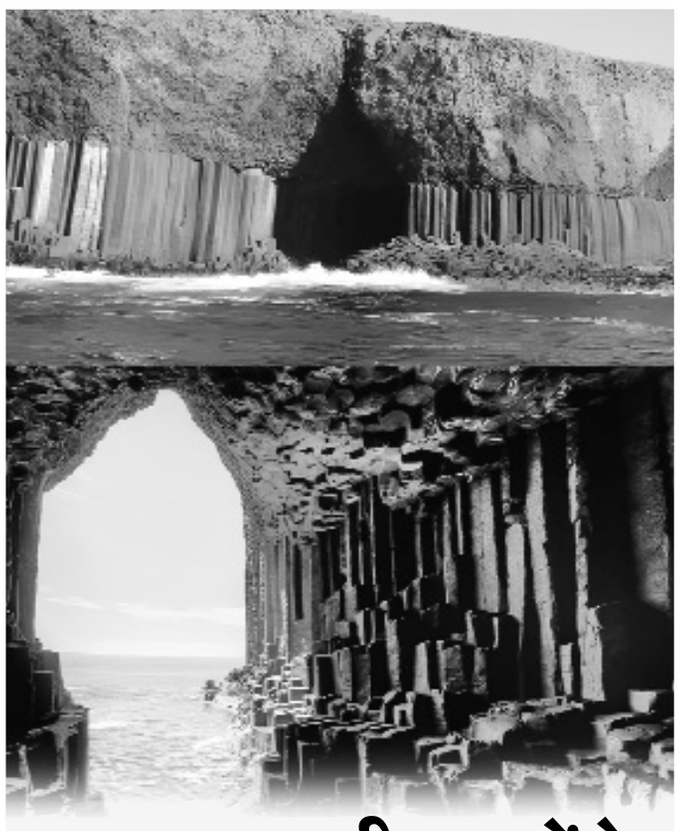

इस गुफा की चट्टानों के आकार करते हैं हैरान

आम तौर पर गुफाएं गोल आकार की होती हैं और उनमें गोल चट्टानें होती हैं, लेकिन फिंगल की गुफा स्कॉटलैंड के इनर हेब्राइड्स के निर्जन अटलांटिक द्वीप पर कुछ अलग ही है. इन एक समान चौकोर गुफाओं में वैज्ञानिकों को छोड़कर, लोग नहीं जाते हैं. फिर भी इसकी तस्वीरें लोग खूब पसंद करते हैं.

फिंगल की गुफा स्टाफा स्कॉटलैंड के हेब्राइड्स के एक निर्जन अटलांटिक द्वीप में पाई जाती है. यह समुद्र के ऊपर 69 मीटर ऊंची एक बड़ी सी गुफा है, जिसमें एक बड़ा प्रवेश द्वार है. इसकी ज्यामिति देखकर लगता है कि यह किसी धुनिक कला संग्रहालय में प्रदर्शित कोई बेहतरीन कृति है. खास बात इसकी चट्टानें या पत्थरों के आकार हैं जो एक खास ज्यामिती समरूपता की मिसाल कायम करते हैं. फिर भी इन गुफाओं को देखने टूरिस्ट नहीं आते हैं.

फिंगल की गुफा में जाने पर आपको कई पक्षी प्रजातियां देखने को मिल सकती हैं, जो स्टाफ़ा के आगंतुकों के बीच बहुत लोकप्रिय हैं. वे आम तौर पर अप्रैल के पहले कुछ दिनों के दौरान आते हैं और मई, जून और जुलाई तक रहते हैं, जिस दौरान वे जोड़े बनाते हैं और बच्चों का पालन-पोषण करते हैं.

स्कॉटलैंड के संरक्षण संगठन नेशनल ट्रस्ट फॉर स्कॉटलैंड के पास राष्ट्रीय प्रकृति रिजर्व के हिस्से के रूप में यह गुफा है.

फिंगल की गुफा ज्वालामुखी के कारण बने बेसाल्ट स्तंभों से बनी है, जो बड़े पैमाने पर षट्कोणीय प्रिज्म हैं. ये स्तंभ पैलियोसीन लावा प्रवाह हैं. ठोस लावा की ऊपरी और निचली सतहों पर ठंडा हुआ, जिसके कारण संकुचन और फ्रैक्चरिंग हुई. यह एक ब्लॉकी टेट्रागोनल पैटर्न में शुरू हुआ और ठंडी सतहों के सीधे फ्रैक्चर के साथ एक नियमित षट्कोणीय फ्रैक्चर पैटर्न में बदल गया. ये दरारें धीरे-धीरे प्रवाह के केंद्र की ओर बढ़ती गईं, जिससे लंबे षट्कोणीय स्तंभ बन गए, जिन्हें हम आज लहरों से क्षतिग्रस्त क्रॉस-सेक्शन में देखते हैं.

फिंगल की गुफा में मेहराब के आकार की छत और खुला मुंह है, जो पानी के कारण समुद्री ज्वार के कटाव से बना है. रोचक बात यह है कि इस गुफा में पानी पाया जा सकता है. गुफा की मेहराबदार छत इसकी खास प्राकृतिक आवाज को बढ़ाती है जो इसके भीतर उठती समुद्री लहरों की ध्वनि से खासा तालमेल बनाती लगती है. फिंगल की गुफा का नाम एक वीर पात्र, फिंगल के नाम पर रखा गया था, जो 1700 के दशक में स्कॉटिश कवि और इतिहासकार जेम्स मैकफर्सन की एक अनुवादित कविता में था. कविता का पात्र फिओन मैक कमहेल फिन मैककूल नामक एक विशालकाय व्यक्ति के आयरिश मिथक का संदर्भ था. मैकफर्सन कविताओं की लोकप्रियता के दौर में ही प्रकृतिवादी सर जोसेफ बैंक्स ने 1772 में इस गुफा का दौरा किया और तभी इसे फिंगल की गुफा नाम भी मिला.

आपको जानकर हैरानी होगी कि फ़िंगल की गुफा का उल्लेख या चित्रण कई कला और साहित्यिक कृतियों में किया गया है. कवि विलियम वर्ड्सवर्थ, जॉन कीट्स और अल्फ्रेड, लॉर्ड टेनिसन सहित अन्य पर्यटकों ने अपनी कविताओं में इसका उल्लेख किया है. नाटककार ऑगस्ट स्ट्रिंडबर्ग ने भी अपने नाटक, ए ड्रीम प्ले के दृश्यों को फ़िंगल ग्रोटो नामक स्थान पर सेट किया था. पिंक फ़्लॉइड ने इस साइट के बारे में कई गाने लिखे. ये सच है कि आज फिंगल की गुफा में टूरिस्ट नहीं आते हैं, पर कभी यह पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा करती थी. गुफा तक नाव से या द्वीप पर एक बार पैदल भी पहुंचा जा सकता है, लेकिन गुफा नावों के प्रवेश के लिए उपयुक्त नहीं है. तट से गुफा तक की दूरी लगभग 1 किलोमीटर लंबी है. आप प्रवेश द्वार तक पैदल जा सकते हैं, लेकिन आप गुफा में नहीं जा सकते.

सीवा ओएसिस, इसमें चाह कर भी नहीं डूब सकता तैरने वाला!

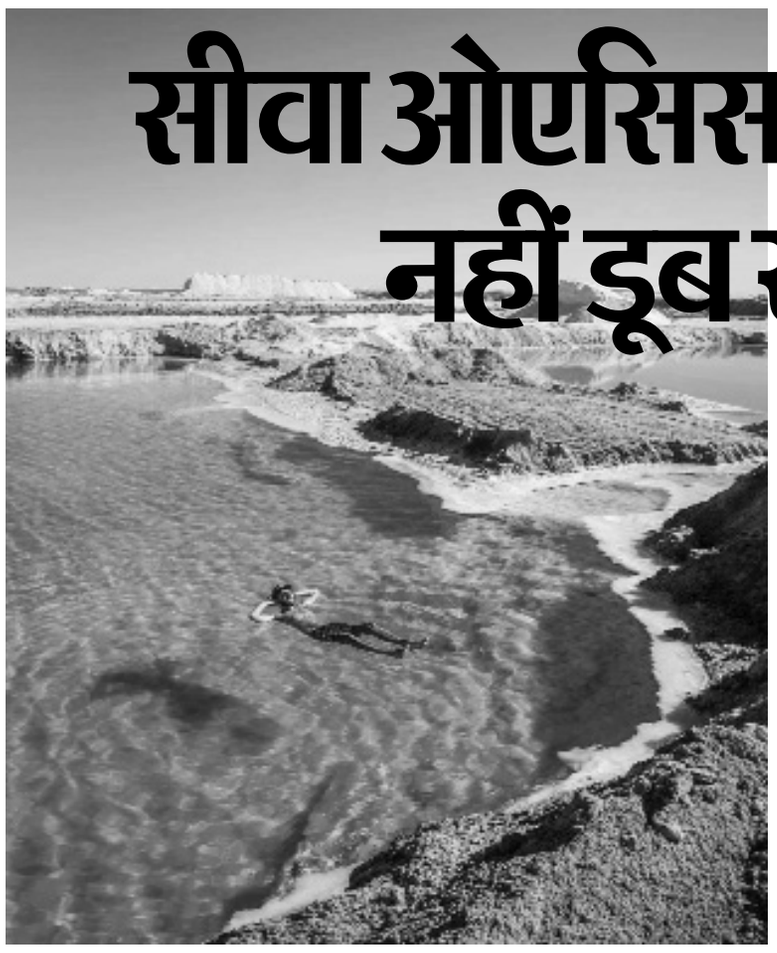

प्रकृति अपनी सुंदरता से लोगों को मंत्रमुग्ध कर देती है. अलग-अलग मौसम और तापमान के कारण दुनियाभर में प्रकृति के भी अलग-अलग रूप देखने को मिलते हैं. यहां कहीं पहाड़ है तो कहीं मैदान, कहीं कल-कल बहती नदी तो कहीं सूखे रेगिस्तान. दुनियाभर में जाने कितनी देखी-अनदेखी खूबसूरत जगहें हैं जहां एक बार जाने के बाद वहां से वापस आने का मन नहीं करता. उनमें से कुछ जगहें ऐसी भी हैं जिनकी खासियत जानकर आम इंसान तो क्या बड़े-बड़े वैज्ञानिक भी हैरान रह जाते हैं. ऐसी ही एक मनमोहक जगह है मिस्त्र की सीवा झील. इस झील की खासियत ये है कि यहां कोई डूबता नहीं है.

दुनिया में कई ऐसी अनोखी चीजें हैं जिसके बारे में लोगों को कम जानकारी होती है, इस वजह से लोग उसे जादू से जोड़कर देखने लगते हैं. कहीं रंगीन पहाड़ नजर आते हैं तो कहीं कोई अजीबोगरीब जीव, उन सब को विचित्र मानकर जादू या फिर एलियन समझ लिया जाता है. पर सच तो प्रकृति में छुपा है. प्रकृति ने ही उन्हें इतना अनोखा बनाया है कि वो जादू जैसे लगते हैं. दुनिया में एक तालाब है, जिसके बारे में सुनकर आपको भी ऐसे ही विचार आएंगे. इस तालाब में चाह कर भी कोई नहीं डूब सकता. जो भी इसमें तैरता है, वो सिर्फ पानी के ऊपर फ्लोट करता रहता है. इसकी तुलना डेड सी से भी होती है, जो ऐसी ही जगह है जहां कोई डूब नहीं सकता.

इस तालाब में काफी ज्यादा है नमक की मात्रा

मिस्त्र के पश्चिमी रेगिस्तान में सीवा ओएसिस मौजूद है जो प्राकृतिक स्प्रिंग है. ये जगह कायरो से 500 कीलोमीटर दूर है. अगर आपको तैरना नहीं आता, तो भी आप आसानी से इसमें जाकर तैर सकते हैं और आपको डूबने का डर भी नहीं सताएगा. वायरल वीडियो में भी आप देख सकते हैं कि कैसे एक व्यक्ति पानी के ऊपर तैरता दिख रहा है. ऐसा लग रहा है जैसे वो किसी बिस्तर पर लेटा है. वो अंदर डूब ही नहीं रहा है. चलिए आपको बताते हैं कि इसके पीछे कारण क्या है. दरअसल, इस पानी में नमक की मात्रा 95 फीसदी है. इस वजह से पानी का घनत्व काफी ज्यादा बढ़ जाता है. घनत्व जितना ज्यादा होगा, पानी में डूबना उतना मुश्किल होगा. सीवा ओएसिस में नमक बहुत ज्यादा है क्योंकि बारिश की वजह से आसपास के पहाड़ों का पानी भी इसमें बहकर आता है, जिसके कारण इसमें नमक मिल जाता है.

मिस्त्र में सीवा ओएसिस पश्चिमी रेगिस्तान में स्थित है. ज्यादातर टूरिस्ट्स गर्म झरनों, सुंदर सीनरी और खूबसूरत रेगिस्तान देखने के लिए यहां आते हैं. यह एक ऐसी जगह है जहां आप नमक की झीलों के खूबसूरत दृश्यों का आनंद लेते हुए ताड़ के पेड़ों के बीच टहल सकते हैं. क्रिस्टल नीले रंग के कारण इन झीलों के पास से गुजरते हुए, ऐसा लगता है कि ये समुद्र तट है. हालांकि, वास्तव में ये झीलें हैं. सीवा लेक के पानी में बड़ी मात्रा में नमक पाए जाने के कारण, वे आंखों और त्वचा के लिए मेडिकल ट्रीटमेंट का काम करते हैं. जिस कारण इसे 'हीलिंग लेक' भी कहते हैं.

बता दें कि दुनिया में ऐसी एक नदी भी है, जिसमें कुछ भी नहीं डूबता. डेड सी के नाम से मशहूर नदी जो इजरायल में है, उसमें भी नमक की मात्रा ज्यादा होने की वजह से चीजें नहीं डूबती ना ही कोई इंसान डूबता है.

विराट कोहली अपना स्पोर्ट्सवियर ब्रांड 'वन8' बेच रहे हैं

● एजिलिटास में करेंगे 40 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली अपना स्पोर्टसवियर ब्रांड वन8 एजिलिटास स्पोर्ट्स को बेच रहे हैं। एजिलिटास स्पोर्ट्स एक वर्टिकली इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग-टू-रिटेल स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म है। इसे अभिषेक गांगुली ने शुरू किया था। विराट कोहली इस व्यापारिक समझौते के तहत एजिलिटास में एक निवेशक के तौर पर शामिल हो रहे हैं। वह कंपनी में हिस्सेदारी खरीदने के लिए एजिलिटास में 40 करोड़ रुपये निवेश करेंगे। एजिलिटास उत्पादन, आर एंड डी, ब्रांड-निर्माण और खुदरा वितरण के क्षेत्र में काम करती है। 2023 में, कंपनी ने भारत की सबसे बड़ी स्पोर्ट्स फुटवियर बनाने वाली मोचिको शूज को खरीदा। इससे कंपनी की घरेलू और निर्यात क्षमता मजबूत हुई थी। वन8 एक स्पोर्ट्सवियर ब्रांड है। विराट कोहली इसके को-फाउंडर रहे हैं। यह ब्रांड स्पोर्ट्सवियर, कपड़े, फुटवियर और एक्सेसरीज तक फैला हुआ है।

एजिलिटास की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, 'कोहली और गांगुली के बीच आपसी सहयोग पिछले कुछ सालों में बढ़ा है। कुछ वास्तविक उत्पादन के औपचारिक बातचीत से शुरू हुई प्रक्रिया जल्द ही वन8 के रूप में हमारे सामने आ गई। कंपनी ने आगे कहा कि कोहली के पास सिर्फ वन8 में निवेश करने का विकल्प था। उन्होंने उत्पादन, डिजाइन, आर एंड डी, और देश भर में कंपनी की वितरण क्षमता देखने के बाद एजिलिटास में शेयरधारक बनने का फैसला किया। विराट कोहली का वन8 को एजिलिटास को बेचने का फैसला रणनीतिक और दीर्घकालिक सोच पर आधारित है। इस अवसर पर विराट ने कहा, 'अभिषेक के साथ मेरा रिश्ता बहुत वास्तविक है। एक दिन, जब मैं यूं ही अपनी कुछ बनाने की इच्छा के बारे में बात कर रहा था, तो उसने कहा, 'चलो करते हैं' और इस तरह वन8 शुरू हुआ। खेल ने मेरी जिंदगी बनाई है। मूवमेंट, कम्फर्ट और परफॉर्मेंस मेरे लिए सब कुछ डिफाइन करते हैं। यही सोच ब्रांड में बदल गयी। मैं हमेशा स्टाइल के लिए स्पोर्ट्स-फर्स्ट अप्रोच चाहता था। वहीं अभिषेक गांगुली ने कहा, 'हम सब मिलकर भारत से एक हाई-परफॉर्मेंस ब्रांड बना रहे हैं, जो स्पोर्ट्स फंक्शनैलिटी, बेस्ट-इन-क्लास और क्वालिटी पर आधारित है। हमारा लक्ष्य अगले दशक में वैश्विक स्तर पर कुछ उद्देश्यपूर्ण बनाना है।'

मंगेतर ट्रैविस केल्स का मैच देखने पहुंचीं टेलर स्विफ्ट

न्यूयॉर्क, एजेंसी। टेलर और सेलेना की यह उपस्थिति सिर्फ एक मैच नहीं बल्कि उनके रिश्ते की मजबूती का नया उदाहरण है। चाहे म्यूजिक, लाइफ या बड़े सेलिब्रेशन, दोनों हमेशा एक-दूसरे का साथ निभाती आई हैं।

अमेरिकी पॉप वर्ल्ड की दो सबसे बड़ी हस्तियां, टेलर स्विफ्ट और सेलेना गोमेज, एक बार फिर चर्चा में हैं।

साथ में दिखीं सेलेना गोमेज

अपनी गहरी दोस्ती और एक-दूसरे का साथ निभाने के लिए जानी जाने वाली यह जोड़ी हाल ही में कैनसस सिटी चीफ्स और ह्यूस्टन टेक्सन्स के बीच हुए एनएफएल मैच (अमेरिकन फुटबॉल मैच) में साथ नजर आई। यह मुकाबला इसलिए भी खास था क्योंकि स्विफ्ट के मंगेतर ट्रैविस केल्स चीफ्स टीम के स्टार खिलाड़ी हैं।

सेलेना और स्विफ्ट को ऐरोहेड स्टेडियम में मैच का आनंद लेते देखा गया। जहां टेलर पांचवीं बार चीफ्स का मैच देखने पहुंचीं, वहीं सेलेना पहली बार स्टेडियम में नजर आईं। उनकी मौजूदगी सोशल मीडिया पर तुरंत वायरल हो गई। एक यूजर ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा, 'मेरे माता-पिता टेलर स्विफ्ट के बगल में बैठे हैं। अविश्वसनीय!' कुछ तस्वीरें धुंधली जरूर थीं, लेकिन फैंस का उत्साह कम नहीं हुआ। कई पोस्ट में दोनों को साथ बैठकर मैच का आनंद लेते देखा गया।

बीसीसीआई की नाक के नीचे बड़ा घोटाला

● पैसा दो, टीम में घुसो, असली टैलेंट बाहर, 1.2 लाख में बन रहे 'लोकल' खिलाड़ी!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट दुनिया में सबसे ताकतवर कहलाता है, कड़ी प्रतिस्पर्धा, विशाल टैलेंट पूल, आईपीएल जैसी लीग और कठोर चयन प्रक्रिया इसकी पहचान है। खिलाड़ियों का भरोसा इसी बात पर टिका है कि सिस्टम निष्पक्ष है, लेकिन पुडुचेरी में यह पूरा उलट चुका है।

यहां पते बनाए जाते हैं। फर्जी पते पर खिलाड़ियों के आधार कार्ड बनते हैं। एक समानांतर चयन प्रक्रिया काम करती है और यह सब कुछ क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ पांडिचेरी और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की नाक के नीचे चल रहा है। द इंडियन एक्सप्रेस की तीन महीने की जांच में ऐसे कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। जांच में 2,000 से ज्यादा खिलाड़ियों के फार्म चेक किए गए, दर्जनों खिलाड़ियों से बात हुई और कई पतों की मौके पर जांच की गई। पता चला कि, 1.2 लाख रुपये लेकर खिलाड़ियों को 'स्थानीय खिलाड़ी' बनाया जाता है। कोच और निजी क्रिकेट अकादमियां खिलाड़ियों को फर्जी एड्रेस, बैकडेट से कॉलेज में दाखिला और नकली जॉब रिकॉर्ड उपलब्ध कराती हैं।

बीसीसीआई का जरूरी एक साल का निवास प्रमाणपत्र कागजों में पूरा कर दिया जाता है। फिर इन खिलाड़ियों को सीएपी की टीमों में सीधा रास्ता मिल जाता है।

'फीस दो, लोकल बनो': ऐसे चलता है पूरा खेल – बाहरी राज्यों के क्रिकेटरों को बीसीसीआई की अनिवार्य एक साल की निवास आवश्यकता को दरकिनार करने और 'स्थानीय' बनने के लिए 1.2 लाख रुपए या उससे अधिक के 'पैकेज' का भुगतान करना पड़ता है। निजी क्रिकेट अकादमियों के कोच की मदद से निवास प्रमाण पत्र बेचे जा रहे हैं। इसमें फर्जी आधार कार्ड पते, पिछली तारीखों से शैक्षिक संस्थानों में दाखिले या नकली नौकरी रिकॉर्ड का इस्तेमाल किया जाता है। पैसे देने वाले खिलाड़ियों को पुडुचेरी क्रिकेट एसोसिएशनकी टीमों में तुरंत जगह मिल रही है।

● शाहिद अफ्रीदी ने गौतम गंभीर को सीधे निशाने पर लिया

रोहित-विराट की तारीफों के बांधे पुल

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व पाकिस्तानी कप्तान शाहिद अफ्रीदी ने एक बार फिर भारतीय क्रिकेट पर बड़ा और विवादित बयान देकर सुर्खियां बटोर ली हैं। इस बार उन्होंने भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर को सीधे निशाने पर लेते हुए उनकी रणनीति पर सवाल खड़े किए हैं। इसके साथ ही अफ्रीदी ने विराट कोहली और रोहित शर्मा की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि यह दोनों दिग्गज न सिर्फ भारतीय बल्लेबाजी की रीढ़ की हड्डी हैं, बल्कि 2027 ओडीआई वर्ल्ड कप तक टीम के लिए अत्यंत जरूरी रहेंगे। अफ्रीदी ने रोहित के रिकॉर्ड को तोड़ने पर भी प्रसन्नता जताई और दोनों खिलाड़ियों के महत्व को रेखांकित किया।

कोहली और रोहित भारतीय ओडीआई टीम की असली ताकत

अफ्रीदी ने स्पष्ट कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा दुनिया के सबसे भरोसेमंद ओडीआई बल्लेबाजों में शुमार हैं। उन्होंने बताया कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ हालिया सीरीज में जिस तरह इन दोनों ने टीम को मजबूत शुरुआत दी, उससे साफ है कि उनकी फॉर्म और फिटनेस अभी भी उच्च स्तर पर है। अफ्रीदी ने कहा, 'विराट और रोहित भारतीय बल्लेबाजी की बैकबोन हैं। उनके प्रदर्शन से जाहिर है कि वे 2027 वर्ल्ड कप तक आराम से खेल सकते हैं और टीम को मजबूती देते रहेंगे।'

कमजोर टीमों के खिलाफ मिल सकता है आराम– अपनी राय को और स्पष्ट करते हुए अफ्रीदी ने कहा कि भारत को शीर्ष टीमों और बड़े टूर्नामेंट में कोहली व रोहित जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को हमेशा प्लेइंग इलेवन में रखना चाहिए। लेकिन अगर भारत कमजोर टीमों के खिलाफ खेलता है, तो रोटेशन पॉलिसी के तहत इन दिग्गजों को विश्राम दिया जा सकता है ।

गौतम गंभीर की कोचिंग पर तीखी टिप्पणी

अफ्रीदी के बयान का सबसे बड़ा और चर्चित हिस्सा वह रहा जिसमें उन्होंने भारतीय कोच गौतम गंभीर को घेरा। दोनों खिलाड़ियों की पुरानी ऑन-फील्ड टकराव की कहानी जगजाहिर है, और इस बयान ने उस तनाव को फिर उभार दिया। अफ्रीदी ने कहा, 'गौतम ने कोच के रूप में शुरुआत जिस अंदाज में की, उससे लगा कि वह खुद को हमेशा सही मानते हैं। लेकिन समय ने बता दिया कि हर बार आपका फैसला सही नहीं हो सकता।' यह बयान ऐसे दौर में आया है जब गंभीर युवा खिलाड़ियों को ज्यादा एक्सपोजर देने की रणनीति पर काम कर रहे हैं और 2027 वर्ल्ड कप को अभी काफी दूर मान रहे हैं।

'बड़े बच्चे रिटायर होकर पीएसएल खेलते हैं' इस पाकिस्तानी को किया आईपीएल की बुराई पर ट्रोल

लोग बोले- जिस थाली में खाया...

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेट कप्तान वसीम अकरम पड़ोसी देश के उन चुनिंदा क्रिकेटरों में शामिल हैं, जिनके फैंस भारत में भी आपको जमकर मिल जाएंगे। अकरम उन चुनिंदा पाकिस्तानी क्रिकेटरों में भी शामिल हैं, जिन्हें लंबे समय तक इंडियन प्रीमियर लीग का हिस्सा बनने का मौका मिला है। अकरम पहले इस लीग में कोच की भूमिका में जुड़े रहे और पिछले कुछ साल में कमेंटेटर के तौर पर उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग से कमाई करने का मौका मिला है। इसके बावजूद अकरम ने एक ऐसा काम कर दिया है, जिसके चलते उन्हें सोशल मीडिया पर भारतीय क्रिकेट फैंस के मजाक और गुस्से का सामना करना पड़ा है। दरअसल अकरम ने पाकिस्तान सुपर लीग को आईपीएल के मुकाबले नंबर-1 लीग बता दिया है। अकरम ने पाकिस्तान में एक कार्यक्रम के दौरान आईपीएल की बुराई करते हुए पीएसएल को नंबर-1 लीग बताया है। अकरम ने पीएसएल के प्रमोशन से जुड़े इवेंट में पीएसएल के लिए कहा, 'बच्चे बड़े हो जाते हैं, वो लीग खत्म ही नहीं होती।' अकरम के इसी कमेंट को लेकर क्रिकेट फैंस ने उन्हें ट्रोल करते हुए कहा है कि बच्चे बड़े होकर रिटायर हो जाते हैं और फिर वे पीएसएल में खेलने लगते हैं।

एडिलेड टेस्ट में कमिंस की वापसी तय, जोश हेजलवुड सीरीज से बाहर

एडिलेड, एजेंसी। एशेज 2025-26 में 2-0 से आगे चल रही ऑस्ट्रेलिया को एडिलेड में 17 दिसंबर से शुरू हो रहे सीरीज के तीसरे टेस्ट से पहले बड़ी खुशखबरी मिली है। पैट कमिंस को पूरी तरह फिट घोषित कर दिया गया है। वहीं तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड एशेज सीरीज से बाहर हो गए हैं। उन्हें रिकवरी में समय लगेगा। अब वह टी20 विश्व कप तक पूरी तरह फिट होने की कोशिश करेंगे। ऑस्ट्रेलिया मंगलवार को 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर सकती है। ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू

मैकडोनाल्ड ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'कप्तान कमिंस वापसी के लिए तैयार हैं। बदकिस्मती से, जोश एशेज का हिस्सा नहीं होंगे। इंजरी की वजह से वह पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। हम उनसे इस सीरीज में अहम योगदान की उम्मीद थी। अब वह टी20 विश्व कप की तैयारी करेंगे। मैकडोनाल्ड ने कहा, 'पैट कमिंस की एडिलेड में तैयारी को लेकर कोई चिंता नहीं है। बेशक उन्होंने जुलाई से क्रिकेट नहीं खेली है, लेकिन वह तैयार हैं। सेलेक्टर्स उन्हें ब्रिस्बेन में चुनने के बहुत करीब थे। उनके पास मैच का मौका नहीं होगा। ऐसा कमिंस के साथ पहले भी हो चुका है।

द ग्रेट खली 8 साल बाद करेंगे रिंग में वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई के पहले भारतीय सुपरस्टार द ग्रेट खली आठ साल के लंबे ब्रेक के बाद एक बार फिर से रिंग में वापसी करने वाले हैं. द ग्रेट खली ने साल 2006 में डब्ल्यूडब्ल्यूई के जजमेंट डे में डेब्यू किया था और डब्ल्यूडब्ल्यूई में आते ही अपने पहले मैच में द अंडरटेकर को हराकर तहलका मचा दिया था. 7 फीट 1 इंच लंबे इस दिग्गज रेसलर ने साल 2007 में डब्ल्यूडब्ल्यूई की वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियनशिप जीती थी. यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि द ग्रेट खली 8 साल बाद रिंग में कब और कहां वापसी करने वाले हैं.

डब्ल्यूडब्ल्यूई में कैसा रहा द ग्रेट खली का सफर– भारत के पहले सुपरस्टार द ग्रेट खली का डब्ल्यूडब्ल्यूई में सफर शानदार रहा. डब्ल्यूडब्ल्यूई में अपने पहले ही मैच से सुर्खिया बटोरने वाले द ग्रेट खली ने रॉ में ड्राफ्ट होने के बाद केन को रेसलमेनिया 23 में हराया था. इसके बाद, उन्होंने उस समय के वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियन जॉन सीना के साथ भी मुकाबला किया. द ग्रेट खली ने रॉ में जून 2007 में 20 मैन रॉयल बैटल मैच को

जीतकर पहली बार और एकमात्र वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियनशिप जीती, लेकिन वो सिर्फ तीन महीने तक ही टाइटल को अपने पास रख पाए थे. डब्ल्यूडब्ल्यूई में अपने करियर के दौरान खली ने पंजाबी प्लेबॉय जैसे मजेदार किरदारों में भी पहचान बनाई. द ग्रेट खली का नवंबर 2014 में डब्ल्यूडब्ल्यूई के साथ कॉन्ट्रैक्ट समाप्त हो गया, जिसके बाद उन्होंने ये कंपनी छोड़ दी थी.

द ग्रेट खली ने सीडब्ल्यूई की स्थापना

कंपनी छोड़ने के बाद, भारत में प्रो-रेसलिंग को बढ़ावा देने के लिए द ग्रेट खली ने फैसला किया और इसी सोच के साथ उन्होंने 2015 में कॉन्टिनेंटल रेसलिंग एंटरटेनमेंट की स्थापना की. पंजाब के जालंधर शहर में स्थित सीडब्ल्यूई अकादमी ने कई प्रतिभाओं को तराशा है, जिनमें डब्ल्यूडब्ल्यूई की पहली भारतीय महिला रेसलर कविता देवी और दिलशेर शांकी जैसे नाम शामिल हैं और इन दोनों रेसलर ने डब्ल्यूडब्ल्यूई में अपनी जगह बनाई है. वहीं, साल 2021 में द ग्रेट खली को डब्ल्यूडब्ल्यूई हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया था.

युवराज सिंह ही नहीं

ये स्टार क्रिकेटर भी बेचते हैं शराब, करोड़ों में है कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी युवराज सिंह ने अपना लग्जरी टकीला ब्रांड फिनो भारत में लॉन्च कर दिया है. इस दौरान लॉन्च इवेंट में भारत के कई दिग्गज खिलाड़ी शामिल हुए. उनसे पहले कई क्रिकेटर इस बाजार में उतर चुके हैं.

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी युवराज सिंह अब स्पिरिट्स की दुनिया में धमाल मचाने को तैयार हैं. उन्होंने अपनी अल्ट्रा-प्रिमियम टकीला ब्रांड 'फिनो' को भारत में लॉन्च कर दिया है. गुरुग्राम में आयोजित एक लॉन्च इवेंट में पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना, युजवेंद्र चहल और मोहम्मद कैफ जैसे सितारे शामिल हुए, जहां फिनो की पहली झलक देखने को मिली. भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी युवराज सिंह अब स्पिरिट्स की दुनिया में धमाल मचाने को तैयार हैं. उन्होंने अपनी अल्ट्रा-प्रिमियम

टकीला ब्रांड 'फिनो' को भारत में लॉन्च कर दिया है. गुरुग्राम में आयोजित एक लॉन्च इवेंट में पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना, युजवेंद्र चहल और मोहम्मद कैफ जैसे सितारे शामिल हुए, जहां फिनो की पहली झलक देखने को मिली.

भारत में फिनो हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र और चुनिंदा ड्यूटी-फ्री स्टोर्स (दिल्ली, अहमदाबाद, मुंबई) में उपलब्ध है. वहीं, शुरुआती कीमत करीब 14,000 रुपए के आसपास है. 'फिनो' का मतलब 'फेलियर इज नॉट एन ऑप्शन' युवराज के करियर से प्रेरित है.भारत में फिनो हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र और चुनिंदा ड्यूटी-फ्री स्टोर्स (दिल्ली, अहमदाबाद, मुंबई) में उपलब्ध है. वहीं, शुरुआती कीमत करीब 14,000 रुपए के आसपास है. 'फिनो' का मतलब 'फेलियर इज नॉट एन ऑप्शन' युवराज के करियर से प्रेरित है.

युवराज सिंह से पहले, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर इयन बॉथम, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पॉन्टिंग, इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन और केविन पीटरसन जैसे खिलाड़ी भी शराब के कारोबार में उतर चुके हैं.

युवराज सिंह से पहले, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर इयन बॉथम, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पॉन्टिंग, इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन और केविन पीटरसन जैसे खिलाड़ी भी शराब के कारोबार में उतर चुके हैं.

इयन बॉथम अब एक बड़ी वाइन कंपनी चलाते हैं. उन्होंने अपने वाइन के बिजनेस की शुरुआत साल 2018 में की थी. उनकी वाइन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड जैसे देशों में बेची जाती है. इयन बॉथम अब एक बड़ी वाइन कंपनी चलाते हैं. उन्होंने अपने वाइन के बिजनेस की शुरुआत साल 2018 में की थी. उनकी वाइन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड जैसे देशों में बेची जाती है.

न्यूज डायरी

एन्टी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने कुष्ठ आश्रम में बांटे गर्म वस्त्र और फल

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भ्रष्टाचार किसी भी राष्ट्र की प्रगति में सबसे बड़ी बाधा और समाज की जड़ों को खोखला करने वाली एक लाइलाज बीमारी के समान है। हर साल 9 दिसंबर को 'अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस' मनाया जाता है, जो हमें याद दिलाता है कि एक पारदर्शी और न्यायपूर्ण समाज का निर्माण केवल सरकारी नीतियों से नहीं, बल्कि सामूहिक नागरिक चेतना से ही संभव है। इस वर्ष का यह दिवस न केवल भ्रष्टाचार के खिलाफ वैश्विक एकजुटता का प्रतीक है।

एन्टी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया की ओर से 'अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस' के अवसर पर सेक्टर 47 के कुष्ठ आश्रम में रहने वाले परिवारों को गर्म वस्त्र और फल बांटे। इस अवसर पर फाउंडेशन की चंडीगढ़ इकाई के प्रेसिडेंट किरपाल सिंह कटारिया, रविन्द्र नाथ, गुरमीत सिंह काका, पूजा बख्शी और अजय कुमार भी उपस्थित थे।

एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के प्रेजिडेंट किरपाल सिंह कटारिया और पूजा बख्शी ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस के अवसर पर आज समाज सेवा के तहत कुष्ठ आश्रम में गर्म कपड़े और फल बांटे गए हैं। जिसका उद्देश्य भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने के साथ-साथ जरूरतमंदों की मदद करना होता है, लेकिन यह उनकी मुख्य भूमिका नहीं बल्कि सहायक गतिविधि होती है। उन्होंने बताया कि समाज को एन्टी करप्शन के प्रति जागरूक करने के लिए समय समय पर जागरूकता सेमिनार करवाए जाते हैं। उन्होंने बताया किभ्रष्टाचार के खात्मे के लिए हमें खुद ही पहल करनी होगी। हम एकजुट होकर इसके खिलाफ लड़ेंगे तो जल्द ही भारत को भ्रष्टाचार मुक्त राष्ट्र बना पाएंगे।

एमसीएम में गणित में करियर संभावनाओं पर प्रेरक सत्र का आयोजन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय के स्नातकोत्तर गणित-विभाग के अंतर्गत मैथमेटिक्स क्लब – इनफिनिट इनसाइट ने 'एक्सप्लोरिंग करियर पाथ्स इन मैथमेटिक्स' विषय पर एक समृद्ध करियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया।

इस सत्र का संचालन गणित-विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. चित्रा मल्होत्रा द्वारा किया गया, जिन्होंने गणित के विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध व्यापक करियर अवसरों पर एक प्रेरक और ज्ञानवर्धक वार्ता प्रस्तुत की। डॉ. मल्होत्रा ने डेटा एनालिटिक्स, एक्चुरियल साइंसेज़, वित्त, शोध तथा अकादमिक क्षेत्र जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डालते हुए यह भी बताया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग और क्वांटिटेटिव मॉडलिंग जैसे उभरते क्षेत्रों में गणित की भूमिका किस प्रकार निरंतर बढ़ रही है। उन्होंने विद्यार्थियों को अंतर्विषयक अध्ययन अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया तथा गणितीय अवधारणाओं और उनके वास्तविक जीवन में उपयोगों के बीच सार्थक संबंध स्थापित करने में सहायता की। कार्यक्रम को विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया मिली। इस सत्र के बाद विद्यार्थी अपने भविष्य की योजना बनाने में आत्मविश्वास से परिपूर्ण हुए। प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने इस सत्र के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम न केवल विद्यार्थियों की करियर संभावनाओं की समझ को व्यापक बनाते हैं, बल्कि उन्हें गणित को बौद्धिक रूप से प्रेरक और संतोषजनक व्यावसायिक मार्ग के रूप में देखने के लिए भी प्रेरित करते हैं।

दक्षिण हरियाणा में रोहेड़ा–जांटी संरक्षण को मिलेगी तेज़ रफ्तार — प्राणवायु देवता पेंशन स्कीम की तर्ज पर नई योजना बनेगी : वन एवं पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के वन एवं पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह ने प्रदेश में वन संपदा के संरक्षण को मजबूत बनाने के उद्देश्य से निर्देश दिए हैं कि दक्षिण हरियाणा के विशेषकर महेंद्रगढ़, सतनाली, चरखी दादरी, बाढ़ड़ा, लोहारू क्षेत्रों में रोहेड़ा और जांटी के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए प्राणवायु देवता पेंशन स्कीम की तर्ज पर नई योजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि जिन किसान के खेतों में रोहेड़ा और जांटी के पेड़ सुरक्षित रहेंगे, उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप प्रतिवर्ष 500 रुपये की राशि प्रदान की जाएगी, जिसे आगे वर्ष–दर–वर्ष बढ़ाया जाएगा। वन मंत्री आज चंडीगढ़ में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश की प्राकृतिक विरासत एवं पर्यावरण संरक्षण सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है, और इस दिशा में योजनाओं को ग्राउंड लेवल तक प्रभावी रूप से लागू करने की आवश्यकता है।

IISF भारत की वैज्ञानिक सोच का प्रतीक: राज्यपाल

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल (IISF) सिर्फ़ विज्ञान का उत्सव नहीं है, बल्कि यह भारत की वैज्ञानिक सोच, तकनीकी क्षमता और भविष्य के लिए दूरदर्शी दिशा का प्रतीक है।

प्रो. असीम कुमार घोष आज यहां इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल-2025 के भव्य समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर प्रो. असीम कुमार घोष की धर्मपत्नी श्रीमती मित्रा घोष भी मौजूद थी।

राज्यपाल ने कहा कि पिछले चार दिनों में हमने विज्ञान के जीवंत रंग, नवाचारपूर्ण विचारों की चमक और अनुसंधान व ज्ञान की प्रेरणादायक ऊंचाइयों को पूरे देश में गूंजते हुए देखा है। यहाँ प्रस्तुत हर विचार, हर चर्चा, हर शोध-पत्र और हमारे युवा दिमागों द्वारा उठाया गया हर जिज्ञासु प्रश्न इस सच्चाई को पुनः स्थापित करता है कि भारत विज्ञान और नवाचार में एक वैश्विक नेता के रूप में तेजी से उभर रहा है।

राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि हाल के वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियाँ पूरे विश्व के लिए प्रेरणा बनी हैं। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के दूरदर्शी नेतृत्व में हरियाणा विज्ञान और प्रौद्योगिकी का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहा है। गुरुग्राम एक महत्वपूर्ण आईटी, एआई और स्टार्ट-अप हब बन चुका है। अनुसंधान संस्थान नए वैज्ञानिक आयाम खोल रहे हैं, जबकि विश्वविद्यालय एग्री-टेक, डेयरी साइंस, बायोटेक्नोलॉजी, मशीन लर्निंग, क्लाइमेट साइंस और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान को सुदृढ़ कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने विज्ञान-आधारित भविष्य के निर्माण के उद्देश्य से विभिन्न दूरदर्शी पहल भी शुरू की हैं। इनमें हरियाणा साइंस एंड इनोवेशन मिशन, यूनिवर्सिटी टेक-इंक्यूबेशन हब, एग्री-टेक और क्लाइमेट-टेक कार्यक्रम, स्कूलों में रोबोटिक्स, ड्रोन और कोडिंग लैब शामिल हैं।

युवाओं, छात्रों और वैज्ञानिकों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वे भारत की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने उनसे निरंतर प्रश्न पूछते रहने, कल्पना करते रहने और नवाचार करते रहने का आग्रह किया। उनके द्वारा किया गया हर प्रयोग, बनाया गया हर प्रोजेक्ट और लिखा गया हर शोध-पत्र राष्ट्र निर्माण में एक महत्वपूर्ण योगदान है। इस अवसर पर उन्होंने सभी से विज्ञान को समाज तक पहुँचाने, समाज को विज्ञान का सहभागी बनाने और भारत को एक वैश्विक वैज्ञानिक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने का सामूहिक संकल्प लेने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने सभी आयोजकों, वैज्ञानिकों, वालंटियर्स, सहभागी संस्थानों, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों और विशेष रूप से उन हजारों युवा मस्तिष्कों को हृदय से बधाई दी, जिन्होंने इस फेस्टिवल को न केवल सफल बनाया, बल्कि ऐतिहासिक भी बनाया।

इस मौके पर पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री डी. सेंथिल पांडियन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, हरियाणा के महानिदेशक श्री राजीव रतन, भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे के निदेशक डॉ. सूर्यचंद्र राव, विभा के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. शिव कुमार शर्मा, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के वैज्ञानिक डॉ. जगवीर सिंह, आईआईटीएम, पुणे के वैज्ञानिक डॉ. अनूप महाजन, पंचकूला के उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा, पुलिस उपायुक्त श्रीमती सृष्टि गुप्ता, नगराधीश सुश्री जागृति और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

- राज्यपाल ने भव्य समापन समारोह को किया संबोधित
- भारत विज्ञान और इनोवेशन में एक वैश्विक नेता के रूप में उभर रहा है*
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हरियाणा की तीव्र प्रगति

राजकीय माडल संस्कृति सीनियर सैकेंड्री स्कूल सेक्टर 26 में बाल विवाह मुक्त भारत के तहत प्रोग्राम का हुआ आयोजन

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। बाल एवं महिला विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार, राजकीय माडल संस्कृति सीनियर सैकेंड्री स्कूल सेक्टर 26 पंचकूला में बाल विवाह मुक्त भारत के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया।

यह प्रोग्राम प्रशासन, पुलिस विभाग व जिला युवा विकास संगठन के तत्वाधान में किया गया जिसमे लगभग 1000 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। प्रोग्राम का आरम्भ प्रिंसिपल श्री संजीव अग्रवाल के द्वारा मुख्यतिथि के स्वागत के साथ किया गया।

इसके बाद डा० मोनिका चौधरी , कार्डिनेटर जिला युवा विकास संगठन ने बाल विवाह, पोस्को एक्ट के बारें में विस्तार से चर्चा की। इसके बाद देवीनगर गर्वनमेंट मिडिल स्कूल के बच्चों द्वारा नुक्कड़ नाटक की झलक प्रस्तुत की गई। इसके बाद प्रोजैक्ट कार्डिनेटर जिला युवा विकास संगठन श्री अजय तिवारी द्वारा बाल विवाह से होने वाली समाज को हानि व कानून के प्रावधानों के बारें में बताया। कार्यक्रम की मुख्यतिथि श्री वीना अरोड़ा सीडब्लयूसी चैयरमेन द्वारा जुवेनाईल एक्ट व सीडब्लयूसी के बारे में विस्तार से बताया गया। आयोजन का सफल समापन बाल विवाह के विरुद्ध शपथ लेकर किया गया।

उपायुक्त ने आगामी नगर निगम चुनाव 2026 को लेकर एडहॉक कमेटी के सदस्यों के साथ आयोजित बैठक की करी अध्यक्षता

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त एवं एडहॉक कमेटी के अध्यक्ष श्री सतपाल शर्मा की अध्यक्षता में उपायुक्त कैंप कार्यालय पर आज वार्डों के आगामी नगर निगम पंचकूला चुनाव 2026 वार्डों के परिसीमन को लेकर एडहॉक कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक आयोजित हुई।

उपायुक्त के सम्मुख संयुक्त आयुक्त श्री गौरव चौहान ने वोटरों के आधार पर नगर निगम पंचकूला के 20 वार्डों के परिसीमन के डाटा का कार्य पूरा कर प्रस्तुत किया। बैठक के दौरान एडहॉक कमेटी के सभी सदस्यों ने वार्डों के परिसीमन पर हस्ताक्षर किए। पंचकूला वार्डबंदी का कार्य सम्पन करने वाला पहला जिला बन गया है।

एडहॉक कमेटी के अध्यक्ष श्री सतपाल शर्मा ने बताया कि पंचकूला नगर निगम में 20 वार्ड आते हैं, जंहा पर आगामी नगर निगम चुनाव करवाया जाना है। वार्ड नंबर 1 में सकेतडी, भैंसा टिब्बा, एमडीसी सैक्टर-6, 4 आते हैं। वार्ड नंबर 2 में एमडीसी सैक्टर-5, सैक्टर-6 में माजरी में आता है। वार्ड नंबर 3 में सैक्टर-7, सैक्टर-8 आता है। वार्ड नंबर 4 में सैक्टर-9, 10 आते हैं। वार्ड नंबर 5 में सैक्टर-15 आता है। वार्ड नंबर 6 में सैक्टर-16,17, 18 तक शामिल है। वार्ड नंबर-7 में राजीव कालोनी शामिल है। वार्ड नंबर-8 में इंदिरा कालोनी, बुडनपुर शामिल है। वार्ड नंबर-9 में सैक्टर-19 और इंडस्ट्रीयल एरिया फेज 2 आते हैं। वार्ड नंबर-10 में अभयपुर, सैक्टर-14, इंडस्ट्रीयल एरिया फेज 1 आते हैं। वार्ड नंबर-11 में सैक्टर-12, सैक्टर-12ए और रैली गांव आते हैं वार्ड नंबर-12 में सैक्टर-11, सैक्टर-4 और हरिपुर शामिल है। वार्ड नंबर-13 में सैक्टर-4, आधा सैक्टर-21 व देवीनगर आते है। वार्ड नंबर-14 में महेशपुर, मद्रासी कालोनी, सोसाईटी नियर फतेहपुर सैक्टर-20, आधा सैक्टर-21 आते है। वार्ड नंबर-15 में कुंडली, आधा फतेहपुर और आधा सैक्टर-20 आते हैं। वार्ड नंबर-16 में चंडी कोटला, बीड धग्गर, खडग मंगौली आते हैं। वार्ड नंबर-17 में आधा खडग मंगौली, चैंकी, सैक्टर-23,24,25, नग्गल मोगीनंद और नडडा आते हैं। वार्ड नंबर-18 में बाना, मदनपुर, सैक्टर-26, 27,28 आते हैं। वार्ड नंबर-19 में रामगढ, बिल्ला, जसवंतगढ, दबकौरी, माणक्या और भानू आते हैं। वार्ड नंबर-20 में कोट, खंगेसरा, टोका, अलीपुर, सुखदर्शनपुर, नग्गल, जलौली और खटौली आते हैं।

'आत्म बोध से विश्व बोध' विचार विमर्श के साथ हुआ कुसुम धीमान की पुस्तक 'विचारमंजरी' का विमोचन

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। अखिल भारतीय साहित्य परिषद् इकाई पंचकूला एवं टी.एस. सेंट्रल स्टेट लाइब्रेरी के संयुक्त तत्वावधान में सेक्टर 17 लाइब्रेरी सभागार में 'आत्म बोध से विश्व बोध' विषय पर विचार गोष्ठी एवं कुसुम धीमान द्वारा लिखित छंद संग्रह 'विचारमंजरी' का विमोचन समारोह आयोजित किया गया जिसमें हरियाणा साहित्य एवं संस्कृत अकादमी उपाध्यक्ष डॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। भिवानी से पधारे संस्था के हरियाणा प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. मनोज भारत का वक्तव्य आत्मबोध से विश्व बोध तक विशेष सराहनीय रहा। इस शुभ अवसर पर उपाध्यक्ष डॉ. संतोष गर्ग, पंजाब प्रांत अध्यक्ष प्रो. सुनील शर्मा, नाडा साहब मंडल महामंत्री व समाजसेविका श्रीमती पुष्पा सिंगरोहा एवं संवाद साहित्य मंच अध्यक्ष प्रेम विज विशिष्ठ अतिथि के रूप में शामिल रहे। उपरोक्त के अतिरिक्त इकाई मार्गदर्शक सुनीता नैन एवं राजवीर सिंह 'राज' भी विशेष तौर पर उपस्थित रहे।

इकाई महासचिव अनिल 'चिंतक' ने मंच संचालन करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। पंचकूला इकाई अध्यक्ष डॉ विनोद शर्मा के अतिथि- सम्मान उपरांत, दीप प्रज्वलन के साथ ही सृजन संस्था अध्यक्ष सोमेश गुप्ता ने सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

कुसुम धीमान 'कलिका' द्वारा रचित काव्य संग्रह 'विचारमंजरी' का अतिथियों द्वारा विमोचन- उपरांत सारगर्भित समीक्षा अन्नुरानी शर्मा, इकाई उपाध्यक्ष नीरू मित्तल, किदार अदबी ट्रस्ट संयोजक गणेश दत्त बजाज एवं बिलासा महालय से अदिति अत्रे द्वारा प्रस्तुत की गई।

भिवानी से पधारे डॉ. मनोज भारत ने समाज में निरंतर फैलती हुई पाश्चात्य सभ्यता पर चिंता व्यक्त करते हुए, लुप्त होती विवाह प्रथा व तेजी से पाँव पसारती लीव इन रिलेशनशिप प्रथा के दुष्परिणामों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि संस्कृति को क्षति पहुंचाते टूटते परिवार, कुटुंब की परंपरा पर कुठाराघात करते हैं। इन सभी विषयों पर हमें लेखनी चलाकर समाज को जागृत करने की ओर ध्यान देना चाहिए ताकि हम आत्म बोध से विश्व बोध की तरफ बढ़ सकें।

पंजाब से पधारे प्रोफेसर सुनील ने कहा कि आज के परिवेश में परिषद् जैसी संस्था और संस्कृति को संरक्षण प्रदान करने वाले विषयों का प्रचार प्रसार नितांत आवश्यक है। विशिष्ट अतिथि संतोष गर्ग ने पुस्तक लेखिका कुसुम धीमान के सकारात्मक व्यक्तित्व की भूरि- भूरि प्रशंसा करते हुए केंद्रीय विषय पर अपने विचार रखे।

मुख्य अतिथि डॉ कुलदीप अग्निहोत्री जी ने अपने संबोधन में छंदबद्ध लेखन की सराहना करते हुए सभी को छंद लेखन के प्रति प्रेरित करते हुए कहा कि आज के समाज का पश्चिम संस्कृति के प्रति आकर्षण बेहद चिंताजनक है लेकिन आप जैसे साहित्यकार यदि अपने दायित्व का निर्वहन निरंतरता से करते रहेंगे तो हम अपने लक्ष्य में सफलता पा सकते हैं और अपनी सभ्यता एवं संस्कृति का संरक्षण भी अवश्य कर पाएंगे।

पुस्तक लेखिका कुसुम धीमान ने अपनी लेखन यात्रा के सभी सहयोगियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि अपने बेटे अभिनव एवं पुत्रवधु पूजा का आभार प्रकट किया जिन्होंने उनको पुस्तक लेखन के लिए प्रेरित किया। साथ ही शुभकामना सन्देश देने वाले सभी साहित्यकारों का आभार व्यक्त किया।

अंत में इकाई अध्यक्ष डॉ. विनोद शर्मा ने टी एस सेंट्रल लाइब्रेरी के आयोजन कर्ताओं, अतिथियों एवं श्रोताओं का धन्यवाद करते हुए आभार व्यक्त किया।

उपरोक्त के साथ ही मधु धीमान, डॉ. रेखा मित्तल, एम.एल.अरोड़ा, अनिल शाश्वत व किरन शाश्वत, रेणु अब्बी, सरोज व सुशील चोपड़ा, डॉ. संगीता कुंद्रा, सोहन रावत, किरण चौधरी, पुष्पा हंस, संगीता पुखराज, धर्मपाल मठारू,अभिनव व पूजा मठारू, सुनीता व सुधीर गोयल, उषा धीमान, आर. पीताम्बरी, सुषमा जोशी, गरिमा गर्ग, निहाल, सुरेंद्र वर्मा, सीमा शर्मा, श्याम सुंदर, जय प्रकाश, अमित कुमार, पूनम अरोड़ा, श्रुति कुमार, रितिशा, कीर्ति शर्मा, हरिओम शर्मा, कमला रानी, देवांश, उषा, प्रीति एवं कवलजीत सिंह विशेष रूप में उपस्थित रहे।

सीटीयू में रिलीव व टर्मिनेट किए गए 142 आऊटसोर्सिंग ड्राइवरों व कंडक्टरों की हो तत्काल बहाली: संयुक्त कर्मचारी मोर्चा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। गत नवंबर महीने सीटीयू प्रशासन ने डिपो नं 4 से 15 वर्ष पूरी कर चुकी लगभग 85 बसों को कंडम घोषित करते हुए 142 आऊटसोर्सिंग ड्राइवरों को आफ रुट करते हुए रिलीव किया।

सीटीयू डायरेक्टर श्री प्रदुम्न सिंह व जनरल मैनेजर ने सीटीयू कांट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन को आश्वासन दिया कि नई इलेक्ट्रिक बसों के आगमन पर इन ड्राइवरों को ड्यूटी पर वापस लिया जाएगा । हालांकि पुरानी बसों पर कार्यरत कंडक्टरों को दूसरे डिपों में स्थानांतरित कर दिया गया।

दिसंबर महीने में सीटीयू प्रशासन ने इन रिलिव ड्राइवरों को रोटेशन में ड्यूटी देने से मना कर दिया व सीटीयू कांट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन की कार्यकारिणी के पास अपने कर्मचारियों की नौकरी बचाने का कोई विकल्प नहीं बचा।

सीटीयू कांट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन ने शांतिपूर्वक धरना प्रदर्शन करने का निर्णय लिया परन्तु सीटीयू प्रशासन ने 18 नवंबर को सीटीयू में लगाए गए

एस्मा का प्रयोग करते हुए शांतिपूर्वक धरना प्रदर्शन में शामिल सैकड़ों अन्य ड्राइवरों व कंडक्टरों को टर्मिनेट कर दिया।

सीटीयू कांट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन के प्रधान बलराज दहिया ने इन आऊटसोर्सिंग कर्मचारियों की नौकरी बचाने के लिए चंडीगढ़ में सक्रिय सभी कर्मचारी युनियनों व फैडरेशनों से गुहार लगाते हुए सहयोग की अपील की।

चंडीगढ़ के यूटी एस एस फैडरेशन ने प्रधान श्री रंजीत मिश्रा की अगुवाई में पहल करते हुए इन आऊटसोर्सिंग कर्मचारियों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया।

एस्मा के चलते सीटीयू के कर्मचारी संगठनों में भी असंमजस बना है कि किस प्रकार इन आऊटसोर्सिंग कर्मचारियों की मदद की जाए।

इस बाबत आज हुई एक मीटिंग सीटीयू के रैगुलर संगठनों को सीटीयू कांट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन का सहयोग करने की अपील करते हुए चंडीगढ़ प्रशासन व म्युनिसिपल कार्पोरेशन में सक्रिय संयुक्त कर्मचारी मोर्चा ने आऊटसोर्सिंग कर्मचारियों की नौकरी बचाने के लिए समर्थन का ऐलान किया।

संयुक्त कर्मचारी मोर्चा की मीटिंग में फैडरेशन ऑफ यूटी एवं एम सी इम्प्लाइज, ज्वाइंट एक्शन कमेटी आफ यूटी एवं एम सी इम्प्लाइज, ज्वाइंट इम्प्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन चंडीगढ़, ज्वाइंट एक्शन कमेटी आफ टीचर्स व आल कांटरैकचुअल कर्मचारी संघ भारत की मुख्य कार्यकारिणी से गोपाल दत्त जोशी,अश्विनी कुमार,सुखबीर सिंह, राजिंदर कटोच,हरकेश चंद ,सुब्रमण्यम शिव मूरत यादव, बिपिन शेर सिंह,अशोक कुमार व गुरप्रीत सिंह बावा इत्यादि ने भाग लिया।

गोपाल दत्त जोशी कन्वीनर ने आनन-फानन में प्रशासन के इस निर्देश की निंदा करते हुए चंडीगढ़ व सीटीयू प्रशासन को तत्काल प्रभाव से इन निकाले गए सीटीयू आऊटसोर्सिंग ड्राइवरों को बहाल करने व सीटीयू में रैगुलर संगठनों को इन आऊटसोर्सिंग कर्मचारियों को सहयोग करने की अपील की।

सुखबीर सिंह कन्वीनर ने बताया कि संयुक्त कर्मचारी मोर्चा जल्द ही 16 दिसंबर को इन मुद्दों के निवारण के लिए भकना भवन में पर एक कन्वेंशन करने जा रहा है जिसमें निकाले व टरमिनेट किए गए सीटीयू आऊटसोर्सिंग ड्राइवरों व कंडक्टरों समेत रैगुलर ,कांट्रैक्ट व आऊटसोर्सिंग कर्मचारियों की मांगों पर आम सहमति बनाते हुए एक लंबे संघर्ष का ऐलान किया जाएगा।

राज्य युवा महोत्सव 2025 के दूसरे दिन युवा कलाकारों ने बाँधा समा

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। पंचकूला के इंद्रधनुष सभागार में चल रहे तीन दिवसीय राज्य युवा महोत्सव के दूसरे दिन के कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि के तौर पर युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग के प्रधान सचिव श्री राजीव रंजन द्वारा किया गया। विभाग के महानिदेशक डा. विवेक अग्रवाल ने मुख्यातिथि का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया ।मुख्यातिथि ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं को सर्वप्रथम अपने आप से प्रतियोगिता करनी चाहिए ओर अपने हुनर को निरंतर निखारते रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि "आपका कल का सर्वोतम आपके आज के सर्वोतम से बेहतर होना चाहिए।"उन्होंने कहा कि आज हर युवा यहाँ से अपने जीवन के लिए लक्ष्य निर्धारित करके जाये व उसे प्राप्त करने के लिए जी-जान से कड़ी मेहनत करे। प्रधान सचिव ने अपने संबोधन से युवाओं को जोश और उत्साह से भर दिया।

महानिदेशक डा. विवेक अग्रवाल ने अपने संबोधन में मुख्य अथिति का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधान सचिव श्री राजीव रंजन के प्रशासनिक अनुभव व दूरदृष्टि के कारण विभाग नये नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने युवाओं को सन्देश देते हुए कहा कि हरियाणा का युवा इतना हुनरमंद है कि अपने रास्ते स्वयं तय कर रहा है।उन्होंने निदा फाजली के एक शेर की लाइनों से युवाओं को प्रेरित करते हुआ कहा कि हम भी दरिया है हमें अपना हुनर मालूम है। जिस तरफ भी चल पड़ेंगे रास्ता हो जायेगा।

इस महोत्सव में हरियाणा राज्य के अलग अलग जिलों से आये हुए लगभग 800 प्रतिभागी, लोक नृत्य, संगीत वाद्य यंत्र, कहानी

लेखन, कविता लेखन, पेंटिंग व भाषण प्रतियोगिता आदि विषयों पर आधारित प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले रहें हैं। इन प्रतियोगिताओं में अव्वल स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। दूसरे दिन के कार्यक्रम में लोक गायन (समूह), वाद्य यंत्र प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता व पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई ।इन प्रतियोगिताओं में जिला स्तर पर प्रथम आये युवाओं के बीच में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। भाषण प्रतियोगिता में युवाओं ने लोकतंत्र व आपातकाल के विषय पर अपने अपने विचार प्रस्तुत किये व पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने नशा मुक्ति व स्वस्थ जीवन शैली विषय पर अपनी कला को रंगों में पिरोया। महोत्सव में विभिन्न विभागों जैसे शिक्षा विभाग, वीटा, पी.जी.आई. चंडीगढ़, खेल विभाग, स्वास्थ्य विभाग, मारुती सुजुकी, खादी विभाग, कुरुक्षेत्र विश्विद्यालय, पर्यटन विभाग तथा श्री विश्वकर्मा कौशल विश्विद्यालय द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी को देखने के लिए दिनभर उत्सुक लोगों की भीड़ लगी रही।